बसंत अंक

जनवरी-मार्च 2023

श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद

श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज का दर्पण

वामन कद किन्तु विराट व्यक्तित्व के धनी

स्व. श्री रमेशचंद्रजी तिवारी

को समर्पित...

HAPPY BIRTHDAY

दिव्यम मंडलोई

(जन्म 18/01/2021)

हम सबकी आँखों के
आप हो तारे,
आप हो प्यार से भी
अधिक प्यारे,
जबसे मण्डलोई परिवार
में आये हो,
हर तरफ आप ही आप
तो छाये हो।

द्वितीय वर्षगांठ

पर

हार्दिक शुभकामनाएं

बधाईकर्ता एवं अशीर्वाददाता

परदादा-परदादी
कैलाशचंद्र-विजया मंडलोई
दादा-दादी
राजेश-संध्या मंडलोई
पापा-मम्मी
मोहित-आराधना मंडलोई
काकादादा-काकीदादी
संजय-वर्षा मंडलोई, रूपेश-रीता मंडलोई
काका : शुभम मंडलोई, प्रियाँक मंडलोई
भुआ : कु. प्रियंका, कु.रुपाली, कु.रुचि, कु.रिदीमा मंडलोई

नानी
श्रीमति सविता-स्व.प्रमोद रावल
परनाना-परनानी
कान्तिलाल-मनोरमा पँडित
मामानाना-मामीनानी
ललित-कविता पँडित, हितेन्द्र-टीना पँडित
मामा : अमन रावल, अभय, अवधेश, अक्षत पँडित
मौसीजी-मौसाजी
पुजा-अंशुल जोशी, आरती-संदीप शर्मा, कु. अँजलि रावल
बहन : अधिश्री, अविका, अधिष्ठा

समस्त मंडलोई परिवार (दिगठान), रावल परिवार (देवराखेड़ी), पंडित परिवार (नेवरी)

57 - ए, आशीष रिजेंसी पिपलिया हाना, इन्दौर मोबा.- 9753336900

श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद

(श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज का दर्पण)

वर्ष-15 :: कुल अंक-59
जनवरी से मार्च 2023

● **प्रबंध संपादक** ●
सुभाष जोशी, संतोष नायक,
निर्लेश तिवारी, राकेश जोशी

● **प्रधान संपादक** ●
मनोहर दुबे

● **सह-संपादक** ●
शेष नारायण त्रिवेदी, अनिल त्रिवेदी, अशोक दुबे, नलिनी जोशी, अर्चना मंडलोई, सुषमा दुबे, सीमा व्यास, उषा दुबे, माधुरी व्यास, स्वधा पंडित (खरगोन), सीमा जोशी (उज्जैन), वसुंधरा पंडित, जयश्री व्यास, शांता नायक, डॉ. दीपा व्यास

सूचना : सदस्यता शुल्क 'श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद' के खाते में खाता क्रमांक 883310210000058 बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में नकद जमा कर सकते हैं या
ऑनलाइन (IFSC-BKID0008833) ट्रांसफर कर सकते हैं।

सहयोग राशि
द्विवार्षिक : 500/- त्रैवार्षिक : 700/- संरक्षक : 2500/-

::: संपादकीय कार्यालय :::

302, वर्धमान अपार्टमेंट, ए-4 सिलीकान सिटी राऊ रोड, इन्दौर-452012
उपकार्यालय : एम-49, खातीवाला टैंक, इंदौर
मो. : 9425958058, 9406826302
Email : shrigoud@yahoo.com
Website : www.shrigoud.com

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखक के अपने हैं। संपादक मंडल का उससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अनुक्रमणिका **बसंत अंक 2023**

तिवारीजी स्मृति विशेष

संक्षिप्त जीवनी		7
कुछ महत्वपूण स्मृतियां		9
राष्ट्र युवा शक्ति की ओर...		10
विश्व विकास के लिए...		11
तिवारीजी द्वारा सम्पादित...		12
कृषक सहायक पुस्तिकाएं		13
आज भी कानों में गूंजता...		14
कहानी-माथ की रेख		15
जीवन की कुछ झलकियां		16
एक अलहदा व्यक्तित्व	डॉ. योगेन्द्रनाथ शुक्ल	17
हमारे आदर्श, हमारे...	निर्लेश, नितिन, नितेश	18
श्री रमेश भाई कुछ...	किशनलाल कलोत्रा	19
मेरे आदर्श...	हेमंत पंडित	19
मेरा मित्र-रमेश तिवारी	अजीज अंसारी	20
निस्वार्थ समाजसेवी...	सुषमा दुबे	21
एक अनुकरणीय...	कैलाश नारायण व्यास	22
नामचीन हस्तियों की नजर में तिवारीजी		23

आलेख

प्रेम एवं विश्वास	मनोहर मंडलोई	26
बुढ़ापा कैसे जियें	रोहिताश्व पाठक	27
वाह रे! मोबाइल	जगदीश जोशी	28

कथा-कविता

छोटी सी आशा मन की	निरूपमा त्रिवेदी	29
मैं हूँ नारी	निरूपमा त्रिवेदी	29
प्रेरणा के लघु दीप...	जयश्री जोशी	29
बसंती अई गयो	पुष्पा पुराणिक	29
समाज समाचार		30-45
विवाह योग्य युवतियां/युवक		46-64

विशेष सूचना

श्री श्रीगौड़ संवाद पत्रिका के संबंध में जानकारी लेने, सदस्यता प्राप्त करने, पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामग्री, बायोडाटा देने, पत्रिका प्राप्त करने, सुझाव या शिकायत के लिए आप संपादकीय कार्यालय के अतिरिक्त निम्न महानुभावों से संपर्क कर सकते हैं।

इंदौर पश्चिम क्षेत्र

1. श्री शेषनारायण त्रिवेदी, सुदामा नगर 9407413422
2. श्री शैलेन्द्र जोशी, सुदामा नगर 9229907634
3. श्री प्रमोद दुबे, सुदामा नगर 9977016794
4. श्री देवेन्द्र दुबे, सुदामा नगर 9977965570
5. श्री योगेश पंडित, सुदामा नगर 9827066901
6. श्री सुभाष जोशी, वैशाली नगर 9926012492
7. श्री निर्लेश तिवारी, भवानीपुर 9827091200
8. श्री सुनील जोशी, पार्श्वनाथ नगर 9039476174
9. श्री सतीश शर्मा, स्कीम नं. 71 9827799643
10. श्री मुकेश शर्मा, द्वारकापुरी 9826520378
11. श्री अरुण प्रकाश जोशी, विदुर नगर 9826609626

इंदौर मध्य क्षेत्र

1. श्रीमती वसुंधरा पंडित, जूनी इंदौर 9826496428
2. श्री नरेन्द्र मंडलोई, जूनी इन्दौर 9300998283
3. श्री अनिल त्रिवेदी, खातीवाला टैंक 9425061752
4. श्री संतोष नायक, खातीवाला टैंक 9406826302
5. श्री ओमप्रकाश व्यास, खातीवाला टैंक 4230459
6. श्री राकेश जोशी, बैराठी कालोनी 9424876801

इंदौर : स्कीम नं. 54, 74, 78, परदेशीपुरा, भमोरी

1. श्री ओ.पी. नाईक, तुलसी नगर 9893618125
2. श्री अशोक दुबे, स्कीम नं. 54-74 9425075337
3. डॉ. महेश त्रिवेदी, परदेशीपुरा, सुखलिया 9425075347
4. श्री दिलीप दुबे, भमोरी 9425000006
5. श्री सुरेश दुबे, भमोरी 9826079096

इंदौर पूर्वी क्षेत्र

1. श्री सुरेन्द्र दुबे, मूसाखेड़ी 9406666756
2. श्री निरूप जोशी, रेडियो कालोनी 9407119800
3. श्री अरुण नाईक, खंडवा रोड 9826640319

देवास/सोनकच्छ

1. डॉ. सुरेश शर्मा, देवास 9425987901
2. श्री गोपालकृष्ण जोशी, देवास 9826391020
3. श्री देवेन्द्र जोशी, सोनकच्छ 9893069728

धार/कुक्षी/मनावर/धरमपुरी

1. श्री सुरेश व्यास, धार 9424800490
2. श्री राघवेन्द्र जोशी, धरमपुरी 7869862900

उज्जैन

1. डॉ. देवेन्द्र जोशी 0734-2576896
2. श्री अमित जोशी 8817371587
3. श्री ओ.पी. जोशी 9993993532

भोपाल/सीहोर

1. श्री सुरेश व्यास 9302460194, 7000013686
2. श्री प्रमोद शर्मा 9826828461
3. सुश्री प्रतिभा उपाध्याय 7999072790

रतलाम

1. श्री सतीश जोशी 8989526569

मंदसौर

1. श्री वीरेन्द्र पंडित 9424885905
2. श्री वीरेन्द्र भट्ट 9425033953

निमाड़ क्षेत्र

1. श्रीमती स्वधा पंडित, खरगोन 9407142605
2. श्री अजय जोशी, बड़वानी 9039610719
3. श्री शरद सर्राफ, कसरावद 9424006115
4. श्री ब्रजेश व्यास, कसरावद 9926088660
5. श्री सुभाष दुबे, महेश्वर 7283273553

सारंगपुर/राजगढ़

1. श्री अशोक शर्मा 9826357719

आगर/नलखेड़ा

1. श्री शैलेन्द्र दुबे 7898271353

संवाद भगिनी

1. श्रीमती उषा दुबे 9826393532
2. श्रीमती सुषमा दुबे 8982372410
3. श्रीमती शांता दुबे 0731-2472714
4. श्रीमती वीणा जोशी 0731-2481051
5. श्रीमती किरण व्यास 0731-2486051
6. श्रीमती अर्चना मंडलोई 9406616871
7. श्रीमती जयश्री व्यास 9826397948
8. श्रीमती मंजुलता मंडलोई 9926376979

सम्मानीय समाजजन,

श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के दर्पण के रूप में जानी जाने वाली आपकी पत्रिका 'श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद' सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के साथ, समय समय पर समाज की उन विभूतियों पर, जो सामाजिक उत्थान और सम्मान के लिए सक्रिय एवं समर्पित रहीं, विशेषांक प्रकाशित कर, उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से समाजजन को अवगत कराती रही है ताकि अगली पीढ़ी उनसे प्रेरणा प्राप्त कर सके। अभी तक आप स्व. श्री कृष्णकांत जी दुबे (नन्दाजी), स्व. श्री आनन्दराव जी दुबे (मालवमयूर), स्व. श्री कृष्णराव जी व्यास 'प्रमेश', स्व. श्री लक्ष्मीनारायण जी तिवारी, स्व. श्री श्रीधर जी जोशी, स्व. श्री प्रभुदयाल जी चौबे, स्व. डॉ. सतीश दुबे जी आदि महान विभूतियों पर पत्रिका के विशेषांक देख चुके हैं। उसी श्रृंखला में आपके सम्मुख यह अंक समाजसेवी स्व. श्री रमेशचन्द्र जी तिवारी पर केन्द्रित है।

27 मार्च 1943 को फरसपुर के प्रतिष्ठित पटेल परिवार में जन्में श्री रमेशचंद्र जी तिवारी समाज की उन गिनी चुनी हस्तियों में हैं जिनके कारण श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। स्व. तिवारी जी समाज के उन बिरले व्यक्तियों में से थे जिन्होंने समाज को दिया ही दिया है, समाज से कभी अपेक्षा नहीं की। स्वयं तो समाज के प्रति सजग थे ही, उन्होंने अगली पीढ़ी को भी समाजसेवा के लिए संस्कारित किया। स्व. तिवारी जी ने अपने तीनों पुत्रों को समाज से जुड़ने एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहने की सीख दी। श्री रमेशचंद्र जी तिवारी एक निश्छल एवं बेबाक व्यक्तित्व के धनी थे। वे सामाजिक विसंगतियों तथा बुराइयों पर स्पष्ट बोलते थे। वे बिना इस बात की चिंता किये कि ऐसी स्पष्टवादिता कभी-कभी विवाद व अप्रिय स्थितियां उत्पन्न भी कर सकती हैं, बेबाक बोल देते थे। चूंकि समाज का प्रत्येक व्यक्ति स्व. तिवारी जी के निस्वार्थ एवं निश्छल जीवन व समाज हितैषी भावना से परिचित था इसलिए उनकी स्पष्टवादिता के कारण कभी कोई विवाद या अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हुई। स्व. तिवारी जी पूर्वजों द्वारा स्थापित सामाजिक मर्यादाओं एवं आदर्शों के पक्के हिमायती थे। तिवारी जी 'श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद' पत्रिका के प्रारंभ होने के समय से ही इससे जुड़े हुए थे। वे। पत्रिका के सच्चे हितैषी व सहयोगी रहे हैं। तिवारी जी जैसे मनीषी का साहचर्य और सहयोग पाकर श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद पत्रिका अपने शैशव काल में ही काफी लोकप्रियता और प्रचार पा सकी। स्व. तिवारी जी ने अपने प्रतिभाशाली पुत्र श्री निर्लेश तिवारी को पत्रिका के लिए कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्कारी पुत्र निर्लेश ने अपने पिताजी की इच्छा को शिरोधार्य करते हुए समर्पित भाव से श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद के लिए कार्य कर रहे हैं। वे पत्रिका के संपादक मण्डल के सक्रिय सदस्य भी हैं। श्री रमेशचंद्र जी तिवारी का जाना श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज जे साथ ही श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद परिवार के लिए भी बड़ी क्षति है।

स्व. श्री रमेशचंद्र जी तिवारी अपने जीवन मूल्यों, विचारों व आदर्शों के रूप में हमेशा एक मार्गदर्शक के रूप में श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज, नवचेतना संवाद एवं कृषक जगत के साथ रहेंगे।

हम आशा करते हैं कि वामन कद लेकिन विराट व्यक्तित्व के धनी स्व. रमेशचन्द्र जी तिवारी पर केन्द्रित इस अंक से समाजजन उनके विराट व्यक्तित्व और कृतित्व से अवगत होकर, उनसे प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

-मनोहर दुबे

परशोत्तम रूपाला
PARSHOTTAM RUPALA

D.O. No. Message Mos
(AC & FW & PR)/VIP/2018/3158

राज्य मंत्री
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
और पंचायती राज मंत्रालय
भारत सरकार
Minister of State
Ministry of Agriculture & Farmers Welfare
Ministry of Panchayati Raj
Government of India

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कृषि पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर, साहित्य रत्न एवं कृषि पंडित एवं सह संचालक (कृषि) स्व. श्री रमेशचंद्र तिवारी की स्मृति में पुस्तक कृषक संजीवनी और कृषि स्तुति के आगामी संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है। कृषक संजीवनी का निशुल्क वितरण चयनित ग्राम पंचायतों में किया जाता रहा है।

मैं कृषक हित में निरंतर प्रकाशित कृषक संजीवनी/कृषि स्तुति पत्रिका के प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ।

परशोत्तम रूपाला

मनीष कुमार श्रीवास्तव
जिला न्यायाधीश
सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इंदौर

शुभकामनाएं

हर्ष का विषय है की सामाजिक सरोकार की पत्रिका ' श्रीश्रीगौड़ नवचेतना संवाद ' का आगामी अंक वरिष्ठ कृषि पत्रकार, साहित्यकार, समाजसेवी एवम सह. संचालक कृषि विभाग स्व. रमेश चंद्र तिवारी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित विशेषांक रहेगा। निश्चित रूप से समाज को उनके प्रेरणात्मक कार्यो की जानकारी से नई दिशा प्राप्त होगी।

स्व. तिवारी को सादर श्रद्धा सुमन व संवाद विशेषांक प्रकाशन की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं।

मनीष कुमार श्रीवास्तव

डॉ. गोपालसिंह कौशल
तत्कालीन कृषि संचालक
म. प्र. शासन

शुभकामनाएं

स्व. श्री रमेशचंद्र तिवारी ने मेरे साथ वर्षों तक कार्य किया। उन्होंने कृषि विभाग की योजनाओं को कृषकों तक पहुँचाने में तत्परता से हमेशा कार्य किया। इसके फलस्वरूप कृषकों को तकनीकी ज्ञान मिलता रहा, जो उत्पादन बढ़ाने और आर्थिक स्थिति सुधार में सहायक रहा। समय-समय पर उनके लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में सरल भाषा में प्रकाशित होते रहे, जिससे कृषकों को ज्ञान प्राप्त होता रहा। जैविक विज्ञान के प्रारंभिक काल में, इसका ज्ञान प्राप्त कर कृषि को तक इसे पहुंचाने का कार्य भी वे दक्षतापूर्वक अपने अंत समय तक करते रहे।

समाज की पत्रिका श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद द्वारा उनकी यादों को क्रमबद्ध कर प्रकाशित करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। आशा है पत्रिका का यह अंक कृषकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शिका का कार्य करेगा।

श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद के स्व. रमेशचंद्र जी तिवारी विशेषांक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं।

-डॉ. गोपालसिंह कौशल

संक्षिप्त जीवनी

प्रदेश में कृषि विकास के आधार स्तम्भ व कृषि पत्रकारिता की आधारशिला

स्व. रमेशचंद्र तिवारी

वरिष्ठ कृषि अधिकारी (सह.संचालक कृषि) कृषि पत्रकारिता व साहित्य के पुरोधा प्रसिद्ध समाजसेवी स्वर्गीय रमेशचंद्र तिवारी का जन्म एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार में इंदौर में दिनांक 27 मार्च 1943 को हुआ। जन्म के कुछ समय बाद आपकी माताजी का अल्पायु में स्वर्गवास हो जाने से बचपन से ही कड़े संघर्ष का सामना करना पड़ा तथापि दादा दादी व परिजनों ने अच्छी परवरिश की पर मां का तो कोई विकल्प होता नहीं। शिक्षा इंदौर के शासकीय विद्यालय में हुई तथा कृषि महाविद्यलय से कृषि स्नातक की उपाधि प्राप्त की। तत्पश्चात कृषि विभाग की शासकीय सेवा में आए और पहली पद स्थापना मनावर में हुई। पहली पदोन्नति पर जनजातीय जिला धार में पदस्थ हुए। सत्तर के दशक में आपका स्थानांतरण इंदौर के संयुक्त संचालक कार्यालय (जिलाधीश कार्यालय परिसर) में हुआ जहां अनेक वर्षों तक सेवाएं देने के पश्चात पद्दोन्नत होकर बतौर सह.संचालक देवास पहुंचे और वही से सेवानिवृत हुए।

उन्होंने अपने कार्यकाल में कभी भी सरकारी आवास ग्रहण नहीं किया तथा सरकारी गाड़ियों का भी कार्यालयीन दौरों के लिए ही उपयोग करते तथा चालक को वाहन कार्यालय में अड्डे पर ही रखवाकर पैदल भ्रमण करते हुए घर पहुंचते। कृषि विभाग में नौकरी को उन्होंने सिर्फ रोजगार का माध्यम ही नहीं समझा अपितु अपने संपूर्ण सेवाकाल में कृषि अधिकारी के कर्तव्यों में निहित मूलभावों को पहचान कर हृदय से स्वीकार कर, कृषि हितार्थ साधनारत रहे। इन्दौर संभाग, उजैन संभाग (देवास), धार, मनावर उनके प्रमुख कार्यक्षेत्र रहे जहाँ उनके विभागीय साथियों द्वारा अभी भी मिसाल दी जाती है।

प्रदेश के लगभग तीस पैंतीस कृषकों को लेकर कार्यशाला व प्रशिक्षण हेतु आनंद (गुजरात) व (उदयपुर) राजस्थान की एक माह की यात्रा किसान विद्यापीठ वाहन द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम से प्रदेश के कृषकों में कृषि संबंधी तकनीकि ज्ञान से एक नया उत्साहवर्द्धन हुआ।

इन्दौर सहित प्रदेश के अन्य शहरों में कृषि मेलो, फूल प्रदर्शनी आदि का अपनी टीम के साथ सफल आयोजन करते व उनके प्रबंधन की मिसाल दी जाती, उसी तारतम्य में प्रकाशित स्मारिकाओं के सफल संपादन पर उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वय, केन्द्रीय कृषि मंत्री आदि ने सम्मानित भी किया ।

पाँच दशको तक अपनी लेखनी, वाणी के संयोजन से प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाओं विशेषकर दैनिक भास्कर, नईदुनिया, नवभारत टाइम्स, स्वेदश, पीपुल्स समाचार दैनिक दबंग दुनिया, कृषक जगत, मध्यप्रदेश संदेश, किसान समाचार, हलधर वाणी आदि में लेखन करते रहे साथ ही सत्तर व अस्सी के प्रमुख इलेक्ट्रानिक मीडिया रेडियों के महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'खेती गृहस्थी' से कृषि हितार्थ लघु वार्ताओं के प्रसारण द्वारा जन जाग्रति फैलाते रहे। उनके पचास से ज्यादा रेडियो टॉक्स आकाशवाणी से प्रसारित हुए। दो सौ से ज्यादा कृषि आलेख समाचार-पत्रों के मूल स्वरूप में सुरक्षित है।

केंद्रीय हिन्दी निदेशालय भी उनके कार्यों पर, पुस्तक प्रकाशन पर शोध कर रहा है। स्वरचित पुस्तकें कृषि स्तुति, कृषि अमोघ कृषि विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए संदर्भ पुस्तिका के रूप में बहुपयोगी साबित हो रही हैं।

कृषि संजीवनी पुस्तक किसान आत्महत्या पर अंकुश के संदर्भ में ग्राम पंचायतों में निःशुल्क वितरित की जाती रही है। यहाँ उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने मानव अधिकार आयोग के न्यूज लेटर में उनके सुझावों को शामिल कर प्रशंसा प्रेषित की।

प्रदेश में निर्मित प्रथम वृत्त चित्र 'सूखे में क्रान्ति' के निर्माता श्री गोपीकृष्ण व्यास से रमेशचन्द्र तिवारी का वृहद साक्षात्कार को बेहद सराहना मिली। डाक्यूमेन्ट्री के रूप में इसका प्रदर्शन भी हुआ ।

ये एक सम्मानित चितक भी थे। चिंतन से प्राप्त निष्कर्षो को कार्यरूप में परिणित करने के अनुभव लिपिबद्ध कर लेखन करते रहे व कृषि कर्म से जुड़े लाखों लोगों को लाभ पहुंचाते रहे। आज प्रदेश व देशभर में कृषि को लाभ का धंधा बनाना ध्येय वाक्य हो चला है। यह एक सुखद संयोग है कि उनके सारे आलेखों में कृषि विपणन का जिक्र जरूर होता था।

लेखन व साहित्य में विशेष रुचि होने से समाचार पत्र पत्रिकाओं में संपादकीय पृष्ठ पर आलेख लिखना शुरू किए जो आगे चलकर कृषि स्तंभ 'किरसान' एवं 'अन्नपूर्णा धरती मां' के नाम से दशकों तक प्रकाशित होते रहे। उनके प्रकाशित सैकड़ों आलेखो को कृषक जगत का इसे बेहतर प्रतिसाद भी मिला। वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से दो दशकों तक कार्यक्रम 'खेतीञ्गृहस्थी' के तहत उद्बोधन किया, जिसकी अविभाजित मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ और राजस्थान तक पहुंच रही।

शासकीय कृषि व किसान मेलो तथा गुलदावदी व गुलाब प्रदर्शनी का सफल संचालन और तत्पश्चात प्रकाशित स्मारिका का संपादन करने में उन्हें विशेष दक्षता हासिल थी। इस उपलब्धि के लिए वे प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वय द्वारा प्रशंसा भी पा चुके है।

कृषि और पर्यावरण पर आधारित पुस्तको 'कृषि अमोघ', 'कृषि ञ्स्तुति' का लेखन, संपादन किया जिसका प्रकाशक केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा किया जाना है जिसके लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय से शुभकामना संदेश पूर्व में आ चुका है।

वे समाजसेवा व अध्यात्म से शुरुआत से ही जुड़े रहे तथा नारायण सेवा संस्थान उदयपुर, श्रीरामशरनम, नई दिल्ली, राजपत्रित अधिकारी संगठन, वरिष्ठ कृषि अधिकारी संघ भोपाल, वरिष्ठ नागरिक मंच इंदौर/देवास के सक्रिय सदस्य रहे व अनेक पदो कों सुशोभित किया।

हॉलिस्टिक वेलफेयर सोसायटी के द्वारा आयोजित कार्यशाला में इंडोनेशिया व जर्मनी के प्रतिनिधियों द्वारा आपके 'माइक्रो इरीगेशन प्लान' की भुरी भुरी प्रशंसा की गई। इस अवसर पर लुकास बेंजामिन एवम् थॉमस बेशोल्ड विशेष रूप से उपस्थित थे। गांधीवादी एच. सी. श्रीवास्तव की पुस्तक (अकलतरा से अमेरिका) में विशेष स्थान दिया गया।

समयानिष्ठा, ईमानदारी व अनुशासनप्रिय कृषि पंडित 10 जुलाई 2016 को ब्रह्मलीन हुए। वे एक व्यक्ति ही नहीं अपितु पूर्ण विचार थे। उनमें कृषि के लिए गहन चिंतन छुपा हुआ था, और यह भी प्रतीत होता था कि उनकी बहुत सी प्रस्तुति आना शेष है।

विभाग को आभामंडित करने तथा उन्हें चिर स्मृति में बनाए रखने के परिप्रेक्ष्य में कृषि महाविदयालय में सघन वृक्षारोपण किया गया। उनके द्वारा आदर्श ध्वज संहिता 2002 के परिपालन में निवास पर राष्ट्रीय त्योहारों पर झंडावंदन की परम्परा को प्रतिवर्ष जारी रखने का संकल्प परिजनों द्वारा अविरत जारी है।

कृषि के उत्थान में समर्पित श्रेष्ठतम कलमकार, प्राशसनिक अधिकारी के व्यक्तित्व के नाम पर सरकार से कर्मठ कृषक, कृषि वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग के कर्मचारी व अधिकारियों के मध्य एक वार्षिक पुरस्कार की घोषणा तथा उनके कृषि पत्रकारिता व साहित्य में अमूल्य अवदान के लिए एक शासकीय पुस्तकालय उनके नाम से नामकरण की अनुशंसा के लिए शासन, प्रशासन और प्रेस जगत को पहल कर प्रदेश के कर्मकारों के लिए उनकी लगभग पचास वर्षों की तपस्या को सार्थक करना श्रेयस्कर होगा।

स्व. श्री रमेशचंद्र जी तिवारी से जुड़ीं कुछ महत्वपूर्ण स्मृतियां

1) सुप्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक, विचारक कस्तूरबाग्राम निवासी हरिहरचरण श्रीवास्तव की आत्मकथा ''अकलतारा से अमेरिका'' में लेखक ने कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों व स्थापित होने का श्रेय श्री आर. सी. तिवारी को दिया, इसमें उनके विदेश यात्रा में शामिल है।

2) तात्कालीन दौर में समाचार-जगत की प्रतिष्ठा व खबरों में अव्वल नईदुनिया के प्रबंध संपादक-पद्मश्री अभय छजलानी ने उनके लेखन में उत्कृष्ट कार्य हेतु उज्जवल भविष्य के

सुझावों को समाहित कर ''प्रशंसा-पत्र'' प्रेषित किया।

3) कृषि विभाग के प्रदेश स्तर के संचालक डॉ. जी. एस. कौशल ने शुभकामनाऐं प्रेषित करते हुये। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गठित समिति द्वारा किसान आत्महत्या पर अंकुश के (सुझावों) को ''न्यूज़ लेटर'' के माध्यम से प्रचारित होने की सूचना दी, पत्र भेजा।

4) इन्दौर की प्रथम उपज मण्डी तथा किसान/कृषि मेलों की स्मारिका का संपादन ''नईदुनिया-प्रिन्टरी'' के माध्यम से हुआ। इस कार्य हेतु तात्कालिन संयुक्त संचालक कृषि श्री हुसैन द्वारा आर.सी. तिवारी को संपादन कार्य हेतु स्वयं के लाल बत्ती वाहन को उनके लिए उपलब्ध रखा जो निवास से कार्यस्थल (प्रेस) तथा कार्यक्रम स्थल इन्दौर कृषि महाविद्यालय आवागमन सुगम करता रहा।

इन्दौर कृषि महाविद्यालय में मेधावी छात्रों की सूची पटल अब तक उनका नाम (आर.सी. तिवारी) सुशोभित है, ज्ञातव्य हो कि प्रथम पास आउट बेच के वे महाविद्यालय के ''साहित्य सचिव'' रहे।

5) उनके अभिन्न मित्र ख्यात पत्रकार, संपादक कीर्ति राणा ने उनकी स्मृति में वृक्षारोपण की नेक सलाह परिजनों को दी। संस्मरण में कीर्ति राणा ने आर.सी. तिवारी को कृषि पत्रकारिता के पुरोधा व प्रारंभ में ''स्वदेश'' में दोनों ने साथ-साथ कार्य किया। पुलिस अधीक्षक, इन्दौर सुश्री अंजना तिवारी व समाजजन तथा महाविद्यालयीन स्टॉफ की सौजन्य से कृषि महाविद्यालय परिसर में 10 जुलाई 2017 को यह वृक्षारोपण का पुनीत संकल्प पूर्ण हुआ। डीन डॉ. ए. के. कृष्णा एवं श्री असाटी का विशेष सहयोग रहा।

6) प्रशासनिक सहयोगी अनिल दुबे (अधीक्षण अभियन्ता लो.नि.वि.) ने कार्यशालाओं में उनकी बेबाक शैली का उल्लेख कर उन्हें कर्मयोगी बताया। सीहोर व बैतूल कार्यशाला का उदाहरण बताया कि रेल-आरक्षण उपलब्ध नहीं होने से ''इन्दौर से बैतूल'' यात्रा बस के माध्यम से की जबकि मौसम भी प्रतिकूल था।

7) सुविख्यात, साहित्यकार डॉ. सतीश दुबे ने आर.सी. तिवारी की पुस्तक ''कृषि स्तुति'' का प्राक्कथन लिखा। मानदेय के रूप में एक पौधा गमले सहित चाहा चूंकि डॉ. दुबे व्याधियों से ग्रस्त थे, निवास पर ही पौधों से वार्तालाप स्थापित करते।

8) रत्नकुमारी पाठक ''रत्ना'' ने अपनी पुस्तक-संग्रह को अपने सुपुत्र प्रसिद्ध गायक कलाकार शिवकुमार पाठक के द्वारा आर सी तिवारी के ''निति'' निवास पर बधाईयों सहित भेजा।

9) होलिस्टिक चाइल्ड वेलफेयर इंडिया के वार्षिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे व ''माइक्रो इरिगेशन सिस्टम'' के बारे में सभा को जानकारी दी। यह प्रदेश में सर्वप्रथम किंडरवेअर-जर्मनी व इंडोनेशिया के प्रतिनिधि के रूप में ल्युकास बेंजामिन व मि. थामस/बोशोल्ड उपस्थित थे।

10) देवास के अपेक्स हॉस्पिटल के प्रबंध संचालक डॉ. सुनिल शर्मा व उनके अनुज संजय शर्मा ने बताया कि सेवानिवृत्ति कार्यक्रम को होटल में आयोजित करने की मंजुरी नहीं देकर श्री तिवारी ने अपना सह-संचालक कृषि विभाग पद से बिदाई समारोह कार्यालय में ही आयोजित करवाया एवं ठीक इस तरह इन्दौर से पदोन्नति पर भी इंदौर कार्यालय में एक सादा समारोह आयोजित किया गया।

11) सौर उर्जा के महत्व के दूरगामी लाभों को दृष्टिगत रखते हुए घर पर ही सोलर कुकर लाकर इसकी शुरूआत की एवं तत्पश्चात् छत पर ''सोलर वाटर हीटर'' लगाकर एक अनूठी मिसाल पेश की।

12) जे एन के वि वि द्वारा पत्रकारों की कार्यशाला मे आर सी तिवारी ने प्रथम दिवस पर पदम श्री अभय छजलानी (तात्कालिन संपादक नईदुनिया) तथा तृतीय दिवस् पर श्री यतींद्र भटनागर (तत्कालीन संपादक दैनिक भास्कर) के साथ मंच साझा किया और सारगर्भित उद्बोधन द्वारा सत्र मे पत्रकारिता से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला

13) नारायण सेवा संस्थान उदयपुर , श्री राम शरणम् नई दिल्ली से जीवन पर्यंत जुड़े रहे।

14) वर्तमान सांसद व पूर्व आई डी ए अध्यक्ष शंकर लालवानी ने उन्हे सामाजिक कार्यो मे समर्पित रहने पर शाल, श्री फल से सम्मानित किया।

15) कृषि की नई तकनीक के कौशल हेतु प्रदेश के चुनिंदा कृषकों के साथ गुजरात तथा राजस्थान की यात्रा अविस्मरणीय रही।

राष्ट्र युवाशक्ति की ओर निहार रहा है-रमेश तिवारी

राष्ट्र का समृद्ध होना, उसके नैसर्मिक संसाधन जैसे कृषि, वनसंपदा, जलसंपदा सारे नागरिकों को एक लक्ष्य सहित अपने राष्ट्र के प्रति सचेत, चिन्तन नवीन वैज्ञानिक सोच रखते हुए राष्ट्र की धरोहर युवा शक्ति को कार्यक्षम बनाने के लिए प्रेरित करना, उसकी भरपूर ऊर्जा का सदुपयोग व उसके लक्ष्म को निर्धारित कर उसे दिशा प्रदान करना हम सभी का दायित्व है।

आज देश युवा पीढ़ी की ओरे निगाहें लगाये उसकी ऊर्जा का उपयोग, उसके आधुनिक व वैज्ञानिक विचार का उपयोग करना चाहता है, लेकिन राष्ट्र के पास सभी साधन, ऊर्जा व वैज्ञानिक कार्यक्षमता होते हुए भी यथोचित प्रगति न होने के मूलभूत कारणों पर विचार करना भी जरुरी है। आज हम देखते हैं कि मेहनत तो सभी करते हैं, लेकिन अनमने मन से, परिणाम अधूरी लक्ष्य पूर्ति। हमारे युवाओं की जवाबदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनकी सोच, उनका उर्वरा कार्यक्षम उपयोग उन्नति को द्रुतगति दे सकता है। युवाओं को दिशा निर्देश सही मिले, उन्हें लक्ष्य प्राप्ति में क्या ध्यान देना जरूरी है यह सोच आवश्यक है। युवा का यह सोचा कि मुझ अकेले के सोचने से क्या होगा, ठीक नहीं है। यदि एक एक युवा रोज ही अपनी आदत बना लें कि मुझे रोज ठीक समय पर कौन कौन से कार्य कितनी अवधि में पूरा करना है तो लक्ष्य प्राप्ति सहज होगी। एक उदाहरण देना पर्याप्त होगा कि जब अधिकांश लोग नकारात्मक सोच बना लेते हैं तो प्रगति की गति कमजोर होती है। मैंने अपनी जिन्दगी में समयबद्धता को सर्वोपरी रखा है, मुझसे लोग कहते थे कि आपके समय पर पहुंचने से क्या होगा, लोग तो आदतन देरी से ही आएंगे। यह कथन सत्य से परे भी नहीं है, कारण हमारा दायित्वबोध व समाज चिन्तन में आई न्यूनता है। एक बार मुझसे पूछा गया कि कार्यालय में समय पर कौन आता है। मैने बताया कि समय पर आने वालों में चपरासी है, जो ताला खोलता है। दूसरा मैं, जिसने समयबद्धता को अपनाने का अभ्यास कर और तीसरे आप जो कि सम्पूर्ण कार्यालय के नियंता और मार्गदर्शक हैं। आज अधिकांश लोग लापरवाह जीवन जीकर खुद ही आदत बिगाड़ रहे है। यही प्रगति में बाधक है।

कार्यक्रम क्रियान्वयन के ठोस आधार के लिए क्या क्या चीजें आवश्यक होगी, कहाँ से प्राप्त होना है, उसे क्रियान्वित करने में क्या कौशल आवश्यक है, फिर कार्यक्रम किस और से शुरु करना नितांत आवश्यक है, उसके आर्थिक पहलू पर भी विचार आवश्यक है। पूरी निष्ठा व इमानदारी से कार्य यदि एक एक नागरिक करे तो जो स्वानुभूति होगी वह अपार धनराशि से बड़ी है। संकलित जीवन राष्ट्र की उत्नति को ध्यान में रखते हुए जीने से दूसरों को कभी सीख भी मिल सकती है।

एक बात और सबके विचारार्थ रख रहा हूँ, जो पुरानी कहानी से उद्धत है -

'खेती, पाती, विनती
और घोड़े की तंग,
अपने हाथ सम्हालिये
चाहे लाख लोग हों संग।'

खेती करना तो स्वयं को करना चाहिए, पत्र लिखना तो खुद को लिखना चाहिए, दूसरा क्या आपकी तरफ से लिखेगा, क्या पता। इसीप्रकार विनती करना हो तो स्वयं उपस्थित रखकर करना चाहिए, दूसरे के द्वारा विनती संदेश भेजने व्यवहारिक नहीं है।इसीप्रकार घोड़े की सवारी करना हो तो उसकी तंग अपने हाथ में होना चाहिए, चाहे आपके साथ कितने भी लोग हों।

अपने पर विश्वास, अपनी क्षमता पर भरोसा रखकर ही हर युवा आगे बढ़ेगा, इसमें दो राय नहीं और ऊंचाइयों की चरम छूने से देश तरक्की करेगा। खाली निर्णय लें, हम सारी हमारी कोशिश ईमानदारी से करें। ईमानदारी, न्याय, सहिष्णुता देश में कभी चरम पर रहे हैं, उन्हें उससे भी ऊपर ले जाएं। ताहि कामना, सदइच्छा। जय भारत।

विश्व विकास के लिए, जन जन तक पहुंच के लिए जनसंचार माध्मयों के उपयोग में मूल्य निष्ठा की आवश्यकता एवं चुनौती-रमेशचंद्र तिवारी

विश्व की असंख्य मानवता की एकता, समय विकास और उसके विकास निष्पादन में जरूरी संसाधनों में सीमाओं के बंधन को लांघते हुए लक्ष्य को भेदने के लिए, जनसंचार माध्यम चाहे पत्र पत्रिका, समाचार पत्र या इलेक्ट्रॉनिक मिडिया हो, उसकी सतत व तथ्यात्मक पहुंच विश्वसनीय पहुंच बहुत जरूरी है।

वर्तमान परिदृश्य में सीमाएं किसी भी वैगति के एक छोर पर हो रही प्रगति के एक दूसरे तक पंहुचने में बाधक नहीं है। एक छोर पर हो रही प्रगति यदि प्रभावी रूप से अन्तिम व दूसरे छोर तक पंहुचाई जावे तो सभी दिशाओं में इसका सदुपयोग होने में देर नहीं लगेगी।

जनसंचार तकनीक के माध्यम से हम अधिक से अधिक लोगो तक त्वरित गति से पहुंच सकते हैं, शर्त यही है कि जो संदेश हम पहुंचा रहे हैं वह जिसे मिलता है वह उसी की समझ मे आने जैसी भाषा में हो। जिस क्षेत्र के लिए जनसंचार माध्यम का उपयोग हो, उस क्षेत्र, उसके परिवेश, बौद्धिक स्तर को ध्यान मे रखकर उपयोग होना चाहिय। जन सूचना का सम्प्रेषण कल्याणकारी उद्देश्य को ध्यान में रखकर हो, उसे भ्रमित करने वाले शब्दजाल से परे रखा जाय। जो आशय संदेश प्रेषण का हो वह सम्पूर्ण हो। एक वाक्य का संबंध दूसरे वाक्य से जुड़ा हो। संदेश संप्रेक्षण सरल व संक्षिप्त हो। संक्षिप्त का यह अर्थ नहीं होना चाहिए कि उसका मूल रूप नष्ट हो जाय, वह सम्प्रेषण निरर्थक हो जाये, जैसे किसी का नाम नर्मदा प्रसाद खरे हैं , उसे इतना भी संक्षिप्त न करे कि वह व्यक्ति के नाम के बजाय किसी रासायनिक पदार्थ के नाम को इंगित करे। संक्षिप्तिकरण में नर्मदा की जगह 'एम', प्रसाद की जगह 'पी' व खरे की जगह 'के हो जाय, यह 'एनपीके' एक उर्वरक का नाम होगा। संप्रेषण में मूल रूप नहीं बदलना चाहिये। जनसंचार माध्यमों का उपयोग करने में सावधानी आवश्यक है। जैसे हम संदेश समाचार पत्र के माध्यम से दे रहे हैं, तो पूरे वाक्य को एक ही बार में लिखें, आधा वाक्य एक लाईन मे और आधा दूसरी लाईन में या दूसरे पेज पर, यह तारतम्य तोड़ता है, यह ध्यान रखने योग्य है। जो बात हम कहें वह हार्ट टचिंग हो, मतलब उसमे हमारी भावना, हमारी जीवन्ता जुडी हो तो ऐसा सम्प्रेषण जल्दी ग्राह्य होगा। जनसंचार माध्यमों के उपयोग में वस्तुनिष्ठ विचारों की सत्यता पूर्णरुप से हो, भ्रम पैदा न करे।

पत्रकारिता, जनसंचार का ही एक रूप है, उसमें कौन सी जानकारी हमेशा किस क्रम में होगी यह निरंतरता सदैव रखी जावे ताकि वाचक उसे उसी पृष्ठ पर हमेशा पावे। इसके साथ ही यदि सामग्री आकाशवाणी या इलेक्ट्रानिक मिडिया से प्रसारित होना है तो उसे स्थिति के अनुसार रखें। रेडियो पर यह कहना उचित नहीं होगा कि ऊपर लिखे, अनुसार क्योंकि रेडियो के ऊपर कुछ भी नहीं लिखा है, इसे यह कहकर पूरा करे कि जैसा कि मैने अभी बताया था। जनसंचार में समय का ध्यान रखना आवश्यक है, माना कि हम एक दुकान में मिलने वाली वस्तु पर कुछ कहते हैं तो उसकी विश्वसनीयता व शुद्धता का उल्लेख अवश्य करें। दुकान खुलने के समय पर रोज खुले, अन्यथा ग्राहक टूटते जाएंगे कि यह दुकान समय पर खुलेगी या नहीं। आपको विश्वास का मान रखते हुए, समय की निश्चितता ध्यान में रखते हुए सही समय पर दुकान खोलना चाहिए।

जनसंचार में यह भी ध्यान रखना आवश्यक होगा कि किसी के प्रति कोई दुर्भावनावश कोई वस्तु न कहें जिससे किसी को ठेस पंहुचें। जहाँ तक हो सके निर्विवाद सूचना ही देवें। जो संदर्भ दें, वह पूर्णता लिए हो, किसी भी स्तर पर वह खरा उतरे। जनसंचार माध्यम में जो तथ्य दिए जावें, वे सही हों, मूल्य पर खरे उतरें।

जनसंचार माध्यम में आपको अपने Brand Name को सदैव उच्च स्तर पर रखना व उस आधार पर आपकी विश्वसनीयता बनी रखनी चाहिए।

जनसंचार माध्यमों से किसी भी सूचना के प्रेषण में यदि फोटोग्राफ भी क्लियर दे सकें, तो कही गई कहानी की आधी बात फ़ोटो स्वयं कह देगा। 'Half the story is said by the photo-graph'

समाचार व किसी विकास स्टोरी का प्रतिपादन करना हो तो, जहाँ की स्टोरी है, वहाँ की स्थानीय भाषा का प्रयोग अवश्य करें, जिससे ग्राह्यता बढ़ती है।

तिवारी जी द्वारा सम्पादित कृषक हितैषी कार्यक्रम एवं गतिविधियां

स्व आर सी तिवारी नईदुनिया से तीन दशकों तक जुड़े रहे और उनके कृषि स्तंभ को पाठक वर्ग से बेहतर प्रतिसाद मिला, विशेष कर कृषि संदर्भ और ग्रामीण क्षेत्रों में। नईदुनिया के अलावा उनके आलेख नवभारत और स्वदेश में भी प्रकाशित होते रहे हैं। स्वदेश में तो उनका नियमित कॉलम था। विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित उनके आलेखों में से कुछ प्रमुख निम्न हैं :-

नईदुनिया इंदौर

अधिक उपज दे संकर बाजरा	13.01.1969
सरबती सनोरा (ग्राम चर्चा)	24.04.1969
फसल के दुश्मन चूहे	30.12.1969
विश्व बैंक झाबुआ दौरा	16.01.1979
राम राम हो नंदाजी	02.01.2014
(संपादकीय पृष्ठ)	

स्व आर सी तिवारी नवभारत से दो दशकों तक जुड़े रहे। नवभारत के कृषि स्तंभ 'किरसान' में प्रकाशित उनके कुछ मुख्य आलेख निम्न हैं :

नवभारत इंदौर

खेतो से अधिक उत्पादन	04.09.1975
खेतो में कुसुम खड़ी कांटो में	11.09.1975
राष्ट्रीय लक्ष्य में मप्र का योग	25.09.1975
गांव बढ़ेंगे तो देश बढ़ेगा	21.10.1975
आलू बीज खुद तेयार करे	

स्वदेश में प्रकाशित कुछ विशिष्ट आलेखों का विवरण

खेती और संग्राम, दोनो बराबरी के काम	16.02.1979
धरती सब कुछ देती है	13.04.1979
(समय पर मिट्टी परीक्षण जरूर)	
बीज चोखा तो काहे का धोखा	03.05.1979
ज्वार बोईयेः लाभ कमाईये	25.05.1979
सोयाबीन उगाईये, बीमारी भगाईये	08.06.1979
खरीफ फसलो : संतोषप्रद	20.07.1979
काटों मे रहने वाली कुसुम खेतो में	27.09.1979
आलु पूरा ही बाये	04.10.1979
सुखे की स्थिति और जागरूक किसान	20.10.1979
चने की इल्ली का जीवन	07.11.1979
समस्याएँ और समाधान	16.11.1979
गेहूँ में सिचाई कब और कितनी	11.01.1980
आलू को अगेती अंगमारी से बचाये	18.01.1980
बसन्त में गन्ना बोऐं	08.02.1980
खेतो से निकले अनाज की सुरक्षा जरूरी	29.02.1980
फिल्म निर्माता का स्तुल्य कार्य	23.05.1980
सुखे में क्रान्ति के निर्माता से भेंट	23.05.1980

इन दैनिक समाचार पत्रों के अलावा अनेक साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक पत्रिकाओं एवं विशेषांकों में भी श्री रमेशचंद्र जी तैयारी के आर्टिकल प्रकाशित होते रहे हैं।

आकाशवाणी से प्रसारित तिवारीजी की कृषक उपयोगी वार्ताएं

अरबी और शकरकंद की उत्तम काश्त : 07-05-1970
खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों का चुनाव : 03-05-1973
अच्छा गुड़ बनाने की विधि : 03-01-1974
रबी खेतों की उत्तम तैयारी : 05-09-1974
खेतों में मेढ़ बन्दी की उपयोगिता व देखभाल : 13-05-1975
रबी बारानी फसलों में खाद उर्वरक का उपयोग : 29-09-1975
आलू, प्याज और लहसन की काश्त : 22-10-1987
सिंचाई जल का सही उपयोग : 29-01-1988
खेत में हरी खाद कब पलटें : 12-08-1988
रबी सब्जियों की उन्नत तैयारी : 28-09-1989
अगैती आलू मटर की खेती : 11-09-1990

इसके अतिरिक्त खेती पर बनी फिल्म 'सूखे में क्रांति' के निर्माता श्री गोपीकृष्ण व्यास से भेंट वार्ता भी प्रसारित हुई।

तिवारी जी ने आकाशवाणी के लिए विभिन्न गावों, जैसे - बिष्टान, बलवाड़ी, बड़वाह, कांटाफोड़, राजोदा, गंधर्वपुरी, तिल्लोर, रालामंडल, कोदरिया, माण्डव, छडोदा, तिलगारा, खड़वी, पानसेमल, खेतिया आदि में जाकर वार्ताएं रिकॉर्ड की, जो प्रसारित हुईं।

सम्मेलन : तिवारी जी ने खरगोन, माण्डू, कुक्षी, बड़वाह, हरसूद, अलीराजपुर, झाबुआ आदि स्थानों पर कृषक सम्मेलनों का आयोजन किया।

प्रदर्शनी : तिवारी के मार्गदर्शन में विभिन्न कृषि प्रदर्शनियां भी आयोजित की गईं, जैसे - पुष्प-फल-सागभाजी प्रदर्शनी, सेवन्ती प्रदर्शनी, बटले, प्याज प्रदर्शनी आदि।

फिल्म शो : तिवारी जी के सौजन्य से माण्डव व पिवड़ाय में कृषि उपयोगी फिल्म शो भी आयोजित हुए।

आपने दिल्ली में आयोजित होने वाले 'राष्ट्रीय कृषि मेला' का भी प्रतिनिधित्व किया।

ऐसी अनेक कृषक हितैषी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के तिवारी जी आयोजक, सहभागी या मार्गदर्शक रहे हैं।

श्री रमेशचन्द्र तिवारी जी द्वारा लिखित कृषक सहायक पुस्तिकाएं

श्री तिवारीजी ने कृषकों के लिए तीन बहुउपयोगी लघु पुस्तिकाएं भी लिखी हैं। पुस्तिकाएं आकर में भले ही छोटी हों, किन्तु उनमे ज्ञान एवं जानकारियों का खजाना छुपा हुआ है।

'कृषि-अमोघ'

पुस्तक 'कृषि अमोघ' एक बेहद नए कलेवर में प्रकाशित की गई है। लेखक रमेशचंद्र तिवारी के सत्तर व अस्सी के दशक में पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित विभिन्न आलेख ,कविता, समीक्षा, सुझाव आदि को मूल रूप में ही प्रस्तुत किया गया है। पन्ने पलटते ही पुराने दौर का सहज अहसास होता है।

प्रस्तावना प्रसिद्ध गांधीवादी, से.नि. सह संचालक एच सी श्रीवास्तव ने लिखी तथा प्रसिद्ध साहित्यकार मनोहर दुबे ने भूमिका।

यह कृति निश्चित ही युवाओं, वरिष्ठजन, वस्तुतः सभी आयु वर्ग के लोगों को पसंद आएगी ।

पुस्तक का प्रकाशन सुप्रभात क्रिएशंस ने किया, जिसके प्रमुख कार्यकारी आशुतोष दुबे है, जिनकी पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र पूरे प्रदेश में विशेष प्रतिष्ठा है ।

संपादन-रमेशचंद्र तिवारी

संकलन-सह संपादन -ललिता तिवारी

'कृषि-स्तुति'

पुस्तक 'कृषि स्तुति' में मूलतः कुल जमा पचास विभिन्न शीर्षकों से प्रसारित रेडियो टाक्स को सरल प्रश्नोत्तरी के रूप में प्रकाशित किया गया है। लेखक रमेशचंद्र तिवारी ने पूरी तन्मयता से पुरानी पारंपरिक खेती की तकनीक, जलवायु, मृदा परीक्षण, किसान प्रशिक्षण, स्वस्थ बीज का महत्व, जैविक खेती आदि का सचित्र विवरण किया है।

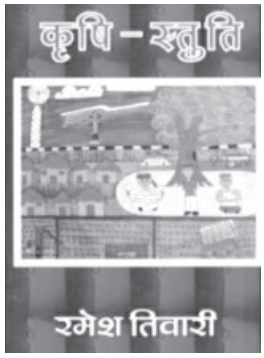

प्राक्कथन प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ.सतीश दुबे ने लिखा है। हालांकि वे अब इस दुनिया में नहीं है पर उन्होंने एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत कर प्राक्कथन लेख के शुल्क के रूप में लेखक से एक पौधा लिया, जो उन्हें गमले सहित पहुंचाया गया। ये पर्यावरण प्रेमियों के लिए भी एक बेहतरीन संदेश था। आगामी संस्करण का प्रकाशन निदेशालय द्वारा किया जाना तय है। लेखक के अवसान के कारण द्वितीय संस्करण में विलम्ब हुआ।

पुस्तक का सह संपादन तिवारी जी की सहधर्मिणी ललिता तिवारी ने किया है।

यह पुस्तक कृषि के विद्यार्थियों, महाविद्यालयों व कृषि महाविद्यालयों में संदर्भ पुस्तिका (रेफरेंस बुक) के रूप में बहुत उपयोगी साबित होगी और पर्यावरण, कर्मकारों के लिए एक संदर्भ स्मारिका के रूप में पठनीय और संग्रहणीय रहेगी ।

लेखक-रमेशचंद्र तिवारी

संकलन कर्ता-ललिता तिवारी

'कृषक-संजीवनी'

किसान आत्महत्या पर अंकुश सूत्र के रूप में लेखक ने तनाव व आत्महत्या संभावित दस कारण तथा उनके निराकरण के सुझाव, समाधान के द्वारा एक लघु पुस्तिका के दो संस्करण प्रकाशित किए है। कुरुतियों, सामाजिक कार्यों के लिए ऋण, फसल हानि, अशिक्षा, संसाधनों की कमी, सरकारी योजनाओ की जानकारी का अभाव मुख्य कारण बताए गए है। विदित है कि समाज सेवा भाव के दृष्टिकोण से चयनित ग्राम पंचायतों में प्रथम संस्करण का निशुल्क वितरण भी किया गया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति और मानव अधिकार आयोग के न्यूज लेटर में लेखक के दीर्घकालीन अनुभव पर आधारित सुझावों को समाहित किया गया। पुस्तक का प्रकाशन त्रिवेदी ग्राफिक्स इंदौर द्वारा किया गया ।

लेखक-रमेशचंद्र तिवारी

आज भी कानों में गूंजता है 'राम-राम हो नंदाजी!'

रमेश चंद्र तिवारी

रेडियो की दुनिया में 'नंदाजी' के नाम से मशहूर कृष्णकांत दुवै की आज पुण्यतिथि है। आज से ठीक चार साल पहले वे इस दुनिया से बिदा हो गए थे। धार जिले के कोद गांव में जन्मे 'नंदाजी' पंद्रह वर्ष की उम्र में इंदौर आए थे। शुरुआत में जीवन यापन हेतु उन्होंने ट्यूशन, प्रूफ रीडिंग व कंपोजिंग का कार्य किया और फिर इंदौर आकाशवाणी से जुड़ते हुए सफलता की नई राह पर अग्रसर हुए। यहां उल्लेखनीय है कि वे इस दरम्यान 'नईदुनिया' के संपादकीय मंडल से भी जुड़े रहे। इंदौर आकाशवाणी के कार्यक्रम 'खेती गृहस्थी' को इसके तीन पात्र 'नंदाजी, 'कान्हाजी' (रामचंद्र मंडलोई) व 'भेराजी' (सीताराम वर्मा) इस रोचक अंदाज में पेश करते थे कि कार्यक्रम के साथ साथ यह तिकड़ी भी गांव-गांव में मशहूर हो गई। आज भी कानों में गूंजती है इसकी घुंघरमाल (सिग्नेचरट्यून) और उसके बाद 'राम राम हो नंबाजी ! भई भेराजी राम राम' का स्वर। इसके साथ ही कार्यक्रम शुरू होता था। 'नंदाजी - कान्हाजी - भेराजी' की इस तिकड़ी के बीच अटूट दोस्ताना रहा। एक वाक्या याद आता है, जब कान्हाजी यानी रामचंद्र मंडलोई ने आकाशवाणी से इस्तीफा दिया तो उनके अनन्य साथी 'नंदाजी' ने उसे फाड़कर फेंक दिया और उन्हें उनके मूल निवास ऊन (खरगोन) नहीं जाने दिया।

'नंदाजी' नामक पात्र के नामकरण का भी एक रोचक किस्सा है। दरअसल पहले मशहूर कवि बालकवि बैरागी को यह पात्र अदा करना था, परंतु व्यक्तिगत कारणों से वे ऐसा नहीं कर पा रहे थे, तब उन्होंने अपने जन्मनाम 'निंदराम दास' से 'नंदाजी' नाम ईजाद किया और दुबेजी से इस पात्र को निभाने के लिए कहा। यह इस कार्यक्रम की अपार लोकप्रियता का ही असर था कि कृष्णकांत दुबे नंदाजी के नाम से ही ज्यादा जाने गए।

इंदौर में जूनी इन्दौर स्थित उनके आवास पर हर रविवार को डॉ . शिवमंगल सिंह 'सुमन', शरद जोशी, आनंदराव दुबे, श्याम सुंदर व्यास, रमेश मेहबूब जैसे प्रगतिशील लेखकों की बैठक जमती, जिसमे साहित्य पर गंभीर चिंतन-मनन होता। उनके बालसखा व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नारायणप्रसाद शुक्ला ने एक बार बताया था कि फिल्मों से जुड़ी पत्रिका 'सिने एक्सप्रेस' में वे 'अज्ञात' के नाम से लिखते रहे, वहीं 'बाल जगत' में 'छक्कन चाचा' के नाम से पहचाने गए। 'के.के.डी.' के नाम से तो खैर उनका लेखन रहा ही है। सैकड़ों नाटक, हजारों रूपक व अनगिनत कविताओं का साहित्य उनके नाम पर अंकित है।

'नंदाजी' को एक बार वॉशिंगटन से 'वॉइस ऑफ अमेरिका' के लिए आमंत्रण मिला था, परंतु मालवा की मिट्टी के मोह से बंधे 'नंदाजी' ने यह ऑफर ठुकरा दिया। उन्होंने सतप्रकाशन मिशन के बैनर तले रेडियो मनीला के लिए भी नाटक लिखे। डॉ. बोरलॉग से साक्षात्कार उनका स्वर्णिम दौर था। भारत-चीन व भारत-पाक के युद्ध के दिनों में उनके द्वारा रचित आज की आवाज' का प्रसारण निगमित होता था, जिसमें उन्होंने जन-जन के बीच राष्ट्रभक्ति व राष्ट्रीय चेतना जगाने में अहम भूमिका निभाई। सिंहस्थ महापर्व (1968-69, 1990, 1992) की रिपोर्टिंग को वे अपना सौभाग्य मानते रहे, वहीं महाशिवरात्रि पर्व के अलावा महाकाल सवारी व कालिदास समारोह इत्यादि की रिपोर्टिंग की जिम्मेदारी भी अपने निराले अंदाज में निभाते रहे।

एक पत्रिका ने 'नंदाजी' पर केंद्रित एक विशेषांक प्रकाशित किया था, जिसमें बालकवि बैरागी, नरहरि पटेल, चंद्रसेन विराट, प्रो . सरोजकुमार, डॉ. सतीश दुबे, मनोहर दुबे, कैलाश नारायण व्यास जैसी हस्तियों ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए उनसे जुड़े संस्मरण साझा किए थे। उन्हें 'श्रीनिवास जोशी सम्मान' के अलावा 'भेराजी सम्मान' से भी सम्मानित किया गया। कुछ समय पूर्व पत्रिका 'ग्राम संस्कृति' ने भी उनकी स्मृति में एक पुरस्कार प्रारंभ किया।

बहरहाल, 'नंदाजी' के जीवन में इतने विविध आयाम समाए थे कि उन पर एक बेहतरीन वृत्तचित्र तैयार हो सकता है। उनके द्वारा रचित साहित्य भी जनकल्याण के काम आ सकता है, बस कोई योग्य प्रकाशक मिल जाए। मालवा की माटी के अनमोल रत्न 'नंदाजी' हमारी स्मृतियों से कभी जुदा नहीं हो सकते और नंदाजी-भेराजी का चिर परिचित स्वर 'राम राम हो नंदाजी, भई भेराजी राम राम हमारे कानों में गूंजता रहेगा।

(नोट - इस आर्टिकल में नंदाजी पर जिस पत्रिका के विशेषांक का उल्लेख है, वह आपकी पत्रिका 'श्री श्रीगौड़ संवाद' है। नईदुनिया ने अपनी पॉलिसी के कारण पत्रिका का नाम नहीं छापा था।)

कहानी

माथ की रेख

रमेशचंद्र तिवारी

'बालबच्चा आंख का तारा।' घणा तारा बादल में रे , पण एक तारों अलग थलग चमके। आखो घर चमके, असा लाड़कुंबर की सब चायना करे।

राम्या की याज इच्छा थी कि आठ दस बरस हुईग्या, भगवान की कजा कई मरजी है, आठ पंद्रा नी चइये, कुल का नाम सारू एक तो दे। घर में भी इसको रंज रे। पण भैया माया की रेखा किने भणी। सामने वाली तारा का चार ने इको एक भी नी, सगली बेराहुण कजा कई-कई कारा करें।

हे भगवान , थारी कसी माया है, जाँ दांत है वा चणा नी, अन जां चणां है वां दाँत नी। या इतरी जायदाद कई काम की। राम्यों या बात गोरधन खे कई रियो थो। गोरधन ने कियो भगवान घरे 'देर है अधेर नी।' तमखे तो मालम है घूड़ा का भी दन पलटे। पण, चइये काठा मन को आदमी जो घूड़ा को खाद अच्छो बणई ले। नी तो पुराणी लकीर का फकीर रेणे से तो काम नी चले भैया।

गोरधन, हूं तो लोग ना की केण से असो कायो हुईग्यो हूं कि भगवान का हड़या खाना तो दूर, सड़या से सड़या की बात मानने खे तैयार हूं। तू के उना जाण कने चलां।

गोरधन ने कियो आजकल पुरानां जाण भोपा नी रिया। नवा-नवा तरीका अई गया है जिकसे जो बात अपण भगवान की देण मानता था उके आज मनक करी सके। आखर, भगवान खे भी तो मुक्ता काम है, उने सबखे अक्कल बांट दी है। हूं तमारे परिवार नियोजन वाला डाक्टर साब कने ली चलूंगा। आजकल वी छोरा छोरी बन्द होने कीज दवा नी दे, पण जिका नी होय उनखे भी दवा दे है। पण इका सारू तमखे दोई जणा खे चलनू पड़ेगो। तम घबरओ मती वां बेरा होण रेवे बेरा होण भी देखें है।

वारे, गोरधन जद तो घणी अच्छी बात। वां कई गाड़ा जोतना पड़े यो रियो असपताल।

एक दन सला करीने तीनी गया। राम्यां अन उकी घरवाली नी दिसा का पाँव पडया । डाक्टर ने दवा दी । दन बितते कई देर लागे। अबे राम्यां को रोम-रोम खुस थो। घरवाली खे कई जाणे नी देतो उखे डर थो कि कई नजरई नी जाय।

आखर खुशयाली को दन आयो, राम्या की आँख तारा आणे का पेलाज चमकी री थी।

भगवान की मरजी ने डाक्टर की सला से राम्यां का या छोरो हुओ। दन असा पलट्या उ निहाल हुईग्यो।

अब तो- राम्यों लकीर को फकीर नी रियो, सबखे 'परिवार नियोजन' का अस्पताल में जाणे को के।

देखते-देखते छोरो मोटो हुओ, वई देखो तो तारो का छोरा न्यारा हुईग्या, जमीन बंटी गई, छोटी-छोटी जमीन का टुकडा पे गुजारो मुश्किल। खेरे काम भी चले पण छोरा था तो उजाडू।

राम्यां को छोरो खेती में सात देने लग्यो, एक में एक्का को तो कई धोखो ज नी थो ।

नवी-नवी खेती की बात ज्वान अजमातो रियो। जाणी परखी किस्म बोतो, तो उकी निपज भी ज्यादाज होती।

राम्यां का छोरा का खेती में नवां-नवां ढंग देखी ने गाँव का मुक्ता लोग इरखा करता। पण भैय्या के है नी कि 'न्हार को एक अच्छो, सुवडली का बारा बुरा।'

कई परिवार नियोजन अन कई खेती जिने भी नवी-नवी योजना अपणई उ वारो न्योरा हुवो।

देस की तरक्की में अग्गम निगा वाला लोग जरूरी है। एक ने भी तरीको आपणायो तो दूसरो बिना खर्चा से अनुभव ली ने तरक्की करी सके।

जमानो होड़ा होड़ी को है। पण देख जो रे भैम्या , तारा सरकी होड़ा छोड़ी मत करजो, जसा राम्या का दन फिरया उसा सबका फिरे।

यो देस अपणो है, अपणज बिगाड़ने वाला है, अपणज सुधारनेवाला। भला काम में सबको हिस्सो।

आओ, अपण सब मिलीजुली ने देस का इना बगीचा खे अच्छो बनाने सारू पाणत करें।

स्व. श्री रमेशचंद्रजी तिवारी के जीवन की कुछ झलकियां

3 वर्ष के नन्हे तिवारीजी।

जीवन संगिनी श्रीमती ललिता तिवारी के साथ।

घर की छत पर झंडावंदन।

मातृ-पितृ तुल्य सास-ससुरजी व धर्मपत्नी के साथ तिवारीजी।

साक्षात्कार लेते हुए श्री तिवारीजी।

श्री रमेशचंद्रजी तिवारी खेतों में जाकर कृषकों का मार्गदर्शन करते हुए।

जन्मतिथि पर विशेष

एक अलहदा व्यक्तित्व : रमेशचन्द्र तिवारी

चेहरे पर मुस्कान मृदुभाषी लेकिन अपना तर्क पूरे बल के साथ रखने वाले सामान्य ऊँचाई लेकिन अंदर से बहुत गहराई वाले प्रथम दृष्टया वे बिलकुल साधारण लगते लेकिन वे कितने असाधारण थे ये उनकी कृतियाँ (कृषि स्तुति, कृषि अमोध, कृषक संजीवनी आदि) आलेख तथा क्रियाकलाप दर्शाते हैं। नईदुनिया, दैनिक भास्कर, जनसत्ता जैसे अखबारों के साथ-साथ कृषक जगत, मध्यप्रदेश संदेश, किसानी समाचार आदि में आपके सैकड़ों आलेख प्रकाशित हुए। पचास से अधिक लघुवार्ताएँ, आकाशवाणी के उस समय बहुत चर्चित कार्यक्रम खेती गृहस्थी में प्रसारित हुए।

उनका घर मेरे घर से समीप था। प्रायः आते-जाते भेंट हो जाया करती थी। मुझे लगता कि वे व्यक्ति नहीं पूर्ण विचार थे। कभी लगता कि वे मन से सोचते और मन के अनुसार जीवन जीने वाले व्यक्ति थे। कभी लगता कि इनमें गहन चिन्तन छिपा हुआ है, जिसकी प्रस्तुति आना शेष है। विद्वान होना एक अलग बात है और अपने अन्तरमन में मानव बने रहकर सृजन करना अलग बात है। तिवारी जी अन्तरमन से सदा मानव बने रहे, आजीवन अध्ययन और सृजन में लगे रहे।

वे कहा करते थे कि यदि शिक्षा, सुसंस्कारित एवं गुणवान बच्चों का निर्माण नहीं कर पाए तो यह मानने में जरा भी संकोच नहीं करना चाहिए कि शिक्षा पद्धति अधूरी है, दोषपूर्ण है। इनका मानना था कि शिक्षा में श्रम के महत्व को प्रतिपादित किया जाना चाहिए नहीं तो परिश्रम से पलायन करने वाले युवाओं की हमारे समाज में भरमार हो जाएगी और देश की प्रगति रुक जाएगी। वे विदेशी ज्ञान-विज्ञान को मानने वाले थे परन्तु पश्चिमी जीवन के विरोधी थे। वे कहते थे पश्चिम की जीवनशैली को अपनाना ही हमारी संस्कृति की विकृति का कारण है आज के युवाओं को व्यक्तिगत आकाक्षाएँ बहुत हैं, हमें उनकी इन व्यक्तिगत आकांक्षाओं को समाजिक आकांक्षाओं में बदलना पड़ेगा। यदि हमने ऐसा नहीं किया तो समाज में विकृतियाँ फैलेगी।

तिवारी जी का मानना था कि ताजमहल बनाने वाले शाहजहाँ की तुलना में नरेन्द्र को विवेकानंद बनाने वाले रामकृष्ण परमहंस अधिक महत्वपूर्ण है। तात्पर्य ये है कि वे व्यक्ति निर्माण को अधिक महत्व देते थे। किसानों की दुर्दशा देखकर वो चिन्तित हो जाते। कहते की यदि अन्नदाता भूखा मरेगा तो राष्ट्र कभी विकास नहीं कर पाएगा। उनकी इच्छा थी कि धनिक वर्ग के सहयोग से नदियों में चेकडेम क्नाकर पानी को रोका जाना चाहिए। रेनवाटर हारवेस्टिंग से पानी को एकत्रित किया जाना चाहिए। एक बार कहने लगे कि नया जन्म पाने के पहले प्रसवपीड़ा भोगनी पड़ती है। आज की पीढ़ी इस कष्ट को सहने से बचती है। जब भी अच्छा परिवर्तन लाने के प्रयास समाज में कोई करता है तो थोड़ी-थोड़ी पीड़ा तो सबको उठानी ही पड़ेगी। वे सम्पत्ति को तभी उपयोगी मानते थे जब इसके साथ सद्बुद्धि और सद्भावना जुड़ी हो। यदि ये दोनों भाव नहीं है तो वो सम्पत्ति अनुपयोगी है।

तिवारी साहब कृषि विभाग में सहायक संचालक थे परन्तु चपरासी से लेकर सारे ऑफिस के लोगों का सम्मान करते थे। तिवारी साहब जैसे दूध का दूध और पानी का पानी करने वाले लोग सभी हो जाएँ तो सारा समाज ही बदल जाए। चाहे सामने कितना भी बड़ा आदमी खड़ा हो वे अपनी बात बहुत साहसपूर्वक रखते थे। वे इतने सिद्धान्तवादी थे कि सरकारी वाहन का उपयोग सिर्फ दौरों के लिए करते थे, पैदल ही घर से कार्यालय आते थे। उनके सुझाव शासन ने भी स्वीकारे। कृषि पर समर्पित ऐसे व्यक्तित्व की स्मृति में शासन को कोई कार्यक्रम करना चाहिए। ये वो बाते हैं जो लोग उनके घर के बाहर खड़े होकर आपस में कर रहे थे जब उनका देवलोकगमन हुआ था। ऐसे समय जो बातें होती है वे दिवंगत व्यक्ति का सही-सही आकलन कर देती हैं। सचमुच में तिवारी जी बिलकुल ऐसे ही थे। सादर नमन।

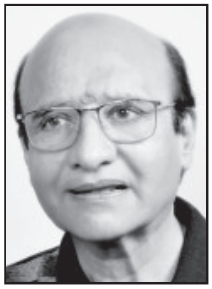

डॉ. योगेन्द्रनाथ शुक्ल
पूर्व प्राचार्य एवं अध्यक्ष भाषा विभाग
शासकीय निर्भयसिंह पटेल विज्ञान
महाविद्यालय , इन्दौर

हमारे आदर्श, हमारे प्रेरणास्त्रोत, हमारे पापा

पिता अपने बच्चों के लिये 'फेयरी रेल' के हीरो समान होता है, पापा आप भी हम सभी (तीनों भाईयो) के रोल माडल थे। आप परिवार के वट वृक्ष थे। बचपन में आपकी बताई और सिखाई गई देशभक्ति, समयनिष्ठा, अनुशासन व ईमानदारी की गहरी बातें हमनें आत्मसात की और सफल हुए। आपके जीवन में जुड़े संघर्ष की धुंधली सी यादें अब भी हम सबके मानस पटल पर अंकित है। आपके विद्यार्थी जीवन की गौरव गाथा हमें परिवार के बजुर्गो ने बताई।

यह आपकी ही कड़ी तपस्या का प्रतिफल का है कि हमनें उच्च शिक्षा प्राप्त कर कारपोरेटस में उच्च पद तक पहुँचे, हालांकि शासकीय सेवा में हमें देखने का आपका ख्वाब हम अथक प्रयासों के बाद भी पूरा न कर सके, जिसका जीवन में सदैव खेद रहेगा।

आपने अपनी परेशानियों को कभी हम तक नहीं पहुँचने दिया। अपनी इच्छाओं का हनन कर परिवार को आगे बढ़ाया, समृद्ध बनाया।

कई बार हम बहुत कुछ कहना चाहते थे, आपके प्रति स्नेह को व्यक्त करना चाहते पर संकोचवश कह नही पाये और ये अनकहे संवाद अधूरे ही रह गये कि हमे आपसे कितना स्नेह है, प्यार है।

आप सीधे, सरल, स्नेहल व्यक्ति व स्पष्टवादी होने से समाज के लिये आदर्श हैं। आप हम सभी के चहेते और पोते पोतियों के मध्य लोक प्रिय रहे। आपने हमेशा अपने स्तर पर परिवार को आभा मण्डित किया है, परिवार का गौरव बढ़ाया है। हमें ये तो नहीं पता कि आपके ध्येय वाक्य 'बी. ए. गुडू बाय' (Be A Good Boy) वाली अपेक्षाओं पर हम खरे उतरे या नही पर प्रयास अवश्य किये हैं। यहाँ तक कि आपके पोते-पोती भी आपके बताए मार्ग पर ही अग्रसर हैं, यह आपका ही आशीर्वाद है। आपके द्वारा शुरू की

गई छत पर झंडावंदन की परंपरा आज भी कायम है, और आपकी यादो को हरदम ताजा रखती है।

यह लगता है जैसे कल ही की बात हो, आपके वैवाहिक जीवन की स्वर्ण जंयती (पचासवीं सालगिरह) के उत्सव का सेलीब्रेशन हुआ ही था और अगले पखवाड़े आपका में अचानक चले जाना पूरे परिवार के लिये गहरा आघात था। जीवन में जो रिक्तता हम महसूस कर रहे हैं, तब मम्मी की मनःस्थिति का वर्णन मुश्किल सा है।

पापा आप आदर्श हैं, अंनत प्यार हैं, संबल हैं।

'You're still among all of us in Cosmic form. You're our champian PAPA'

आपके द्वारा स्थापित उच्च स्तर के पारिवारीक मूल्य, कर्तव्यबोध, समयविष्ठा और अनुशासन से सफलता को पाने का महत्व हम अब समझ पाये है और आपके पदचिन्हों पर चलने का सदैव प्रयास करेंगे। आपके जीवन में अधूरे रहे कार्यो का संकल्प भी मन मे है।

जब किसी ने मुझसे पूछा कि में एक बेहतर पिता हूँ या बेहतर पुत्र? तब क्षण भर सोचने पर आपका चेहरा सामने आया उत्तर स्वतः ही स्पष्ट हो गया कि मैं एक बेहतरीन पिता का बेहतर पुत्र हूँ।

हम सभी यह गर्व से कह सकते है कि जीवन में जो कुछ भी हमने पाया है, और सारी सफलताओं के पार्श्व में आप ही हैं।

पूज्य पिताजी स्व. रमेशचन्द्र जी तिवारी की चिर-स्मृति बनाये रखने के लिए उनके निवास और कृषि महाविद्यालय में सघन वृक्षारोपण किया गया और अब उनकी कार्यस्थली जिलाधीश कार्यालय (कृषि विभाग) में इस वर्ष किया जाना प्रस्तावित है।

निर्लेश तिवारी

नितिन तिवारी

नितेश तिवारी

श्री रमेश भाई कुछ अंतरंग यादें

जीवन में एक अच्छे मित्र का मिलना भी कठिन है। जो व्यक्ति स्पष्टवादिता लिए हुए हो और प्रत्येक बात का स्पष्ट जवाब दे, ऐसे बिरले ही होते हैं, जिन्हें स्वयं का हित न हो किसी भी बात में, वही व्यक्ति यह गुण रख सकता है।

ऐसे व्यक्ति को कम ही पसंद किया जाता है किंतु इसकी चिंता न करते हुए अपने सिद्धांतों पर चलना, बहुत कठिन है। हमारे रमेशभाई की यह विशेषता थी। वे एक नारियल के समान थे जो ऊपर से कठोर किंतु अंदर से नरम होता है। इनसे मेरा संपर्क 1960-61 से ही था। कॉलेज समय से ही हम अच्छे मित्र थे, इनसे मेरे पारिवारिक संबंध भी थे, जिनके कारण हमारी समीपता रही।

श्री रमेश भाई में साहित्यिक गुण बहुत थे। इनकी लेखन शैली बहुत अच्छी थी, इसी कारण ये कॉलेज की साहित्यिक समिति के प्रमुख भी थे। समस्त सांस्कृतिक कार्यों में इनकी सफल भागीदारी भी रही।

श्री रमेशभाई के साथ कॉलेज समय में तो रहा ही किंतु कार्यक्षेत्र में भी साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इनके कार्य करने की शैली भी स्पष्टवादिता की रही, जिससे उच्च अधिकारी भी काफी प्रभावित रहते थे। उस समय ऐसे लोग बिरले ही मिलते थे जो पूर्ण रूपेण अपने कार्य के प्रति समर्पित रहते हों।

जीवन में ऐसे मित्र बहुत कम मिलते हैं। इनसे संबंधित यादें तो बहुत है भुलाया नहीं जा सकता। ऐसे व्यक्ति को मैं और मेरे अन्य साथीगण कभी भूल नहीं सकते हैं। अनुकरणीय व्यक्तित्व के धनी थे- हमारे रमेश भाई।

किशनलाल- केलोत्रा (पाटीदार)
से.नि. सहा. संचालक कृषि
ग्राम कोदरिया (महू)

मेरे आदर्श स्व. रमेशचन्द्र जी तिवारी

सफलता व्यक्तित्व का का सम्मोहक प्रकाश होता है। उद्यम एवं समर्पण से ही व्यक्तित्व को गढ़ा जा सकता है, जिसकी तपन एवं ताप से सफलतारूपी व्यक्तित्व की मोहक सुगन्ध महक उठती है। कड़ी मेहनत, लगन, धैर्य एवं साहस से सफलता का जादुई चिराग हस्तगत होता है। ऐसे ही जादुई चिराग के अधिकारी थे श्रद्धेय रमेश जी तिवारी।

बात सन् 1970-71 की है। कुमावत पुरा जूनी और हमारा निवास स्थान था। हम सभी मोहल्लावासी सभी धार्मिक त्योहार बहुत ही उत्साह से मनाते थे, विशेषकर दशहरा उत्सव। इस उत्सव पर रावण दहन का कार्यक्रम बहुत ही बड़े पैमाने पर किया जाता था। आदरणीय दादा कुमावतवपुरा आते रहते थे। हम लोगों के क्रिया कलापों पर वे निगाह रखते थे। वे स्वयं आगे आकर हमारा मार्गदर्शन करते थे। उनका स्पष्ट कहना था कि सार्वजनिक कार्य में पारदर्शिता होना आवश्यक है। हम सभी कार्यक्रम का बजट और रूपरेखा बनाने के लिये उनकी सहायता लिया करते थे । वे हमे समझाते थे कि सार्वजनिक पैसा जनता का होता है, हमें सार्वजनिक धन का सदुपयोग करना सिखाते थे। सही मायनों में वे हमारे मार्गदर्शक थे। समाज मे किसू प्रकार अपनी बातो को रखा जा सकता है, यह सब हमने उनसे ही सीखा है, पाया है। 1978 में हम कुमावतपुरा से आकर सुदामा नगर में बस गये। आदरणीय दादा भी शासकीय सेवा में होने के कारण इन्दौर से बाहर आते जाते रहे। एक अंतराल के बाद सन् 1997 में श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज सुदामा नगर की कार्यकारिणी में दादा संचालक के पद पर चुने गये। वह वक्त हमारा सुनहरा समय था। आदरणीय दादा के मार्गदर्शन में ही मैने सभा संचालन की बारिकियों को सीखा। उनका कहना था कि संचालन के वक समय को बांधना आवश्यक है, विषय का गम्भीरता से अध्ययन कर यदि संचालन किया जावे तो वह बहुत ही प्रभावशील होता है। कई अवसरों पर उन्होंने मेरी हिन्दी भाषा को प्रांजलता दी है।

अक्षर ब्रह्म के आराधक और कर्मभूमि के प्रगतिपथ पर साधना के सारथी पूज्य दादा आज हमारे मध्य नहीं है परंतु उनके द्वारा प्रदत्त ज्ञान, मार्गदर्शन मेरे जीवन की वह पूँजी है जिससे मैंने जीवन में अनेक आयामों को प्राप्त किया है।

- हेमंत पंडित, इन्दौर

मेरा मित्र - रमेश तिवारी

बात 1960-61 की, जब इन्दौर में कृषि महाविद्यालय का शुभारम्भ हुआ। प्रथम वर्ष में पढ़ाई के लिये 30-35 छात्रों का चुनाव किया गया, इनमें अधिकतर छात्रों का सम्बंध ग्रामीण क्षेत्र और कृषि से था। रमेश और मेरे जैसे दो चार ही छात्र थे, जिनका परिवार इन्दौर जैसे नगर में निवास करता था। हम दोनो ही इन्दौर में जूनी इन्दौर क्षेत्र के रहने वाले थे, रमेश का कद छोटा था परन्तु उसका दिमाग बड़ा था और उसमें साहस भी बड़ा था, बड़े से बड़े पहलवान के सामने भी वह आपने आपको छोटा नहीं समझता था। खेलों में रुचि रखने वाले छात्र अनेक थे परन्तु साहित्य में रुचि रखने वाले हम जैसे दो-चार ही थे, इस कारण भी मेरी और रमेश की अच्छी दोस्ती हो गई थी। पढाई के चार साल कैसे बीत गए पता ही नहीं चला, हम दोनों स्नातक हो गए, म.प्र. शासन ने हमसे पहले ही बॉन्ड लिखवा लिया था कि आप हमारी ही सेवा करेंगे। रमेश को कृषि विभाग में और मुझे जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालयकी एक योजना में सर्विस मिल गई।

हम दोनों ने अपने क्षेत्र में अच्छा काम किया। मैं क्यूंकि विश्वविद्यालय का कर्मचारी था इसलिये मुझे सेवा करने के साथ ही आगे पढ़ाई करने का अवसर भी मिल गया और मैंने एम.एससी. की पढ़ाई भी कर ली। संघ लोक सेवा आयोग दिल्ली से आकाशवाणी के लिये कृषि अधिकारी के पद का प्रकाशन हुआ, मैंने इसलिये आवेदन कर दिया कि संघ बुलाता है तो आने जाने का किराया भी देता है, दिल्ली- घूम आयेंगे और कुछ दोस्त जो वहाँ पीएचडी की पढ़ाई कर रहे हैं, उनसे भी मिल आयेंगे। दिल्ली गये इन्टरव्यू दिया, दोस्तों से मिले, दिल्ली घूमे फिरे और वापस आकर अपने काम में लग गए। कुछ महीने बाद पता चला कि आकाशवाणी के निदेशक का कालेज के डीन के पास फोन आया है कि श्री अंसारी को रिलीव कीजिए उनका चयन फार्म रेडियो अधिकारी के पद पर हो चुका है। रिलीव करने की एक लम्बी कहानी है।

रमेश से मेरा सम्पर्क बराबर बना रहा, अब मैं रेडियो इन्दौर का एक जिम्मेदार बड़ा राजपत्रित अधिकारी था। बुराहनपुर से लेकर नीमच तक और झाबुआ से लेकर देवास तक मेरा कार्य क्षेत्र था। अधिकारियों, विशेषज्ञों, कृषकों, समाजसेवकों, कलाकारों इत्यादि को आमंत्रित करना, उनके आने जाने के किराये के साथ उनकी फीस भी उन्हें देना। यहाँ मुझे रमेश का अच्छा साथ मिला, न केवल एक अच्छे वार्ताकार के रूप में बल्कि एक अच्छे सहयोगी के रूप में। रमेश का कृषकों, ग्रामीणों और अधिकारियों से अच्छा सम्पर्क था, उसके सहयोग से अनेक अच्छे कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर और कलाकारों, वार्ताकारों को वहीं बुलाकर, अपने साथ आकाशवाणी के बहुत ही लोकप्रिय नंदाजी, भेराजी और कान्हाजी को ले जाकर आयोजित किये।

मेरा तबादला इन्दौर से आकाशवाणी दिल्ली के लिये हो गया, यहां आकाशवाणी का रेग्यूलर काम करते हुए सम्मेलनों में सम्मलित होना भी एक कार्य था। यह सम्मेलन दिल्ली में भी होते थे और भारत के अन्य बड़े शहरों में भी। कुछ राष्ट्रीय और कुछ अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते थे, एक -दो सम्मेलनों में रमेश तिवारी को भी म.प्र. से आमंत्रित किया गया। इन सम्मेलनों में अंग्रेजी भाषा का बोलबाला हुआ करता था, इनमें रमेश को देखकर मैं तनिक चिंतित हुआ कि रमेश क्या करेगा। रमेश ने कहा घबराओ मत, मैं सब संभाल लूंगा और हुआ भी यही, जब रमेश को अपने क्षेत्र की जानकारी देने के लिये माइक पर बुलाया गया तो वह अंग्रेजी एसी धाराप्रवाह बोला कि हॉल तालियों से गूँज उठा। मुझे कालेज वाला वही रमेश याद आ गया जो किसी से न डरता था और ना घबराता था। किसी ने ठीक ही कहा है कि कद छोटा होने से कुछ नहीं बिगड़ता इन्सान का दिमाग छोटा नहीं होना चाहिये।

अफसोस ! रमेश बहुत जल्दी हम सबको छोड़कर चले गए। मालिक उनकी आत्मा को शांति दे।

-अजीज अंसारी
केन्द्र निर्देशक, आकाशवाणी

निस्वार्थ समाजसेवी रमेशचन्द्र तिवारी का चिर-विछोह, अपूरणीय क्षति

श्रीधर जोशी, ग्राम कोदरिया (महू)

अभी अभी तो उनके विवाह की पचासवीं (स्वर्णिम) जयंती मनाई थी कि वे अनन्त की यात्रा पर निकल गए। सब कहते ही रह गए, अरे तुम कैसे आए, कहां, चले हम से उनकी शानदार स्मृतियों को याद कर रहे हैं।

श्री तिवारी जी प्रभुप्रदत्त अनेक विशेषताओं से अलंकृत एक नेक दिल इन्सान थे। वे समाज सेवा के लिए तन मन धन से कृतसंकल्पित थे। अपने शासकीय उत्तरदायित्व को बखूबी निर्वहन करते हुए वे ग्रामीणों की सेवा के लिए भी सहर्ष उपलब्ध होते थे। अपने नियमित शासकीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान वे महज खानापूर्ति न करते हुए ईमानदारी, लगन से उन ग्रामों में रात्रि निवास करते थे। ग्रामीणों को एकत्र कर उन्हें शासन द्वारा प्राप्त होने वाली कृषि संबंधी सुविधाओं से अवगत कराते थे। उनकी फसलों के समुचित रख-रखाव, उन्नत कृषि संबंधी सुझाव व उपचार बताते थे। उच्च स्तरीय शासकीय सहायता के लिए उनका मार्गदर्शन करते थे। वे अपने क्षेत्र में कॉफी लोकप्रिय अधिकारी के नाते जाने जाते थे। श्रीगौड़ समाज के लिए भी उनकी सेवाएं सराहनीय हैं। वे तन मन के साथ धन से भी सामाजिक सरोकारों में सहर्ष योगदान करते थे। श्री तिवारी जी के यशस्वी चिरंजीवी निर्लेश तिवारी के समाज के होनहार छात्रों के लिए किए गए सत्प्रयास से समाज जन भलीभांति अवगत हैं।

श्रीमती ललिता तिवारी भी परिवार के उत्तरदायित्वों का समुचित निर्वाह करने के उपरान्त तिवारीजी के सामाजिक सेवा के कार्यों में सतत् प्रेरणा प्रदान करती रहती थी। बच्चों के समुचित शिक्षा दीक्षा के उपरान्त अब वे अपने पौत्रों के संस्कार निर्माण में भी प्रशंसनीय योगदान दे रही है। वे सच्ची परामर्शदात्री के रूप में उन्हें आदर्श जीवन यापन के लिए मार्ग दर्शन देती हैं। आपने पढ़ा ही होगा कि चि. निर्लेश के पुत्र ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपने शैक्षणिक अनुसंधान के रूप में यश अर्जित किया है और कई मानक पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र अर्जित किए हैं।

रमेश जी एक विज्ञान चिन्तक व लेखक भी थे। समाज की दोनों पत्रिकाओं श्रीगौड विचार मंच (श्री सन्देश) और श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद में निरंतर उनके लेख, बोधकथाएं, पत्र आदि प्रकाशित होते रहे हैं। अप्रैल-जून 2016 के श्री गौड़ विचार मंच में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूज्य कृष्णकांत जी व्यास के उन पर आधारित विशेषांक के विषय में प्रकाशित तिवारीजी का पत्र उनका अंतिम वैचारिक दस्तावेज बन गया। उस पत्र में उन्होंने पूज्य कृष्णकांत जी व्यास के गरिमामय व्यक्तित्व की जो छवि उभारी है वह तिवारीजी की उदात्त व समाज की विभुतियों के प्रति उनकी आस्थामयी श्रद्धा की परिचायिका है। इन्दौर जिलाधीश कार्यालय में उनका दफ्तर था। उनकी प्रतिभा के अनुरूप उन्हें आकाशवाणी केन्द्र से कृषि संबंधी बहुमूल्य विचारों को ग्रामीणों व कृषकों के हितार्थ प्रसारित करने की जवाबदारी सौंपी गई थी। तिवारी जी की क्षमता एवं दक्षता तथा शासकीय कार्य के प्रति उनकी लगन तथा निष्ठा से प्रत्येक अधिकारी प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहा। 'तिवारी जी धार्मिक निष्ठा एवं आध्यात्मिक आयोजनों से भी जुड़े हुए थे।

पारिवारिक मांगलिक उत्सवों तथा सामाजिक सामूहिक प्रसंगों में उनकी उपस्थिति का एहसास केन्द्रीय स्थिति में रहता था। अपनी विद्वत्तापूर्ण वाक्चातुर्य, हाजिर जवाबी तथा विनोद प्रियता के कारण तथा सबके प्रति स्नेहशील व्यवहार के कारण वे सहज ही सबके आकर्षण के केन्द्रबन जाते थे। सभी उनके सानिध्य एवं सामीप्य की आकांक्षा करते थे । उनका यूं अचानक चले जाना हमारी सबकी, समाज की ऐसी क्षति है जिसकी प्रतिपूर्ति असंभव है। वे अजातशत्रु थे। सबके प्रति उनकी स्नेह सौजन्यमयी सद्भावनाओं में वे सबके प्रिय थे। उन्हें भूलाना संभव नहीं है। उनके जीवन का उद्देश्य था- औरों को हंसते देखो मनु ! हंसों और सुख पाओ, अपने सुख को विस्तृत कर लो, सबको सुखी बनाओ।

अपने मन को सात्वना देने के लिए उन पंक्तियों को याद करते हैं -

'मौत केवल कल्पना है, अपनों का साथ छूटता कब है।

जो जमीं पर नजर नहीं आते, वे सितारों मे जगमगाते हैं।'

प्रभू आपके परिवार को धैर्य प्रदान करें। आप एक महान आत्मा थे अलबिदा।

प्रस्तुतकर्ता-सुषमा दुबे

एक अनुकरणीय व्यक्तित्व
स्व. रमेशचन्द्र तिवारी

नई पीढ़ी में अच्छे संस्कारों का अभाव दृष्टिगोचर होता है। इसका मूल कारण है परिवार के वरिष्ठ जन स्वयं के आचरण पर ध्यान नहीं देते और चाहते हैं कि हमारे बच्चे संस्कारवान बनें । जिस आयु में बच्चे संस्कार ग्रहण करते हैं, उस समय हम अपने लाड़ प्यार में उन्हें टोकते नहीं, अच्छे संस्कार सिखाते नहीं। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तब उनका अपना व्यक्तित्व इतना विकसित हो जाता है कि उन्हें रोक-टोक अपमान जनक लगती है, जिसे कोई पसंद नहीं करता। बच्चों पर मौखिक शिक्षा का वांछित प्रभाव नहीं पड़ता, वे जो देखते हैं, वैसा सीखते व करते हैं। किन्हीं परिवारों में आज भी बच्चे हमारे विचारों के अनुरूप संस्कारवान मिलते हैं। ऐसे ही परिवारों में से एक है - स्व. रमेशचन्द्र जी तिवारी का परिवार। उनके पुत्र, पौत्र, पौत्री सब में बड़ों के प्रति आदर भाव, राष्ट्र के प्रति प्रेम व सम्मान का भाव दिखाई देता है। श्री तिवारी जी द्वारा प्रारंभ की गई परम्परायें आज़ भी निरंतर जारी हैं जिनके लिये वे अपने पिता व दादा को प्रेरणास्त्रोत मानते हैं।

श्री तिवारी जी राज्य शासन में सहायक संचालक कृषि के पद पर रहे। साथ ही समाजसेवी, कृषि पत्रकार व लेखक भी थे। उन्होंने कृषकों के लिये उपयोगी कुछ पुस्तकें भी लिखी है। कृषि सम्बंधी पत्र पत्रिकाओं के लिये उपयोगी लेख भी लिखते व छपवाते थे। आल इंडिया रेडियो से भी उनकी वार्ताओं का प्रसारण होता था। इस प्रकार उन्होंने साहित्य एवं देश की सेवा की। नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार दिये, देश प्रेम की भावना से जोड़ा।

उन्होंने अपने लेखों द्वारा पत्रिका श्रीगोड़ विचार मंच की भी सेवा की। यही परम्परा उनके पुत्र, पौत्र भी निर्वाह कर रहे हैं।

मुझे उनसे केवल एक बार मिलने का सुअवसर प्राप्त हुआ। वे मिलनसार, मितभाषी तथा अच्छे संस्कारों के धनी लुगे। उनका सरल व्याक्तत्व सहज ही मिलने वालों पर अपना प्रभाव छोड़ देता था।

-कैलाश नारायण व्यास, उज्जैन

वे किसानों के लिए पाँच दशक तक लिखते रहे

अन्नपूर्णा रोड भवानीपुर के रहने वाले आरसी तिवारी का निधन हो गया। उन्होंने किसानों के लिए पत्रकारिता की, वो भी ऐसे समय में, जब अखबारों में जगह नहीं हुआ करती थी, तब उन्होंने किसानों के लिए इस तरह लिखा कि अच्छे- अच्छे संपादक को जगह बनाना पड़ी, कॉलम चलाना पड़े। हालत ये थी कि पचास साल पहले जब संपादकों को समय पर तिवारीजी के यहां से डाक नहीं मिलती थी तो वे फोन करते थे या फिर किसी के हाथ पत्र भेजते थे।

आरसी तिवारी वैसे तो कृषि विभाग के छोटे अधिकारी थे, लेकिन शोधपरक भाव एवं किसानों को ऊंचा उठाने के लिए वे सदैव चिंचित रहते थे। उन्होंने किसानों के हित में सरकार से परे रहकर 60 के दशक में काफी लिखा... वह चाहे सोयाबीन हो, कपास हो, मिट्टी सुधार हो, मिट्टी में खाद की मात्रा हो, केले की फसल हो, मिर्ची हो या फिर बागवानी हो, भूजल सुधार के लिए भी उन्होंने काफी कुछ बताया। दो दशक पहले इंदौर आकाशवाणी से नंदाजी-भैराजी कार्यक्रम चलता था, जिसमें मुख्य कलाकार कृष्णकांत दुबे नंदाजी मालवी में किसानों को समझाइश देते थे। नंदाजी आग्रहपूर्वक तिवारी से उनके लेखों के सार बुलवाकर आकाशवाणी पर प्रसारित करते थे। इसके साथ ही करीब साठ बार तिवारी को स्टूडियो बुलाया एवं किसानों के लिए सुझाव प्रसारित कराए। तिवारी जी ने जीवनभर किसानों की मदद की, सेवानिवृत्ति के बाद भी कर्म से सेवानिवृत्त नहीं हुए। किसानों की आत्महत्या रोकने के लिए उन्होंने अपने पेंशन फंड से कृषक संजीवनी पुस्तक निकाली, जिसका निःशुल्क वितरण किया। तिवारी कहते थे कि मप्र में कृषि कर्मण अवॉर्ड मिल रहा है, दूसरी ओर किसान आत्महत्या कर रहे हैं, ऐसे में कहीं न कहीं निचले स्तर के किसानों की समस्या सुलझाना होगी, तभी अवॉर्ड का असली महत्व समाज की खुशहाली के रूप में आएगा।

-पीपुल्स समाचार

नामचीन हस्तियों की नज़र में तिवारी जी

श्री रमेशचंद्र जी तिवारी के कृतित्व विभिन्न प्रसिद्ध विभूतियों ने जो लिखा है, उनमें से कुछ के विचार यहाँ संक्षिप्त में प्रस्तुत किये जा रहे हैं।

कृषि विज्ञान का अकूत ज्ञान रखने वाले हमारे आदर्श एवं मार्गदर्शक श्री रमेशचन्द्र तिवारी जी के लिए जितना कहा जाय कम है, आपने परमार्थ में अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया था। आप के निर्देशन मे किसानों ने नवीन प्रयोग कर भरपूर लाभ उठाया। विभाग से रिटायरमेंट के बाद आपने समाज सेवा में व पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई। हमने जब कृषि आधारित मासिक पत्रिका हलधरवाणी तथा दैनिक चैतन्य लोक का प्रकाशन शुरू किया तो आपका भरपूर सहयोग मिला। आपने अपनी लेखनी से हमारा और किसानों का मार्गदर्शन किया। आप हमें हमेशा याद आते रहेंगे।

दीपक शर्मा
संपादक, दैनिक चैतन्य लोक

-----000-----

सुप्रसिद्ध पत्रकार श्री कीर्ति राणा जी ने तिवारी जी के लिए लिखा :-

श्री महेश लिलोरिया जी,
सम्पादक दंबग दुनिया,
इंदौर

कृषि विभगा से सेवानिवृत्त श्री रमेशचंद्र तिवारी कृषि और किसानों की समस्याओं के जानकार हैं।

आकाशवाणी पर कृषि/किसानों की समस्याओं पर सलाह देते रहे हैं।

श्री तिवारी से दंबंग दुनिया के रीजनल एडिशन के लिए प्रति सप्ताह कॉलम के लिए दस लेख अग्रिम लिखने का आग्रह किया था। रीजनल एडिशन के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है, वैसे अंतिम निर्णय आप का ही रहना है।

आप इन लेखों का अवलोकन कर लें, श्री तिवारी का कान्टेक्ट नंबर भी है।

कीर्ति राणा

-----000-----

मालवा क्षेत्र के श्री रमेश तिवारी म. प्र. शासन के कृषि विभाग के सहायक संचालक पद से सेवानिवृत हुए हैं। आपको यदि कृषि पंडित कहा जाये तो कोई अतिशियोक्ति नहीं होगी। आपके कर्मक्षेत्र पर डाली गई हल्की सी नज़र बता देती है कि कृषि क्षेत्र में निरन्तर सुधार आपका मिशन रहा है। कृषि पर आपने अनेक सूचनात्मक एवं विवरणात्मक लेख लिखें हैं, जो समय समय पर विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

कृषि में आधुनिक तथा वैज्ञानिक तौर तरीके/विधि अपनाने के लिए आपने आकाशवाणी इंदौर से प्रसारित होने वाले कृषि सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रम, वार्तालाप तथा रेडिओ टॉक्स आदि अवसरों का भी भरपूर दोहन किया। आपके आधा सैकड़ा के करीब कार्यक्रम प्रसारित हुए। इन प्रसारणों की विषय वस्तु आज भी प्रासंगिक है और कृषकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है।

उमेश व्यास
(मुख्य कार्यकारी - इंद्रदर्शन)

-----000-----

समाज व किसानों के हित की विचारधारा अपनी कार्यशैली , लेखन और तन-मन-धन से समर्पण की भावना के कारण लेखक का वरिष्ठ नागरिक होकर भी युवाओं सा उत्साह, सभी को प्रेरित करता है। लेखक चूंकि स्वाधीनता संग्राम परिवार की पृष्ठभूमि में रहा है अतः राष्ट्रप्रेम और समाज़, देश सेवा की भावना सदैव जागृत रही। इसी कड़ी में राष्ट्रीयपर्व पंद्रह अगस्त व छब्बीस जनवरी को स्वयं के निवास पर झण्डावन्दन होता है, पूरा परिवार व पड़ौसी इसमें शामिल होते हैं, तत्पश्चात् मिठाई का वितरण तय रहता है।

आपकी सामूहिक विवाह, मुण्डन , यज्ञोपवित आदि में विशेष भागीदारी रहती है ताकि समाज में फैली कुरीतियों , अपव्ययता , कर्जों पर अंकुश लगाया जा सके। इसी सन्दर्भ में समसामयिक परिशिष्टों में अक्षर - आहुत द्वारा कर्त्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं ।

विकलांगो की सेवा में तत्पर नारायण सेवा संस्थान उदयपुर में आर्थिक सहायता द्वारा विकलांग बच्चों के धर्म माता-पिता कहलाना गौरव का विषय है।

एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय 'किसानों द्वारा आत्महत्या' निश्चित रूप से चिंतनीय है। कृषि से जुड़े होन से वास्तविकता व व्यावहारिक अनुभवों पर आधारित 'दस - सूत्रीय कार्यक्रम' (किसानों की आत्महत्या के संभावित कारण व उनके समाधान – सुझाव) को विस्तृत प्रारूप दिया गया। किसानो की मानसीक कुंठाओं से ग्रसित, बढ़ती आत्महत्याओं की प्रवृत्ति को रोकने हेतु, किसान आत्महत्या के संभावित कारण व उसे रोकने हेतु निराकरण सम्बन्धी समाधान व सुझाव की लघु-मार्गदर्शीका 'कृषक संजीवनी' भी यहाँ समाहित की गई है।

बृजभूषण चतुर्वेदी (बीबीसी)
समीक्षक, संपादक
सुचित्रा डायरेक्टरी

-----000-----

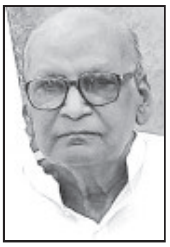

सत्तर और अस्सी के दशक में दूरदर्शन आने के पूर्व तक, केवल रेडियो/ ट्राजीन्सटर मनोरंजन, संचार व प्रचार - प्रसार का प्रमुख माध्यम होता था और रेडियो के उस सुनहरी दौर में 'आकाशवाणी' के रोचक कार्यक्रमों की लड़ी में, एक विशेष कार्यक्रम ग्रामीणों व किसानों के लिये प्रसारित होता था।

खेत-खलिहानों में कृषको की व्यस्तताओं के चलते सुविधा हेतु यह सॉध्यकालीन कार्यक्रम शाम सवा सात बजे प्रादेशिक समाचारों के पश्चात प्रसारित होता व लगभग तीस से पैतालीस मिनिट की इस प्रस्तुती 'खेत-कृषि संबंधी ' जानकारियॉ , कृषि- विशेषज्ञो की राय व लोक संगीत (मालवी, निमाड़ी, छत्तीसगढ़ी, आदि शामिल होते थे कार्यक्रम की शुरूआत मशहूर तिकड़ी (नन्दाजी, भैराजी, कान्हाजी) की राम राम से शुरू होती तथा चौपालो, दुकानों, खेतो व घरो में इसे सरस श्रवण किया जाता। श्री रमेश तिवारी की इन कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी होती थी। उनके द्वारा प्रस्तुत वार्ताऐं/लघुकथा आदि को 'विशेष भेंट' का दर्जा प्राप्त था। दो दशको से ज्यादा और प्रस्तुतियों के लगभग अर्द्धशतक द्वारा वे कर्मकारो को अपने वृहद अनुभव, जानकरियों, रायशुमारी व इसके खेती में व्यावहारिक उपयोग के बारे में अवगत कराते रहे, जिससे तात्कालीन कृषक जगत लाभान्वित हुआ। कृषि से जुड़े कर्मचारीयो, अधिकारीयो, संबधित विभाग, शासन-प्रशासन से इनकी प्रशंसा हुई।

एक विस्तृत योजना के तहत, किसानों के हित में इन समस्त प्रस्तुतियों को एकसुत्र में पिरोकर एक पुस्तक 'कृषि–स्तुति' के माध्यम से किसानो व ग्रामीण क्षैत्रो में पहुॅचानें का सॅकल्प लिया गया, ताकि कृषि जानकारीयों से परिपूर्ण, ज्ञानवर्द्धक साहित्य नई पीढी और निकट-वर्तमान में समस्त ग्रामीण क्षैत्रो/ग्राम पंचायतो के स्तर पर उपलब्ध हो सके। कृषक-जन जागृति अभियान में यह पुस्तक निश्चित ही मिल का पत्थर साबित होगी तथा यह प्रयास सभी के लिये प्रेरणास्पद रहेगा।

निवेदन है कि पूर्व में प्रकाशित पुस्तक 'कृषि अमोध', 'कृषक संजीवनी' तथा 'कृषि–स्तुति' की अदभुत अप्रतिम अतुलनीय 'त्रिवेणी' स्वयं पढ़े व परिचित ग्रामीणों इष्ट मित्रगण, रिश्तेदारो और सहयोगीयो को इसके बारे में जानकारी दे और मितव्ययीता के स्थान पर जन्मदिन/शादी की वर्षगॉठ आदि में ग्रामीण उत्थान का साहित्य भेंट करें।

जी.डी. श्रीवास्तव
से.नि. सहा. संचालक कृषि

-----000-----

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से मिले राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा के संस्कारों और उच्च कोटि के पारिवारिक मूल्यों व वरिष्ठों की प्रेरणा से लेखक का रचनात्मक अवदान व शोधकार्य यहाँ प्रस्तुत है।

शुरूआत से ही लेखन में रूचि होने से इसे अपना सृजनात्मक कार्य चुना और कृषि-विभाग में सेवारत होने से कर्मकारों, किसानों व कृषि हित में लिखने का अवसर सदैव मिलता रहा। कृषि संबंधित पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर लेखन और किसानों के मध्य पहुँचने का माध्यम समाचार-पत्रों (नईदुनिया, नव-भारत, स्वदेश आदि) और आकाशवाणी को बनाया। इस दौरान कृषि-मेलों, गुलाब प्रदर्शनी, किसान कार्यशाला व संबंधित स्मारिकाओं का सफल निष्पादन तथा संपादन किया। विशेष तौर पर आकाशवाणी द्वारा प्रस्तुत खेती-गृहस्थी कार्यक्रमों में निरंतर दो दशकों तक सहभागी रहकर प्रसारण के माध्यम से पूरे प्रदेश में किसानों का व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाया व मार्गदर्शन किया। इसके संकलित अंश ऑडियो केसेट्स व अवतरित सी.डी. आज भी उपलब्ध है। आकाशवाणी से प्रसारीत कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण (प्रश्नावली तथा उत्तर) बहुमुल्य संकलन के रूप में 'कृषि-स्तुति' के माध्यम से प्रस्तुत है ।

किसानों और कृषि हितों के मद्देनजर बहुप्रतिक्षित पठनीय व संग्रहणीय पुस्तक 'कृषि अमोध' का सफल निष्पादन किया। इस पुस्तक में प्रचलित आलेखों को समाहित किया गया है, जो आज भी प्रासंगिक होकर बहुपयोगी हैं। संपादकीय के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि ग्रामीण-पर्यावरण, ग्राम पंचायत, मिट्टी परीक्षण,

बीज परीक्षण, दलहन संघ, नर्मदा घाटी, कृषि विपणन बोर्ड, भूमि विकास बैंक, कृषि महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कृषि मंत्रालय आदि भी इसके पठन से लाभन्वित हो सकते है।

राजेन्द्र नागर
संपादक, हलधर वाणी

-----000-----

श्रीगौड़ सहकारी सभा वर्ष 1931 के 18 मार्च को स्थापित हुई। इन्दौर जिले की गिनी-चुनी संस्थाओं में से एक यह ऐसी संस्था है जो विगत 35 वर्षो से लगातार विभागीय अंकेक्षण में 'ए' वर्ग प्राप्त कर रही है। हम लगभग 5800 सदस्यों की सक्रिय सहभागिता से ही संस्था को सतत उन्नति के पथ पर अग्रेषित कर पा रहे हैं। वर्ष 2012-13 की साधारण सभा सदस्यों को आज भी याद है, जब मेरे कार्यकाल में संस्था में 35 प्रतिशत लाभांश के रूप में रूपये 38,97,250 सदस्यों में वितरित किये गए थे, जो संस्था के इतिहास में अबतक वितरित सर्वाधिक राशि है।

मैं संस्था में वर्ष 1988 से जुड़ा। पेशे से किसान होने से सहकारिता एवं सहभागिता को मैंने अपने जीवन में जिया, जो मेरे लिए संस्था में आने के बाद बहुत ही उपयोगी साबित हुआ। इस अवधि में ही मुझे समाज के कुछ गिने चुने ऐसे साथी मिले जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिला इन्हीं में से एक नाम है श्री रमेशचन्द्र जी तिवारी। मुझे याद आता है, हम फुरसत के क्षणों में अक्सर एक दूसरे के साथ बैठते, समाज एवं अन्य विषयों की चर्चा घंटों होती रहती। निश्चित ही हमें आदरणीय तिवारी जी से अनेक विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और मुझे गर्व है कि ऐसे साथियों, बुजुर्गों के मार्गदर्शन से ही संस्था में तीन बार अध्यक्ष बनकर सेवा करने का अवसर मुझे प्राप्त है।

तिवारी जी हमेशा एक बात दोहराते, दुबेजी संस्था की प्रगति संस्था की साख पर ही निर्भर है, इसके लिए ईमानदारी, लगनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा और सतत कार्य करने की प्रवृत्ति होने के साथ ही अपने उत्तरदायित्व को बखूबी समझना भी आवश्यक है।

अनेक बार हमें अनियमित ऋणी सदस्यों के लिए अप्रिय निर्णय लेने होते हैं, परंतु संस्था के वित्तीय स्थिति सुदृढ करने के लिए यह सतत आवश्यक प्रक्रिया होनी चाहिए और तिवारीजी के मार्गदर्शन अनुसार मैंने सदस्यों से सतत जीवंत संपर्क कर उनकी समस्याओं को सुनना और प्रयत्न कर उन्हें हल करना, अपनी दिनचर्या में शामिल कर लिया।

तिवारी जी को नमन करते हुए, उन पर प्रकाशित हो रहे श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद के विशेषांक हेतु शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ।

-सतीश दुबे
अध्यक्ष-श्रीगौड़ सहकारी सभा
मर्यादित, इन्दौर

बधाई.....शुभकामना.....आशीर्वाद

श्रीमती ललिता-स्व. श्री रमेशचंद्रजी तिवारी के सुपौत्र एवं श्री नितेश-रेखा तिवारी के सुपुत्र चि. अमोघ का उपनयन संस्कार 19 जनवरी 2023 को इन्दौर में सम्पन्न हुआ।

:: बधाईकर्ता ::
दादीजी, ताऊजी, ताईजी, पापा, मम्मी, भैय्या, दीदी एवं समस्त
तिवारी परिवार

प्रेम एवं विश्वास

ॐ इति एकांक्षर ब्रह्म - सर्वप्रथम आदिध्वनि ॐ ब्रह्म नाद के रूप में पैदा हुई। अ ऊ म त्रिदेव की शक्ति स्थापित होकर उन्होंने संसार एवं ब्रह्मांड की रचना की, पालन पोषण का कार्य किया एवं भोजन पश्चात नींद, तृप्ति और सारे कार्यों का फल दिया। यह ब्रह्मा विष्णु महेश की त्रिदेव शक्ति है। शिवजी द्वारा संहार का कार्य भी किया गया। ॐ से सारी ध्वनियां प्रकट हुई हैं कामनाओं की पूर्ति एवं मुक्ति ॐ से होती है। अंत समय में ओम के उच्चारण से मोक्ष प्राप्त होता है। श्री भगवान की पूजा आराधना के लिए सूर्य, चंद्रमा एवं तारों रूपी थाल सजी हुई है, प्रेममय होकर प्रकृति द्वारा चमकते हुए सितारों रूपी थाल से मानो आरती उतारी जा रही है। पंछी कलरव करते हुए आराधना कर रहे हैं, पहाड़ों से बर्फ पिघलकर नदियां अठखेलियाँ करते हुए अपने केंद्र बिंदु समुद्र में मिल रही हैं। समुद्र अपनी लहरों की सौंदर्य युक्त छवि से अभिवादन कर रहा है। पृथ्वी के हरे भरे वृक्ष एवं फूलों से सज्जित हरियाली जैसे ईश्वर का गुणगान कर रही है। प्रकृति के ऐसे सुंदर नियमों से जुड़ कर मनुष्य को प्रेमपूर्ण एवं विश्वास युक्त जीवन जीना चाहिए।

ढाई अक्षर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय - प्रेम शब्द का गहरा एवं व्यापक अर्थ बताया है। परिवार की इकाई, सदस्यों द्वारा परस्पर प्रेम एवं विश्वास पर टिकी हुई है। नारदीय भक्ति सूत्र में नारद जी ने श्री भगवान विष्णु से घर-घर भक्ति का अलख जगाने के लिए प्रेमा भक्ति का वर्णन किया है। भगवान के प्रति अतिशय प्रेम का नाम ही भक्ति है। जहां प्रेम है वहां आस्था, श्रद्धा, विश्वास भी है, सारी दुनिया प्रेम और विश्वास के धागे से बंधी हुई है।

श्रद्धावान लभते ज्ञानम् - श्रद्धा के द्वारा ज्ञान प्राप्त किया जाता है, संसार में ज्ञान के समान दूसरी कोई पवित्र चीज नहीं है। अज्ञानता जीवन का अंधकार है। दया, करुणा, सेवा, तप एवं समर्पण द्वारा समाज उन्नति की ओर प्रशस्त होता है।

विश्वासम फलदायकम - विश्वास के द्वारा ही फल की प्राप्ति होती है।

'गम की कटती नहीं एक रात,
सौ दिन गुजर गए आराम के,
क्या बताऊँ 'गालिब'
गम बहुत बुरी बला है।'

सदा सावन नहीं होता, सदा तौरई ना पकती और और सदा यौवन नहीं रहता।

चार प्रकार के लोग होते हैं-प्रकाश से प्रकाश की ओर जाने वाले, प्रकाश से अंधेरे की ओर, अंधेरे से प्रकाश की ओर एवं अंधेरे से अंधेरे की ओर जाने वाले। ईश्वर ने मनुष्य को शुभ कार्य करने के लिए बुद्धि प्रदान की है।

संसार कर्म भूमि है, ईश्वर को कर्ता कहते हैं और मनुष्य को कृतु यानी कर्म करने वाला। निष्काम भाव से किए गए कार्य कर्मबंधन में नहीं बांधते हैं। 'सर सर सरकित इति संसार'। जो धीरे-धीरे सरक रहा है, परिवर्तनशील है, वह संसार है। 'सदा रहो ऐसे जिंदगानी में, जैसे कमल खिले तालाब के कीचड़ और पानी में।'

नदी में नाव चले लेकिन नाव में पानी नहीं आना चाहिए। श्री गीता के चौथे अध्याय का तेरहवां श्लोक - 'संकल्प व कामना रहित भाव से किए गए कर्म निष्काम कर्म कहलाते हैं।'

मनुष्य का स्वभाव तीन प्रकार की वृतियों से बंधा हुआ है (1) सतोगुण - सुबह का समय सात्विकता लिए हुए होता है। (2) रजोगुण - दोपहर का समय व्यापार-व्यवसाय, गृहस्थी व मोह का रहता है। (3) तमोगुण - शाम का समय क्रोध व घमंड की वृति वाला होता है। तीनों गुण दिनभर मिश्रित अवस्था में भी कार्य करते हैं। हर समय प्रेम में होकर अपना कार्य करना ही प्रेम की प्रधानता है।

व्यक्ति को उसकी आदतें ही हंसाती व रुलाती है। जैसा संग वैसा ढंग, अच्छी आदतें व्यक्ति को इंसान बनाकर सफलता प्रदान करती है और बुरी आदतें उसको नीचे ले जाती है। व्यक्ति अपने स्वर्ग और नर्क का निर्माण स्वयं करता है।

अच्छी आदतें बीस दिन में प्राप्त हो सकती हैं एवं खराब आदतें चालीस दिनों में प्रैक्टिस द्वारा छोड़ी जा सकती हैं। जीवन में खराब आदते जल्दी आकर देर से समाप्त होती है और अच्छी आदतें देर से आकर शीघ्र समाप्त भी हो सकती हैं। व्यक्ति अपनी आदतों का गुलाम बन जाता है।

प्रेम के अभाव में व्यक्ति की समस्याएं बढ़ती हैं। आत्मबोध होने पर व्यक्ति प्राणी मात्र से प्रेम करता है, किसी के प्रति भेदभाव नहीं। अमेरिकी रिंग वाला रिश्ता नदी होना चाहिए कि हम एक दूसरे के लिए बने हैं, बाद में घृणा के लिए बने हैं। हमारी भारतीय संस्कृति अच्छी और महान है, यहां रिश्तो का सम्मान है। प्रेम वाला व्यक्ति हित और द्वेष वाला अहित करता है। यह प्रेम अमृत रूपा है। दुनिया में प्रेम वाले लोगों से ही व्यवस्था ठीक बनती है, उद्विन व्यक्ति के चेहरे पर प्रसन्नता व हंसी नहीं रहती है। लोक व्यवहार अच्छा रहने पर चालीस प्रतिशत लाभ और प्रगति अलग से मिल जाती है। 'किसी को क्या गरज है, तूझे ऊँचा उठाने में तेरे अरमान फिट हूं, तुझे ऊपर ले जाने में।।'

भगवान श्रीराम का त्याग तथा भरत का प्रेम और विश्वास अद्भुत है। परस्पर प्रेम और विश्वास का बहुत महत्व है। स्वार्थ एवं अहंकार से प्रेम समाप्त हो जाता है। प्रेम की गली बहुत संकरी है। पति पत्नी एक और एक होकर नहीं, एक हो जाते हैं। प्रेम का धागा दिखाई नहीं देता है लेकिन सभी मनके जुड़े हुए हैं। प्रेम को आधार चाहिए और आधार विश्वास पर टिका है। प्रेम ही सृष्टि का आधार है, वही जगत का सार है, यह संतों की वाणी है।

-मनोहर मंडलोई
रामगढ़, इंदौर 9826845044

बुढ़ापा कैसे जियें

बुढापा कैसे जिये? बुढ़ापा कला से जिये या बला से जिये।

युवा पीढ़ी से तालमेल बिठाकर रहने से समस्या का समाधान हो जाएगा। बुढापा अनुभव का खजाना है एवम् परिवक्वता की पहचान भी है। युवावस्था कल्पनाओ की उड़ान है जबकि वृद्धावस्था यादो की बारात है।

बुढापा, सुगमता से जीने की कला के सूत्र - कमखाना, गमखाना और नमजाना। दादा जी बनने के बाद दादागिरी छोड़ देना। साठ साल की उम्र के बाद से जगत को कम समय देवें, जगदीश को ज्यादा समय देवें, भजन, कीर्तन, सुमिरन, स्वाध्याय, सतसंग तथा भागवत कथा का श्रवण करें। चिंतन, मनन, मौन, मुस्कान, सहन शक्ति और प्रभु भक्ति बढ़ने से वृद्धावस्था अमृतमय हो जाएगी।

सावधान, किसी की उपेक्षा न करें, किसी से अपेक्षा भी न करें, यह जीवन का सार है।

दरस परस मुख मंजन पाना । हरे पाप कहे वेद पुराना ।।

ध्यान दें - इस उम्र में हाथ, पांव, आँख, कान, पेट सभी कमजोर होकर चलना कम कर देते है परन्तु ठीक इसके विपरित जुबान तेज हो जाती है। परिणाम स्वरूप चिल्लाना, प्रलाप करना, गाली गलोज और कटुवाणी का प्रयोग करने से समस्याऐं और विकट हो जाती हैं, शांति भंग हो जाती है।

'कुदरत को मंजूर नहीं, सखी जुबान की,
इस लिए न पैदा की हड्डी जुबान की।'

अतः यही वाणी, बाण की जगह वीणा बन जाये, मधुर झन्कार उठने लगे तो घर एक प्रेममंदिर बन जाएगा। इससे सारे देवताओ का वास घर में हो जाएगा। कलह के कलयुग की विदाई होकर, सतयुग का प्रवेश हो जाएगा। दया धर्म से जुड़ जाए तो समाधान के भगवान बन कर विश्वामित्र हो जाऐंगे। तब आपके जीवन के यज्ञ की सुरक्षा में समाज की युवा शक्ति, राम-लक्ष्मण बन कर मर्यादा का पालन करेंगी. आपका बुढ़ापा और आपका अनुभव धन्य हो जाएगा।

वर्ष में एक बार भागवत कथा अवश्य श्रवण करें। एक घंटा सुबह शाम ईश्वर स्मरण, स्वाध्याय, ध्यान अवश्य करें। सतसंग से लोक और परलोक दोनो सुधारता है। अतः सतसंग अवश्य करें।

प्रार्थना है - ऐसा खाए जो पच जाए, ऐसा खर्चे जो बच जाए, ऐसा बोले जो जच जाए, कटुवाणी अपमान जनक शब्द भूलकर भी जबान पर न लाएं।

बचपन, जवानी सब साथ छोड़ देते हैं, धोखा दे देते हैं, परन्तु बुढापा पक्का मित्र होता है प्रभु मिलन तक साथ निभाता है। अतः बुढापे का स्वागत, चंदन, अभिनंदन करें। सतकर्म प्रभु चिंतन और मनन करने का यह मंगलमय अवसर है उसे प्रणाम करें। जय श्री कृष्ण।

सुख के सागर राम हैं, दुख के भंजन हार,
राम नाम तजिये नही, भजिये बारम्बार ।
राम नाम की औषधी खरी नियत से खाय,
अंग रोग होये नहीं, भव रोग मिट जाय।।

विगत समय में पूरे विश्व में कोरोना से भयंकर त्रासदी हो गई थी, सारी मानवीय शक्तियां विवश हो गई थी, बड़ी बड़ी प्रयोगशालाएं, शोधकर्ता चिकित्सक लाचार हो गए थे। उस समय संस्कारी युवा शक्ति ने समाज के जरूरतमंद लोगों की भोजन औषधि, अन्य आवश्यक सेवाएं देकर सतयुग का एहसास कराया। जाति-पांति के भेद भुलाकर मानव धर्म को गौरवान्वित किया था, धन्य हो गए थे।

मैं नमन करते हुए मन की बात कह रहा हूं। यज्ञोपवीत, शिखाबंधन, गायत्री मंत्र की रोज एक माला (108) का जाप करें। ब्रह्म मुहूर्त में उठकर देव को जल चढ़ावे, पूज्यजनों को नित्य प्रणाम करें, धैर्य धारण करें, सारी समस्याओं का अंत हो जाएगा।

माता बहने अन्नपूर्णा बनकर भोजन स्वयं बनावे, चौके को चप्पल व क्रोध से मुक्त रखें। गुरु मंत्र का जाप करते हुए शांति पूर्वक भोजन बनावे, ठाकुर जी को भोग लगावें। 'जैसा खाएंगे अन्न, वैसा होगा मन।' भोजन करावें।

बेटा व्यसन में, बेटी फैशन में, परिवार टेंशन में। मर्यादित कपड़े पहने, बड़ों की आज्ञा का पालन करें। 'जो ना माने बड़ों की सीख, धरे कटोरा मांगे भीख।'

'माता-पिता को परमेश्वर मानो, राष्ट्र को मानो नारायण।

संतानों में संस्कार फूंक दो, पूरी हो गई रामायण।।'

आप सब को नमन करते हुए निवेदन है, विशेषकर युवा शक्ति से, आप जैसा व्यवहार अपने माता पिता, गुरुजनों से करेंगे, वैसे ही आपकी संतान भी करेगी। जहां माता-पिता की सेवा होती है, वहां सुख शांति सदैव रहती है। जय श्री कृष्ण।

सादर प्रणाम करके निवेदन है कि कोई गलती हो तो क्षमा करें, सुधार कर पढ़ें, शांति व श्रद्धा पूर्वक पढ़कर पालन करें। आशा है आप मेरी प्रार्थना को स्वीकार करेंगे।

-रोहिताश्व पाठक
भागवत सलाहकार एवं गोसेवक,
अटावदा, बेटमा

वाह रे! मोबाइल

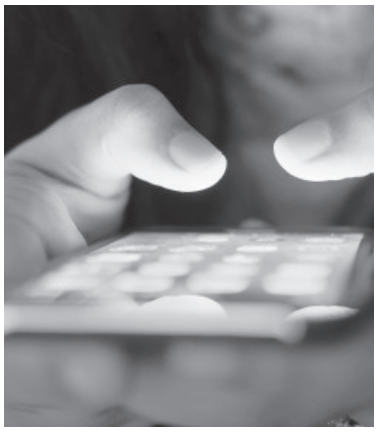

आज के युग में मोबाइल कितना महत्वपूर्ण है यह मुझे समझ में आया वह भी 100ः समझ में आया किंतु उस मोबाइल में कितना परेशान किया इस बात से जरूर अवगत कराऊंगा। एक बार शर्मा जी ने जो बताया मैं तोड़ मरोड़ कर आपको बता रहा हूं। आप सभी की भी जिज्ञासा बढ़ गई होगी आखिर शर्मा जी ने मोबाइल से मोबाइल से संबंधित क्या कहा?

चलो कहानी आगे बढ़ाते हैं हुआ यूं कि आज सुबह एक अर्जेंट सूचना शर्मा जी को उनके पुत्र को देना थी जो कार्य आज ही का था। समय सीमा का था आप शर्मा जी के साडू के घर साडू शाह का बड़ा पुत्र विदेश से बड़ी पढ़ाई करके आ रहा था उसी उपलक्ष में शर्मा जी के साडू सा.और उनके मित्र गण स्वागत समारोह रख रहे थे। इधर शर्मा जी का स्वागत समारोह में जाना मुमकिन नहीं था। कारण स्वास्थ्य खराब था और कार्यक्रम भी भोपाल में था। शर्मा जी नहीं जा सकते थे उनका स्वास्थ्य इजाजत नहीं दे रहा था। उन्होंने योजना बनाई कि उनका लड़का भोपाल में ही है वह कार्यक्रम अटेंड कर लेगा। उन्होंने उनके लड़के को फोन लगाने का तय किया। बस यही से फोन की कहानी याने मोबाइल की कहानी रोचक रूप से शुरू होती है। उन्होंने बच्चे को मोबाइल पर संदेश देने हेतु मोबाइल उठाया किंतु वह चार्ज नहीं था। उस समय लाइट भी नहीं थी उन्होंने बगैर देर किए मोबाइल को एक तरफ रख दिया।

उन्होंने तपाक से अपनी पत्नी शर्मिला से कहां जरा तुम्हारा मोबाइल दे दो बच्चे को फोन करना है। उनकी पत्नी ने बगैर देर किए एक ही झटके में शर्मा जी के सब अरमान खतम कर दिए। जैसा कि गाना आपने सुना है दिल के अरमां आंसुओं में बह गए। उनकी पत्नी ने कहा मोबाइल में बैलेंस कई दिनों से नहीं है आप से अनेक बार कहा बैलेंस डलवा दो पर आप ठहरे भुलक्कड़। अब शर्मा जी क्या करें? लाइट अब तक नहीं आई थी ।खैर थोड़ी देर में लाइट आ गई। शर्मा जी लपक कर मोबाइल चार्जिंग पर लगाने गए वैसे ही लाइट चली गई। शर्मा जी हार चुके थे। किंतु पुराने चावल शर्मा जी कहां चूकने वाले थे। उन्होंने अपने स्कूल की तरफ रुख किया ।स्कूल कुछ ही दूरी पर था। भृत्य को आवाज दिया भृत्य मौजूद हो गया ।शर्मा जी ने देखा वहां लाइट थी। उन्होंने मोबाइल लेने के लिए जेब में हाथ डाला वह मोबाइल लाना ही भूल गए थे। वरना वही चार्ज हो जाता। उन्होंने वृत्य से कहा तुम मेरे लड़के को मोबाइल से सूचना कर दो जो मैं तुम्हें बता रहा हूं। नृत्य ने कहा मेरे पास मोबाइल था, किंतु मेरा लड़का आज ले गया ।फिर भी भृत्य इधर उधर से व्यवस्था कर मोबाइल ले आया। शर्मा जी से उनके लड़के अश्विन का फोन नंबर मांगा । शर्मा जी टोटली भुलक्कड़ थे। उनको स्वयं का नंबर याद नहीं तो लड़के का कैसे याद रखें? फिर घर से लड़के का नंबर लाना वह मोबाइल लाना भी भूल चुके थे। अब करें तो क्या करें? घर गए ,नंबर लेकर आए , पर दुर्भाग्य से जल्दी जल्दी में गलत अंक लिख लाए। उनके लड़के की जगह खुद का नंबर लिख लाए। फोन कैसे लगता शर्मा जी घर आ गए। घर पर लाइट आ गई थी ।इस दौड़ धूप में काफी समय व्यतीत हो गया था। सूचना देने का समय निकल चुका था, शर्मा जी हताश थे, अपने आप से नाराज थे कि मोबाइल चार्ज करके पहले से क्यों नहीं रखा, जरूरी जागरूकता क्यों नहीं रखी पत्नी के मोबाइल में बैलेंस क्यों नहीं डलवाया? ष्अब पछताए होत का जब चिड़िया चुग गई खेत। ष्

किंतु यहां चिड़िया ने खेत नहीं चुका उसी समय उनके लड़के का फोन आया। तब तक शर्मा जी मोबाइल को चार्ज कर चुके थे । लड़के ने कहादृ पापा आपको अनेक बार फोन लगाया आपने फोन नहीं उठाया ।शर्मा जी बोलेदृबेटा फोन कैसे उठाता फोन चार्ज नहीं था। लड़के ने कहा मैं कार्यक्रम स्थल पर ही हूं क्योंकि मौसा जी ने मुझे एक-दो दिन पहले ही सारे कार्यक्रम व्यवस्था मुझे और मेरे दोस्तों को सौंप दी थी। अब शर्मा जी बहुत प्रसन्न थे उन्होंने भगवान का धन्यवाद किया।

-जगदीश जोशी, घाटाबिल्लौद

छोटी सी आशा मन की

छोटी-सी आशा मेरे मन की सांवरे।
नित खोई रहूं मैं तुममें ही नटखट बावरे।।

सुन सके जैसे राधा रानी के मन का शोर।
अंतर्मन पढ़ो मेरा आस लिए देखूं तुम्हारी ओर ।।

अधरन मुस्कान सजा राधा बहाती न कभी नीर।
अनुभूत करो तुम ही सांवरे मेरे मन की पीर।।

जीवन की सांझ हो या चाहे सांवरे भोर।
करूं सुमिरन तेरा सांवरे बिसरू सब ठौर।।

सुख में संग सब सांवरे दिखलाते अपनापन बावरे।
दुरूख में अपना कांधा देना हरदम मुझको सांवरे।।

मैं हूँ नारी

हां! मैं हूँ नारी मुझे जग सारा पूजता
सृजन की रखती हूं अद्भुत क्षमता

असंभव को संभव करने की सामर्थ्यता
सच कहूं तो तुमसे ही पाती मैं संपूर्णता

निशिदिन बहाते स्वेद तुम ही परिश्रमी
श्रम बोते तुम तभी घर आती है लक्ष्मी

मिलन से तुम्हारे मेरा मातृत्व खिलता
हाँ! नर से ही तो नारी की संपूर्णता

नर बिन नारी का सदा अस्तित्व है अधूरा
नर से ही नारी पाती एक सुरक्षित घेरा

हाँ ! तुम हो नर और मैं हू नारी
एक दूजे से ही संपूर्णता है हमारी।

निरूपमा त्रिवेदी, इंदौर

प्रेरणा के लघु दीप सेवक की सुझ-बुझ का प्रभाव

एक राजा के पास तीन मूर्तियाँ थी , एक दिन एक सेवक से सफाई करते समय एक मूर्ति अचानक टूट गई। राजा ने क्रोध में आकर सेवक को मृत्यु दण्ड की सजा सुना दी। सजा सुनते ही सेवक ने बाकी दो मूर्तियाँ भी तोड़ दी। राजा ने सेवक से इसका कारण पूछा तो सेवक बोला 'महाराज मूर्तियाँ तो मिट्टी की बनी थी, उन्हें किसी न किसी दिन टूटना ही था। इन्हें मैं नहीं तोड़ता तो जिससे भी वे मूर्तियाँ टूटती, वह भी मृत्यु दण्ड पाता। मुझे तो मृत्युदंड मिल ही चुका है। मैंने सोचा क्यो न दूसरों का जीवन बचा लूँ, यह सोचकर मैंने बाकी दोनो मूर्तियां भी तोड़ डाली। सेवक की बात सुनकर राजा की आंखें खुल गई, उसने सेवक की सजा माफ कर दी एवं उसे उच्च पद भी प्रदान किया। **- जयश्री राकेश जोशी** कदवाली ,इंदौर

बसंती अई गयो

पेड़ना की पत्तीना पीली–पीली पड़ी री।
धरती पे टपकी–टपकी के पड़ी री।
फिकर मत करो इना पतझड़ की।
बसंत्यो बहार लई के अई गयो।
नवी–नवी कोपलना फटने मंडी गई।
चारी मेर हरियाली छई गई।
सरसु की क्यारी केसर रंग हुई गई।
अम्बाना पे बौर लाटालूम लटकी गया।
मस्त हवा में सागला पेड़ पौधाना झूमी रिया।
बेती हवा में फूलना की सुगंध घुली।
रंग–बिरंगी तितलीना कलिना पे झूलो झूली।
कुहुकी के कोयल मीठी तान सुनई री।
भंवरा की गुन–गुन की धुन गूंजी री।
हर क्यारी केसर रंग से घुली री।
गेंदा, गुलाब, गुलर फूल से लक–दक भरई गया।
बसंती बयार सब आड़ी बई री।
धरती ने पीली चुनार ओडी ली।
पलाश आखो पीला रंग से न्हाई लियो।
जाणे धरती ने सिंदूरी सिंदूर मांग में भरी लियो।
बाग फूलीने बसंत को उछाव मनई रियो।
बसंत्यो अई गयो पीली पगड़ी पेरी के।

श्रीमती पुष्पा पुराणिक
सुखलिया इंदौर

सामूहिक विवाह एवं यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न

इन्दौर। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज सामाजिक संस्था मालवा-निमाड़ क्षेत्र (सामाजिक पंचायत) के तत्वावधान में समाजजन एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से 27 जनवरी 2023 को औदीच्य ब्राह्मण समाज परिसर, रेवती रेंज, सांवेर रोड़, इन्दौर पर 15 जोड़ों का सामूहिक विवाह एवं 9 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार आचार्य श्री कैलाश चंद्र जोशी जी के आचार्यत्व व मार्गदर्शन और लगभग 4000 समाजजन की उपस्थिति में सानंद संपन्न हुआ।

इतने बड़े आयोजन को सफल बनाने के लिए श्री जयप्रकाश नाईक जी, अपने प्रमुख सहयोगी श्री दिलीप दुबे जी के साथ कई महीनों से लगातार मेहनत कर रहे थे। अंततः एक भव्य आयोजन के रूप में उनके परिश्रम का सुखद परिणाम हमारे सामने आया। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें उन पुण्यक्षणों का साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हुआ।

इन्दौर में अबतक आयोजित सभी सामूहिक विवाह समारोहों में सबसे बड़े इस सामूहिक विवाह आयोजन की सभी व्यवस्थाएं सुन्दर थीं। सुव्यवस्थित व सुचारू भोजन व्यवस्था, उच्चस्तरीय गुणवत्ता से युक्त सामग्री से निर्मित सुस्वादु पकवान, कार्यकर्ताओं का विनम्र एवं सहयोगात्मक व्यवहार आदि ने भोजनशाला में अतिथियों का दिल जीत लिया। विद्वान आचार्य पं. श्री कैलाशचंद्र जी जोशी के नेतृत्व में दक्ष पंडितों ने पूर्ण विधिविधान एवं शास्त्रोक्त तरीके से विवाह व यज्ञोपवीत संस्कार की प्रत्येक रस्म को सम्पन्न कराया। सुन्दर श्वेत अश्व जुती सुसज्जित बग्गियों पर वर वधू व बटुकों को बैठाकर शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों समाजजन ने भाग लिया। नवदम्पत्ति को गृहस्थी के लिए सभी आवश्यक सामग्री एवं अच्छी लाइफस्टाइल के लिए उपयोग में आने वाली सभी चीजें उपहार स्वरूप भेंट की गईं। नवविवाहितों को विवाह प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए।

इस विशाल भव्य आयोजन में लगभग तीस लाख रुपये से अधिक का व्यय अनुमानित है। इस व्यय का अधिकांश भाग श्री जयप्रकाश जी नाईक ने वहन किया, कुछ समाजजनों ने भी सामग्री तथा नगद राशि देकर सहयोग किया।

सामूहिक विवाह एवं यज्ञोपवीत संस्कार सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए श्री जयप्रकाश जी नाईक, उनके प्रमुख सहयोगी श्री दिलीप दुबे जी, अध्यक्ष श्रीमती शांता दुबे जी तथा अन्य सहयोगियों को साधुवाद व बधाई। विश्वास है वे ऐसे समाजोपयोगी आयोजन करते रहेंगे। शुभकामनाएं।

पुनश्य : पूर्ण व प्रामाणिक जानकारी के अभाव में नवदम्पत्तियों को भेंट स्वरूप दी गई सामग्री व दानदाताओं के नाम प्रकाशित नहीं किये हैं। पूर्ण जानकारी एवं श्री नाईक सा. की अनुमति मिलने पर आगामी अंक में प्रकाशित कर दिया जाएगा।

आकाश छूने की बात कोई कवि ही कर सकता है-श्री सत्तन

सम्मान समारोह एवम पुस्तक विमोचन कार्यक्रम संपन्न

कवि ब्रह्मा हो जाता है जब वह नई ऋचाएं रचता है ।

सृष्टि सृजन से प्रलय तलक मानव उसको पढता है।।

आकाश छूने की बात कोई कवि ही कर सकता है । साहित्य अथाह सागर है तो कवि करुणा का सागर होता है।

मालवांचल के सुप्रसिद्ध कवि पंडित श्रीधर जोशी की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित सम्मान एवम वरिष्ठ कवि धीरेंद्र जोशी के काव्य संग्रहष् छू लो तुम आकाशष् के विमोचन समारोह में प्रसिद्ध राष्ट्रकवि कवि सत्यनारायण सत्तन जी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उक्त विचार रखे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि नरेंद्र मंडलोई जी ने की। उन्होंने कहा, श्रीधर जी जोशी मानवीय संवेदनाओं के कवि थे। और उनके सुपुत्र धीरेंद्र जोशी भी उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

विशेष अतिथि के रूप में में उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवम् कला अकादमी म प्र के निदेशक जयंत भिसे जी ने कहा,

पाश्चात्य की एकल व्यक्ति प्रणाली की तुलना में हमारी परिवार प्रणाली बहुत मजबूत है। परिवार से मिलने वाले संस्कार हमें जीवन में हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

विशेष अतिथि के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा के से. नि. चीफ मैनेजर नरेंद्र उपाध्याय उपस्थित थे।

कार्यक्रम में शिक्षाविद एवम साहित्यकार डा .पद्मा सिंह को मालव मयूर सम्मान से सम्मानित किया गया। श्रीमती ललिता जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया विमोचित पुस्तक की समीक्षा साहित्यकार डा दीपा व्यास द्वारा की गई। अतिथि परिचय साहित्यकार मुकेश तिवारी ने दिया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि सुषमा दुबे ने किया। आभार प्रदर्शन शैलेंद्र जोशी ने किया।

कार्यक्रम में साहित्य जगत से आदरणीय हरेराम वाजपेई, प्रदीप नवीन, रामलाल प्रजापति ,देवेंद्र सिंह सिसोदिया ,अर्चना मंडलोई, माधुरी व्यास, वाणी जोशी, सपना साहू, डॉ अर्पण जैन, चकोर चतुर्वेदी,मुकेश इंदौरी, राधेश्याम गोयल, द्रोणाचार्य दुबे, कुमुम मंडलोई,राधिका मंडलोई,मनोहर दुबे समेत कई अन्य साहित्यकार और परिजन उपस्थित थे।

शुभकामनाओं सहित
रमेशचन्द्र व्यास (M.A., L.L.B.)
हाईकोर्ट एडवोकेट व संचालक श्री गौड़ सहकारी सभा (पेड़ी) इन्दौर
निवास : 33, जीवनदीप कॉलोनी, गली नंबर 6, इन्दौर
कार्यालय : 27/1 मोती तबेला, रजिस्ट्रार ऑफिस, इन्दौर
मोबाइल : 9425351509, 7974337554

निःशुल्क कानूनी सलाह के लिए संपर्क करें। ● अचल संपत्ति का वसीयतनामा अवश्य कराएं।

चंद्रशेखर आजाद के अवदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना बहुत जरूरी-कुलपति ए.के. पांडेय

डॉ. देवेन्द्र जोशी की 30 वीं पुस्तक आजाद के अनछुए पहलू का लोकार्पण संपन्न

उज्जैन। भारत की आज़ादी को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए देश के स्वाधीनता संघर्ष की महत्त्वपूर्ण विरासत को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना बहुत आवश्यक है । यह आजादी के अमृतोत्सव की सबसे बड़ी सार्थकता होगी कि हम चंद्रशेखर आजाद जैसे अमर शहीदों के योगदान को जन - जन तक पहुंचाएं। इस तरह के राष्ट्रीय चेतना से जुड़े आयोजन विश्वविद्यालय और अध्ययनशालाओं में होना चाहिए ताकि वहां पढ़ने वाली युवा पीढ़ी इन महान सपूतों के बलिदान से प्रेरणा ग्र कर राष्ट्रोत्थान में अपनी समिधाएं अर्पित कर सके। - उक्त उद्गार विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एके पांडेय ने सोमवार शाम चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर देवेंद्र जोशी की 30वीं पुस्तक आजाद के अनछुए पहलू का लोकार्पण करते हुए प्रमुख अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा स्थानीय कृष्णा पब्लिक स्कूल के सभागार में आयोजित समारोह के सारस्वत अतिथि डॉ शिव चोरसिया थे । अध्यक्षता डॉ हरिमोहन बुधौलिया ने की। प्रमुख वक्ता कुलानुशासक डॉ शैलेन्द्र कुमार शर्मा थे। पुस्तक की समीक्षा प्राध्यापक अनिता अग्रवाल ने प्रस्तुत की। इस अवसर विशेष अतिथि के रुप में डाक्टर उर्मि शर्मा, आचार्य शैलेन्द्र पाराशर, डॉ पिलकेंद्र अरोरा, संतोष सुपेकर और गिरीश चौबे गोवर्धन उपस्थित थे। सरस्वती वंदना सीमा जोशी ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत डॉ देवेन्द्र जोशी, अपूर्व जोशी, डॉ पुष्पा चोरसिया, अमित अग्रवाल, सीमा जोशी आदि ने किया। इस अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी ने प्रो रवि नगाइच, सुनीता राठौड़, सूरज उज्जैनी ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम को डॉ पिलकेंद्र अरोरा और आचार्य शैलेन्द्र पाराशर ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद को स्मररण करना उन मूल्यों को संजोना है जिनसे देश के आमजन में राष्ट्रीय चेतना का संचार होता है। यह सारी दुनिया में चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस का बिरला आयोजन है जिसमें उन्हें एक पुस्तक के माध्यम से याद किया जा रहा है। उनके स्मृति आयोजन की इससे बड़ी सार्थकता दूसरी नहीं हो सकती।

डॉ शिव चोरसिया ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि सन् साठ के दशक में राष्ट्रीय चेतना जगाने में जो मत्वपूर्ण कार्य महाकवि श्रीकृष्ण सरल ने किया था वहीं कार्य आज उसी धरती से डॉ देवेन्द्र जोशी अपनी लेखनी के माध्यम से कर रहे हैं। उनकी पुस्तक आजाद के अनछुए पहलू इस दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है जिसके माध्यम से आने वाली पीढ़ी को चंद्रशेखर आजाद के बलिदानी व्यक्तित्व के बारे में अनेक नई जानकारी मिल सकेगी।

अनिता अग्रवाल ने पुस्तक की चर्चा करते कहा कि ज्ञानमुद्रा प्रकाशन भोपाल से प्रकाशित यह पुस्तक ऐतिहासिक और राष्ट्रीय दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। यह पुस्तक लेखक की पूर्ववर्ती कृतियों की तरह ही बहुत उपयोगी पुस्तक साबित होगी इसका पूरा यकीन है। संचालन डॉ देवेन्द्र जोशी, संयोजन डॉ हरीश कुमार ने किया। आभार डॉ उर्मि शर्मा ने माना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शोधार्थी और गणमान्य जन उपस्थित थे।

मंगल परिणय

स्व. श्री विनायकरावजी-श्रीमती सुशीला त्रिवेदी
(निरंजनपुर) की सुपौत्री
पं. मधुसूदन-सौ. संगीता त्रिवेदी
की सुपुत्री

सौ. दीपाली

का शुभ विवाह
स्व. पं. श्री जगदीशचंद्रजी-श्रीमती भागवंती देवी जोशी
के सुपौत्र
पं. श्री सत्यनारायणजी-सौ. ममता जोशी
(पूर्व न. पा. अध्यक्ष, धार) के सुपुत्र

चि. जनार्दन

के साथ 8 दिसम्बर 2022 को ओमनी रेसीडेंसी,
इन्दौर में सम्पन्न हुआ।

नवदम्पत्ति को हार्दिक बधाई

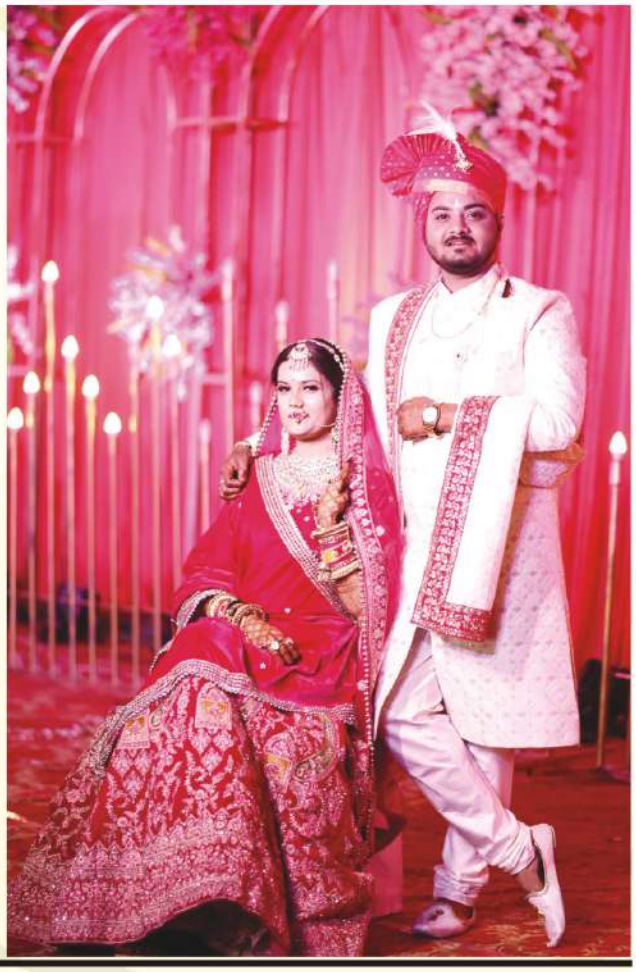

मंगल परिणय

स्व. श्री रमेशचंद्र -श्रीमती ललिता तिवारी
के सुपौत्र
श्री निर्लेश-सौ. रचना तिवारी
के सुपुत्र

चि. आयुष

का शुभ विवाह
स्व. श्री सुभाषचंद्रजी -स्व.श्रीमती मालती दुबे
की सुपौत्री
श्री संदीप-सौ. प्रगति दुबे
की सुपुत्री

सौ. श्रीया

के साथ 19.01.2023 को इंदौर में संपन्न हुआ।

नवदम्पत्ति को हार्दिक बधाई

पुण्य स्मरण

स्व. तन्मय जोशी (तन्नू)

जन्म-10 दिसंबर 1993 (ग्यारस)

स्वर्गवास-20 मार्च 2016 (ग्यारस)

सप्तम पुण्यतिथि पर

विनम्र श्रद्धांजलि

लक्ष्मीनारायण जोशी (दादाजी)
रमाकांत मंडलोई (नानाजी)
अरविंद जोशी, प्रवीण जोशी (बड़े पापा)
संतोष-प्रतिभा जोशी (पापा-मम्मी)

समस्त जोशी परिवार

स्मृति शेष

बड़े शौक से सुन रहा था जमाना
तुम खुद ही सो गए दास्तां कहते-कहते

सुप्रसिद्ध तीर्थ पुरोहित
एवं श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज
के पथ-प्रदर्शक

स्व. पं. महेशचंद्रजी शुक्ल

की पावन स्मृति को

विनम्र श्रद्धांजलि

अवसान : 25 फरवरी 2023

श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद परिवार एवं श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज इन्दौर

स्मृति शेष...

स्व. श्रीमती भागीरथी

पति स्व. श्री भागीरथ जोशी

(स्व. रामचंद्र, विनायक, विष्णु तिवारी की बहन)

अवसान - 18 नवम्बर 2022

आपकी स्मृति
हमारी प्रेरणा
एवं
आपके दिए
संस्कार
हमारा संबल है।

विनम्र श्रद्धांजलि

:•: श्रद्धावनत :•:

पुत्र-पुत्रवधु : विजय-सुषमा जोशी, अरुण-अनिता जोशी, किशोर-मीना जोशी, विनोद-अनिता जोशी

पौत्र-पौत्रवधु : अंकित-रोली जोशी, समीप-श्वेता जोशी, मनीष, समर्थ-शिवांगी जोशी, सार्थक, रोमा, शिवम्

पुत्री-दामाद : मंगला-स्व. चन्द्रशेखर कानूनगो, निर्मला-सुरेन्द्र दुबे

पौत्री-दामाद : सारिका-कपिल पंडित, कृतिका-रोहित पाठक

नाती-नातिन : प्रदीप-जयश्री कानूनगों, हेमन्त-संगीता त्रिवेदी, ममता-डॉ. प्रदीप रावत, वर्षा-आनंद ठाकुर

मेघा-पारस दुबे, ऋतु-योगेश शर्मा, तृप्ति, अंकिता, सौरभ दुबे, लव, नील कानूनगो

एवं समस्त जोशी (टोड़ी), तिवारी (छड़ोदा) परिवार

वर चाहिए

कु. शिल्पी जोशी

पिता-श्री सुधीर जोशी
माता-श्रीमती कल्पना जोशी
जन्म दिनांक-22 अप्रैल 1992
जन्म समय/स्थान-रात्रि 8.05 बजे/इन्दौर
कद-5'2''
शिक्षा-बी.ई.
व्यवसाय-साफ्यवेयर इंजीनियर, नीदरलैंड
गौत्र-कश्यप
पता-115, क्लर्क कालोनी, इन्दौर
संपर्क-9406610194
ननिहाल-श्री राजेन्द्र, श्री मनोज मंडलोई, इन्दौर

वधू चाहिए

आदित्य जोशी

पिता-श्री प्रवीण जोशी
माता-श्रीमती सुनीता जोशी
जन्म दिनांक-6 अगस्त 1994
जन्म समय/स्थान-रात्रि 9.45 बजे/इन्दौर
कद-5'8''
शिक्षा-बी.ई. (ई.सी.)
व्यवसाय-टेक्नि. मैनेजर (HILTI India) इंदौर
गौत्र-वत्स
पता-1038, खातीवाला टैंक, इन्दौर
संपर्क-9644056564, 9826361834
ननिहाल-जोशी परिवार (टोड़ी)

शुभकामनाएं.....बधाई

दुबे परिवार के लाड़ले

चि. तुषार दुबे

को नेशनल केमिकल लेबोरेटरी से पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित हार्दिक बधाई।

19 मई 1989 को इंदौर में जन्मे चि. तुषार ने पुणे यूनिवर्सिटी से माइक्रो बायोलॉजी में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। **Alzheimer's disease** विषय पर इनका शोध प्रबंध कई अंतरराष्ट्रीय जनरल्स में प्रकाशित हुआ है। इनकी उपलब्धियों को देखते हुए यू.एस. की संस्था एनजीएच ने विजिटिंग साइंटिस्ट की पोजीशन ऑफर की है। विज्ञान का विद्यार्थी होते हुए भी तुषार एक अच्छे साहित्यकार हैं। आपने कई मर्मस्पर्शी कविताएं लिखी हैं। आपकी 2 पुस्तकें 'स्पंदन' एवं 'महारथी' भी प्रकाशित हो चुकी हैं।

● आशीर्वाददाता एवं बधाईकर्ता ●

दादी : डॉ. विद्या दुबे
पापा-मम्मी : आशुतोष-मंजुला दुबे
मामा-मामी : प्रमोद-रूचिता पाठक

जावरा से अटलांटा तक निधि पण्डित की उड़ान

डॉ. निधि पण्डित-श्रीगौड़ समाज मालवा का गौरव

मध्यप्रदेश के जावरा में एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार में 03 अप्रैल 1989 को जन्मी निधि पण्डित का जीवन विद्याध्ययन के लिए समर्पण एवं संघर्ष का अनुपम उदाहरण है । मालवा क्षेत्र में रतलाम के पास जावरा के पण्डित परिवार की इस बिटिया का साधारण सरकारी स्कूलों में पढाई कर वैज्ञानिक शोध एवं अनुसन्धान के क्षेत्र में यूँ ऊँचाई छूना सम्पूर्ण श्रीगौड़ समाज एवं ब्राह्मण जगत् के लिए गौरव का विषय है ।

सुश्री निधि पण्डित की शैक्षणिक यात्रा हर उस ब्राह्मण बिटिया के लिए प्रेरणादायक है जो आरक्षण के चक्रव्यूह को अपनी प्रतिभा एवं समर्पण के शस्त्र से भ?दना चाहती है । निधि पण्डित की प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा जावरा के सरकारी स्कूलों में हुई । उच्च शिक्षित माता पिता की प्रेरणा तथा एजुकेशनल लोन का अवलंब लेकर उन्होंने महाकाल इंस्टीट्यूट ऑफ् टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस कॉलेज से इंजीनियरिंग में बेचलर डिग्री प्राप्त कर झारखण्ड के राँची स्थित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ् टेक्नोलॉजी, मिसरा से एम्.टेक्. की उपाधि स्वर्ण पदक के साथ प्राप्त की ।

अपनी प्रतिभा के बल पर भारत सरकार के तकनीकी मन्त्रालय (MEITY) की प्रतिष्ठित विश्वेश्वरैया फैलोशिप प्राप्त कर आय्.आय्.टी रूड़की से विद्या वाचस्पति (Ph.D.) की उपाधि ' इन्वेस्टीगेशन्स ऑन मल्टी-मोड रेज़ोनेटर्स फॉर कम्युनिकेशन एण्ड सेंसिंग एप्लिकेशन्स' विषय से प्राप्त की । अपने शोध कार्य के दौरान निधि पण्डित के अनेक शोधपत्र अमेरिका सहित अनेक देशों की अन्तरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित शोधपत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं ।

वैज्ञानिक शोध एवं प्रकाशन के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपस्थिति

अपनी पीएच्. डी के दौरान इनके 12 शोधपत्र SCI Journal में 20 कॉफ्रेंस शोध आलेख तथा 5 बुक चैप्टर प्रकाशित हुए हैं । माइक्रोवेव कम्युनिकेशन के क्षेत्र में निधि पण्डित का नाम आज अच्छे अनुसन्धाताओं में गिना जाता है । मध्यप्रदेश ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत में इस क्षेत्र में लड़कियों की संख्या लगभग नगण्य है।

जुलाई 2019 में भारत सरकार के ईध्ंिऊभ मन्त्रालय के चयनित शोध प्रतिभागी के रूप में ळर्एँ के अटलांटा शहर में IEEE की अन्तरराष्ट्रीय सिम्पोज़ियम में भारत देश का प्रतिनिधित्व किया ।

वर्ष 2017 में इसरो (SAC, ISRO) द्वारा अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित IEEE IMaRC के पीएच्.डी. इनिशिएटिव प्रोग्राम में सहभागिता कर प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

वर्ष 2019 में इन्हें माइक्रोवेव कम्युनिकेशन (Microwave Communication) के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कॉफ्रेंस International Conference in Antenna and Propagation में बेस्ट रिसर्च पोस्टर में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ था ।

पिछले वर्ष 2021 में निधि पण्डित को आय. आय. टी कानपुर द्वारा आयोजित International Microwave and R F Conference में महिला संवर्ग में सर्वोत्तम अनुसन्धान पत्र का द्वितीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है ।

जावरा जैसे छोटे शहर से निकल कर रिसर्च के क्षेत्र में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली पण्डित परिवार की यह बिटिया सम्पूर्ण प्रदेश एवं श्रीगौड़ समाज के लिए गौरव है ।

डॉ. शर्मा लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित हुए

होम्योपैथी के क्षेत्र में समर्पित जीवन एवं उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए मिला सम्मान

देवास। देवास नगर के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. सुरेश शर्मा को होम्योपैथी के क्षेत्र में समर्पित जीवन एवं उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. शर्मा को रीवा में मप्र विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने विशेष रूप से सम्मानित किया। इस सम्मान के लिए स्व. लालजी शर्मा की स्मृति में किरण सेवा संस्थान ने देशभर से सुयोग्य तथा सेवाभावी चिकित्सकों को चुना था। लगभग 21 राज्यों से उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएँ देने वाले 72 चिकित्सकों के क्रम में मध्य प्रदेश से डॉ. शर्मा का चयन किया गया था। अतिथियों ने डॉ शर्मा के समाज हित में किए जा रहे कार्यों और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मप्र विधासभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, रीवा के सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक नागेन्द्र सिंह, आयुष विभाग के उप सचिव पंकज शर्मा, मप्र होम्योपैथी परिषद् की रजिस्ट्रार डॉ आयशा अली तथा कोलकाता के वैज्ञानिक एस. एन. बानिक एवं सी. एल. यादव भी उपस्थित थे। इसी अवसर पर आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में 520 रोगियों का परीक्षण, आए हुए विशिष्ट चिकित्सकों द्वारा किया गया तथा औषधि का वितरण किया गया। संचालन जी टीवी की एंकर प्रेरणा मिश्रा ने किया।

नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना और कुरीतियों को मिटाना है

देवास। श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज प्रगति महिला संगठन का हल्दी- कुमकुम कार्यक्रम जवाहर चौक स्थित विक्रमसभा भवन में इंदौर महिला संगठन पदाधिकारी वीणा जोशी, विमला जोशी, शैलजा पंडित, जयश्री व्यास, किरण जोशी व सीमा दुबे के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

स्थानीय महिला पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर इंदौर से आई पदाधिकारियों का स्वागत किया। स्वागत भाषण संगठन महिला अध्यक्ष सुनीता तिवारी ने दिया। कार्यक्रम में बालिकाओं ने भजनों पर नृत्य की प्रस्तुतियां दी। सैकड़ों महिलाओं को हल्दी- कुमकुम लगाकर उपहार भेंट किए गए। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में बदलाव लाने में हमारी अहम भूमिका है। हम सबको मिलकर नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना होगा और समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने में

आगे आना होगा।

इस अवसर पर सरोज तिवारी, कल्पना जोशी, आरती जोशी, रेणुका तिवारी, पुष्पा शर्मा, कृष्णा तिवारी, रेखा तिवारी, रीना जोशी, रूपाली जोशी, अर्चना शर्मा, एकता जोशी आदि उपस्थित थीं। संचालन विनिता जोशी ने किया।

-कु. प्रियांशी तिवारी, संगठन प्रवक्ता

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महामना जयंती

सारंगपुर। 25 दिसम्बर 2022 को श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज सारंगपुर के सभी सामाजिक बंधुओ द्वारा पण्डित महामना मदनमोहन मालवीय जी की जयंती हर्षोउल्लास से मनाई गई । महामना की पूजा अर्चना कर माल्यार्पण किया गया है तथा समाज के प्रमुख श्री प्रेमशंकर पाण्डेय जी महामना के जीवन परिचय देकर उनके जीवन के संपूर्ण योगदान तथा उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया एवं आगे समाज को संगठित कर आगे की कार्य योजनाओ के लिए नगर सारंगपुर की शाखा का भी गठन किया गया जिसमें सर्व सम्मति से नगर अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा शिक्षक अरन्यावाले, सचिव श्री सन्तोष पाण्डेय, एवं कोषाध्यक्ष श्री प्रमोद शर्मा का मनोनयन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अशोक शर्मा एवं राकेश पाण्डेय द्वारा किया गया एवं रमेश चन्द्र जोशी, कैलाशनारायण शर्मा, विष्णुप्रसाद तिवारी, अशोक पाण्डेय, दिनेश पाठक, मोहन जोशी संजय शर्मा, मनीष शर्मा, शिवप्रसाद जोशी, अरुण शर्मा, अजय शर्मा एवं समाज के कई बंधुओ की उपस्थिति में महामना की जयंती मनाई तथा आभार श्री अशोक पाण्डेय जी द्वारा व्यक्त किया गया।

समाज को संगठित कर आगे की गतिविधियो को संचालित करने के लिए इसी कडी में निर्णय लेकर दिनांक 31/12/2022 को शास्त्री स्मृति विद्या मन्दिर स्कूल में सारंगपुर के सभी समाज जनो को आमंत्रित किया गया जिसमे सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए तथा नगर एवं जिले के सामाजिक बंधु उपस्थित होकर जिला संगठन पर विचार किया गया सर्वप्रथम माता

सरस्वति, भगवान श्री परशुराम जी एवं महामना की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

महिला संगठन का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष श्रीमती रंजना पाण्डेय, सचिव श्रीमती संगीता जोशी एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती सुनीता पाण्डेय का चयन किया गया ।

समाज के श्री प्रेमशंकर पाण्डेय जी द्वारा सामाजिक संगठन को मजबूत करने के लिए सुझाव दिये एवं श्री रमेश जोशी जी ने सामाजिक एकता पर विचार रखा तथा श्री अशोक शर्मा ने सामाजिक संगठन में युवाओं की भागीदारी एवं आज के समय समाज में युवा पीढ़ी के परिचय के संबंध प्रकाश डाला कि हमें ऐसे कार्यक्रमो का आयोजन करना चाहिए जिससे नई पीढ़ी का भी परिचय हो एवं सामजिक बंधुओं का आपस में एक दुसरे की जानकारी रहे ताकि रिश्तो एवं अन्य व्यवस्थाओं में सुगमता हो जिसका कि अभाव होता जा रहा है।

श्री उमाशंकर पाण्डेय जी एवं श्री मनोहरलाल शर्मा एवं अन्य कई वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे । कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश पाण्डेय एडव्होकेट ने किया तथा आभार नगरअध्यक्ष श्री लक्ष्मीचंद शर्मा जी द्वारा व्यक्त किया गया ।

- अशोक शर्मा
बदलीपुरा कॉलोनी सारंगपुर

पेढ़ी में आधार नम्बर दर्ज होना अनिवार्य है

इन्दौर। श्रीगौड़ सहकारी सभा के अध्यक्ष की ओर से सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि शासन के आदेशानुसार सभी सदस्यों के आधार नम्बर संस्था के रिकॉर्ड एवं सदस्य सूची में होना आवश्यक है। अतः सभी सदस्यों से निवेदन है कि वे अपने आधार कार्ड की कॉपी पेढ़ी कार्यालय में प्रस्तुत करें या **9522329003** पर व्हाट्सअप द्वारा भेज दें।

अथर्व त्रिवेदी 'इन्दौरी रत्न' से सम्मानित

इन्दौर। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के गौरव श्री विश्वास - श्रीमती विजया त्रिवेदी के सुपुत्र श्री अथर्व त्रिवेदी को 'संस्था इंदौरीयंस' द्वारा आयोजित एक भव्य एवं गरिमामयी समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल ने 'इन्दौर रत्न' सम्मान से अलंकृत किया।

ज्ञातत्व है कि 'इंदौरी रत्न' सम्मान कला, शिक्षा, खेल, संस्कृति, समाजसेवा, नृत्य, चिकित्सा, पत्रकारिता सहित अलग-अलग क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय काम करने वाली विभूतियों को दिया जाता है। सन 2016 में स्थापित यह सम्मान शहर का सर्वोच्च सम्मान हैं। इस वर्ष इस सम्मान के लिए 350 से अधिक नॉमिनेशन थे, जिनमें से स्क्रूटनिंग के बाद 11 हस्तियों को सम्मान के लिए चुना गया। श्री अथर्व त्रिवेदी भी इन 11 हस्तियों में से एक हैं। अथर्व को यह सम्मान एनसीसी गतिविधियों में अंतरराष्ट्रीय ख्याति एवं उपलब्धि प्राप्त करने के लिए दिया गया है। अथर्व म.प्र. के मुख्यमंत्री और राज्यपाल महोदय द्वारा भी सम्मानित हो चुके हैं। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज इन्दौर को अथर्व पर गर्व है। श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद परिवार की ओर से होनहार अथर्व को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित हार्दिक बधाई।

मांगलिक कार्य हेतु पंडितों के नाम

1. पं. **कैलाशचंद्र जोशी, चंद्रावतीगंज,** मो.-9425945722
2. पं. **जितेन्द्र दुबे (बबलू),** मो.-9425436077
3. पं. **पंकज मंडलोई, सांवेर,** मो.-9893119214
4. पं. **देवेन्द्र दुबे, सुदामानगर,** मो.-9977965570
5. पं. **वैभव दुबे, बावलियाखुर्द,** मो.-9926439748
6. पं. **ओमप्रकाश दुबे, धार,** मो.-9179098779
7. पं. **अनिल दुबे, हातोद,** मो.-9424566764
8. पं. **नवीन महेश व्यास (मोनू), उज्जैन,** मो.-9977156098
9. पं. **नितेश तिवारी, देवास,** मो.-9981579939
10. पं. **गौरव दुबे,** 70 मूसाखेड़ी (इंदौर), मो.-8085606074
11. पं. **गोपाल दुबे, हातोद,** मो.-9993972171
12. पं. **मधुसूदन पाठक,** मो.-9907020090
13. पं. **राकेश जोशी, हरनावदा,** मो.-9826449054
14. पं. **सुरेश व्यास, सिंगापुर टाउनशिप, इन्दौर,** मो.-9302460194, 7000013687
15. पं. **ओमप्रकाश व्यास, भोपाल,** मो.-9827048626
16. पं. **दिनेशचंद्र चतुर्वेदी, इंदौर,** मो.-9826895197
17. पं. **प्रमोद व्यास, घाटाबिल्लौद,** मो.-9926504452,
18. पं. **मोहित व्यास, सांवेर,** मो.-9755064069
19. पं. **सुभाष मांडलिक, दसई,** मो.-9617592715
20. पं. **रूपेश शुक्ल, इंदौर,** मो.-9131787825, 8817071510
21. पं. **गोपाल दुबे, अटाहेड़ा जि. इन्दौर,** मो.-7000992508
22. पं. **गोपाल दुबे कम्पेल जि. इन्दौर,** मो.-9893050050
23. पं. **हलधर विष्णुप्रसाद जोशी, इंदौर,** मो.-9755489060

श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज का मालवी मेला सम्पन्न

इन्दौर। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला मालवी मेला इस वर्ष भी रविवार 6 नवम्बर 2022 को माधव विद्यापीठ, अहिल्या नगर पर आयोजित किया गया।

मालवी मेला समिति की प्रमुख अर्चना मण्डलोई जी व श्री ललित मण्डलोई जी के सद्प्रयासों से आयोजित इस मेले में मालवांचल के अनेक स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल के साथ जीवनोपयोगी वस्तुओं के स्टॉल भी रहते हैं। इस वर्ष मेले में 30 स्टॉल सुस्वादु व्यंजन तथा 30 व्यावसायिक स्टॉल रखे गए थे।

मालवी मेले का प्रमुख उद्देश्य मालवा की लोक कलाओं, लोक संस्कृति, लोक परम्परा एवं लोकबोली का संरक्षण और संवर्द्धन करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मेले में मांडना, माता मांडना, संजा, रांगोली, मेंहदी आदि लोक कलाओं के साथ चोपड़, पांसा, सार आदि मालवी लोक खेलों की प्रतियोगिता भी आयोजित की गईं। मालवी मुहावरों पर आधारित खेल व मालवी तम्बोला का आयोजन भी हुआ। प्रतियोगिता के विजेताओं तथा श्रेष्ठ स्टालों को पुरस्कृत किया गया। स्टॉल लगाने वाले सभी भाई बहनों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। मालवी मेले में लोगों ने भारी संख्या में भाग लेकर सुस्वादु व्यंजनों का लुफ्त उठाते हुए, परस्पर मेल मिलाप भी किया।

ठेठ आदिवासी परिवेश से सजा दाल पानीए का स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। दाल पानीए का स्टॉल लगाने वाले श्री धीरेन्द्र मण्डलोई जी, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती जयश्री मण्डलोई जी व अन्य सहयोगियों की लुभावनी आदिवासी वेशभूषा ने मेले में पधारे लोगों का मन मोह लिया। सुश्री हेमलता शर्मा जी के स्टॉल पर आने वाले महानुभाव स्वादिष्ट मावे की गुझियों का आनंद लेने के साथ मालवी की एक पुस्तक मुफ्त में ले जा रहे थे। रामगढ़ से गब्बर की गोलियों की गूँज पुरानी बात हो गई, अब तो वहाँ से मालवी मेले में संध्या-संजय व्यास जी मीठे-रसीले गुलाबजामुन लेकर आते हैं। अंजली नाईक जी के निमाड़ की सुप्रसिद्ध अम्माड़ी की भाजी व मक्का की रोटी के स्टॉल पर भारी भीड़ रही। अरुण नाईक जी ने कलयुग का अमृत चाय पिलाकर अगला प्रधानमंत्री बनने के स्वप्न संजोए। अरे वईं तो देखो, ऊ आरती अजय जी को मीठा/चरका ताया को स्टॉल भी हे, अने अईं यो मेघना शर्मा जी की पूरणपोली/कड़ी को। कईं, तमारे उपवास हे ? चिंता की कोई बात नी, आर्ची दुबे जी को फलाहारी खिचड़ी अने सीताफल रबड़ी को स्टॉल भी हे, वां चली जाओ। मालवी मेला से कोई बिना खाए पिए नी जायेगो। मेजवान अर्चना मण्डलोई जी ने पांवणाना सारू सिरवानी की पूड़ी सब्जी को इंतजाम करियो तो श्री मनीष-डॉ. दीपा व्यास जी ने सबके पानी पिलायो। कुल मिलई के घणो मजो आयो।

कईं ! तम नी अई सकिया था ? कोई बात नी अगले साल अई जाजो मालवी मेला में, फिर लगेगो इससे भी बड़ो अने शानदार। तो फिर मिलांगा अगला मालवी मेला में। राम राम।

श्री श्रीगौड ब्राह्मण समाज का गौरव-सुश्री महिमा जोशी

देवास। सुश्री महिमा जोशी (कुक्कू) ने एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्म लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर, देवास से शुरू कर देश की राजधानी नई दिल्ली तक का सफर कर, एक उच्च मुकाम प्राप्त कर, देवास शहर का नाम रोशन करते हुए श्री श्रीगौड़ समाज का गौरव बढ़ाया। सुश्री महिमा जोशी का जन्म ग्राम निपानिया हुर हुर, जिला देवास के श्री मनोज व श्रीमती कल्पना जोशी के परिवार में 23 नवम्बर 1997 को हुआ। निपानिया का यह परिवार समाजसेवा में देवास जिले में अग्रणी रहा है।

आपने देवास से शिक्षा प्राप्त करते हुए जर्नलिज़्म तथा मास कम्युनिकेशन में दिल्ली विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन करके इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मॉस कम्युनिकेशन, नई दिल्ली से जर्नलिज़्म में पोस्ट ग्रेजुएट किया। दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करते हुए Hasratein - The Theatre Society of Ramlal Anand College, Delhi University की सक्रिय सदस्य रहीं। National School of Drama (NSD), साहित्य कला परिषद, Mood Indigo (IIT Bombay) Spring Fest (IIT Khadagpur) साथ ही अन्य बहुत से कार्यक्रम में भाग लेकर कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया।

Webdunia से 2 माह की तथा The Dossier से 3 माह की News Writer में इंटर्नशिप करने के बाद Times Network mes Content Writer का 3 माह का इंटर्नशिप किया। The Wonk, Delhi से जुड़कर Conent Head के साथ वेब कंटेंट डेवलपर तथा मीडिया रिसर्च का कार्य किया। India Ahead, Noida की फुल टाइम की मल्टी मीडिया प्रोडयूसर रहीं। वर्तमान में जुलाई 2022 से Republic World, Noida में डिजिटल न्यूज़ राइटर का कार्य कर रहीं हैं।

आप ऑनलाइन मीडिया, वेब कंटेन्ट डेवलपर, रिपोर्ट राइटिंग, न्यूज़ राइटिंग, थिएटर कलाकार, लीडरशिप, टीम वर्क एवं पब्लिक स्पीकिंग में महारत हासिल कर Republic Bharat से जुड़कर देवास शहर का नाम रोशन कर देवास का गौरव बढ़ाया।

-गोपाल कृष्ण जोशी, देवास

शुक्ल परिवार का अभिनंदनीय कार्य

वेदमूर्ति स्व. पं. महेशचंद्र जी शुक्ल की प्रेरणा से उनकी स्मृति में श्रीमती शान्ति देवी शुक्ल (धर्मपत्नी स्वर्गीय महेशचंद्रजी शुक्ल) की ओर से निम्नलिखित प्रत्येक श्रीगौड़ सामाजिक संगठनों को ग्यारह-ग्यारह हजार रुपये की नकद धनराशि भेंट की गईः-

1. श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज पंचायत इंदौर
2. श्रीगौड़ नवचेतना संवाद इंदौर
3. श्रीगौड़ विद्या मंदिर न्यास इंदौर
4. श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज रतलाम
5. श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज देवास
6. श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज शाजापुर
7. श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज शुजालपुर
8. श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज भोपाल
9. श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज टोंक
10. श्रीगौड़ ब्राह्मण सामाजिक पारमार्थिक ट्रस्ट उज्जैन
11. श्रीगौड़ परिषद मण्डल उज्जैन
12. श्रीगौड़ विचार मंच उज्जैन
13. श्रीगौड़ सहकारी पेढ़ी उज्जैन
14. श्रीगौड़ गणेश पेढ़ी उज्जैन

श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद परिवार की ओर से शुक्ल परिवार की सामाजिक भावना का अभिनंदन।

श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज इन्दौर के कार्यालय का शुभारंभ

इन्दौर। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज की प्रतिनिधि संस्था श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज इन्दौर के कार्यालय का शुभारंभ 3159-ई, सुदामा नगर (गोपुर चौराहे के पास, पं. श्री देवेंद्र दुबे का मकान) पर प्रारंभ किया गया है। समाजजन से निवेदन है कि इस कार्यालय पर सायं 5 से 7 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के सामुहिक हल्दी कुमकुम में महिलाओं ने दिया 'मैं नही हम' का संदेश

कन्या पूजन के साथ हुई आयोजन की शुरुआत

सैकड़ों महिलाएं और बच्चे हुए शामिल, कई खेल भी खेले

श्रीगौड़ ब्राह्मण युवा परिषद का आयोजन

इंदौर। रंग बिरंगी साड़ी और हाथो में हल्दी कुमकुम की सजी हुई थाली,चेयर रेस और नींबू रेस के साथ मालवी गीतों की बारिश, दिल में सिर्फ मैं नही हम के साथ सामाजिक एकता का संकल्प। आयोजन की शुरुआत कन्याओं के चरण पूजन से की गई।

यह नजारा था श्रीगौड़ विद्या मंदिर में श्रीगौड़ ब्राह्मण युवा परिषद द्वारा आयोजित सामूहिक हल्दी कुमकुम का। जिसमे सैकडो महिलाओं ने सामूहिक रूप से एक दूसरे को हल्दी कुमकुम करते हुए सामाजिक एकता का संकल्प लिया।

आयोजन संयोजक श्रीमती रंजना पाठक और आयोजन प्रभारी श्रीमती अमृता जोशी ने बताया की श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज की मजबूती और महिलाओं को एकजुट करने के उद्देश्य को लेकर सामुहिक हल्दी कुमकुम का आयोजन किया गया जिसमे सैकडो महिलाओं की उपस्थिति ने आयोजन को यादगार और रोमांचित कर दिया।

युवा परिषद महिला प्रकोष्ठ की भारती जमीदार, मधु त्रिवेदी और प्रेमा पंडित ने बताया की इस अवसर पर संगीतमय चेयर रेस, नींबू रेस के साथ मालवी गीतों की भी प्रस्तुतियां महिलाओं और बच्चों द्वारा दी गई।

आयोजन में श्रीमती उषा व्यास, श्रीमती शीतल व्यास, श्रीमती,शिखा जोशी, श्रीमती हीरामणि व्यास, श्रीमती प्रतिभा जोशी महू, श्रीमती रेणु शुक्ला ,श्रीमती शांता दुबे, श्रीमती वसुंधरा पंडित, श्रीमती उषा दुबे, श्रीमती प्रतिभा कानूनगो, श्रीमती रेणु ठाकुर, श्रीमती अर्चना पाठक, श्रीमती रचना पाठक, श्रीमती विभा दुबे, श्रीमती मुक्ति उपाध्याय, श्रीमती टीना उपाध्याय, श्रीमती नम्रता दुबे सहित सैकड़ों महिलाए मौजूद रही।

संचालन श्रीमती मोनिका नाईक ने किया। आभार श्रीमती वर्षा उपाध्याय ने माना।

आविष्कार के लिए धैर्य और तपस्या चाहिए

ब्यावरा। स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस शासकीय महाविद्यालय, ब्यावरा में चल रही विशेषज्ञ व्याख्यान माला के द्वितीय सोपान में यंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त डॉ. निधि पुराणिक ने रोगों की पहचान एवं उपचार पर आधुनिक पद्धति पीपीटी का उपयोग कर विस्तृत व्याख्यान दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने बताया कि रोग की पहचान विभिन्न तरीकों जैसे स्केन, आरटी पीसीआर, ब्लड एवं यूरिन कल्चर द्वारा आधुनिक तरीके से की जाकर रोगों के निदान में सहायता मिलती है। व्याख्यान के दूसरे भाग में बिंदुवार देखभाल एवं निदान के उद्देश्य के लिये कागज आधारित सरल पहचान प्रणाली को प्रयोगशाला में किस प्रकार विकसित किया जाता है, इसके बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक एवं शोधकर्ता किस प्रकार से कोई आविष्कार करते हैं व इसके लिये कितने धैर्य एवं तपस्या की आवश्यकता होती है। ज्ञातव्य है कि डॉ. निधि ने डीआरडीओ से पीएचडी किया है तथा बैक्टीरिया को अर्ली स्टेज पर पता लगाने के लिए एक आईसीटी किट का निर्माण किया है। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज इन्दौर और नवचेतना संवाद की ओर से डॉ. निधि पुराणिक को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित हार्दिक बधाई।

350 युवाओं ने दिया परिचय, कुछ रिश्तों पर बनी सहमति

खरगोन। महामना पंडित मदनमोहन मालवीय की जयंती पर 25 दिसम्बर 2022 को गौरीधाम खरगोन स्थित देवयानी विश्रांति गृह में प्रदेश स्तरीय परिचय सम्मेलन हुआ। इसमें 350 युक्क व युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया। कुछ रिश्तों पर बात भी बनी है। इस अवसर पर एक स्मारिका 'श्रीगौड़ संकल्प' का विमोचन हुआ। इस स्मारिका में विवाह योग्य युवक युवतियों के परिचय के साथ निमाड़ क्षेत्र में निवासरत समाजजन की जानकारी भी है। इस आयोजन में खेल, शिक्षा, संगीत आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजजनों का सम्मान भी हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि बुरहानपुर के पंडित लोकेश शुक्ला जी ने कहा कि मार्गदर्शक दो तरह के होते हैं, एक मार्ग दिखाने वाले और दूसरे सही मार्ग पर साथ लेकर चलने वाले। समाजसेवी न केवल मार्ग दिखाने वाला हो, बल्कि उस मार्ग पर साथ लेकर चलने वाला भी होना चाहिए। मुख्य अतिथि ने विशाल आयोजन की सराहना कर खरगोन इकाई की प्रशंसा की। समारोह के अध्यक्ष विधायक श्री रवि जोशी ने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है क्योंकि खरगोन में पूरे प्रदेश से समाजजन पधारे हैं। समाज का विकास हो, सब एकजुट रहें, यही ऐसे आयोजनों का उद्देश्य होता है।

समारोह के विशेष अतिथि डॉ. शरद पंडित, सामाजिक पंचायत प्रमुख श्री जे.पी. नाईक, महिला मंडल प्रांताध्यक्ष श्रीमती मंजूलता मंडलोई, प्रांतीय सचिव श्रीमती स्वधा पंडित, केंद्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री शरद सराफ, परशुराम साख सहकारिता अध्यक्ष श्री के.टी. मंडलोई ने भी संबोधित किया।

समारोह में निमाड़ तथा मालवा क्षेत्र से अनेक समाजजन पधारे थे। समारोह की भोजन सहित सभी व्यवस्थाएं उत्तम थीं।

श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद की ओर से आयोजकों के बधाई।

औंकारेश्वर न्यास का पुर्नगठन

श्री श्रीगौड़ मालवीय ब्राहमण समाज न्यास औंकारेश्वर का पुर्नगठन किया गया। है। उक्त न्यास सन् 1992 में पंजीकृत हुआ था किन्तु न्यास के अधिकांश न्यासीगण का निधन होने के कारण अधिक कार्य न हो सका। न्यास के कार्य को आगे बढ़ाने एवं धर्मशाला के निर्माण हेतु सन् 2022 में न्यास का पुनर्गठन किया गया और श्री नरेन्द्र जोशी अध्यक्ष, पं. सुरेश त्रिवेदी व श्री जयप्रकाश नाईक उपाध्यक्ष, श्री संजय पाठक सचिव, श्री अश्विन त्रिवेदी सहसचिव, श्री अशोक कानूनगो कोषाध्यक्ष तथा सर्वश्री सतीश दुबे, पं. वेदप्रकाश शुक्ल, ओमप्रकाश त्रिवेदी, राजेन्द्र व्यास, जितेंद्र जोशी सदस्य मनोनीत किये गए।

पुर्नगठित न्यास द्वारा धर्मशाला निर्माण हेतु धर्मशाला स्थान की साफ सफाई एवं नक्क्षा स्वीकृत करवाने कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। न्यास का बैक खाता भी सूचारु रुप से प्रारंभ हो चुका है। न्यास द्वारा अतिशीघ्र समाज कल्याणार्थ धर्मशाला निर्माण हेतु भूमिपूजन करने का प्रयास किया जा रहा है।

सूचना

श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद आपको समय पर मिले इसके लिए सुनिश्चित करें कि प्रकाशन योग्य सामग्री निम्नानुसार प्राप्त हो जाए।

बसंत अंक (10 जनवरी)
ग्रीष्म अंक (10 अप्रैल)
पावस अंक (10 जुलाई)
शरद अंक (10 अक्टूबर)

डॉ. पूर्णिमा मण्डलोई सम्मानित

'ज्ञान प्रेम एजुकेशन एंड सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी इन्दौर' द्वारा प्रतिवर्ष श्री ज्ञानेन्द्र प्रसाद तिवारी जी पूर्व अपर संचालक की स्मृति में शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिवर्ष विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती है। इस वर्ष विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता एवं शिक्षकों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। सेवारत शिक्षकों के लिए ष्आजादी के 75 वर्षो का सुनहरा सफरष् विषय पर आयोजित संभाग स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में डॉ. पूर्णिमा मण्डलोई को प्रतिभागिता करने का अवसर मिला। प्रतियोगिता में अपने विचारों को भाषण के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए मात्र 5 मिनिट का समय रखा गया था। प्रतिभागियों के लिए आजादी के 75 वर्षों को केवल 5 मिनिट में समेटना एक कठिन कार्य था।

प्रतियोगिता में डॉ. प2र्णिमा मण्डलोई को प्रथम स्थान प्रंप्त हुआ। उॅ. पूर्णिमा ने आजादी के बाद 1947 से लेकर 2022 तक 75 वर्षों में भारत की उपलब्धियों को क्रमबद्ध तरीके से बखूबी प्रस्तुत किया। उन्होने अपने भाषण में यातायात के साधनों, अंतरिक्ष, शिक्षा, स्वास्थ, खेल, मनोरंजन, तकनीकी उपयोग, सैनिकों के योगदान, अर्थव्यवस्था जैसे कईं बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इन्दौर के सांसद माननीय श्री शंकर लालवानी जी, विशेष अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी इन्दौर श्री मंगलेश व्यास जी एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर के पूर्व कुलपति श्री नरेन्द्र धाकड़ जी द्वारा प्रमाण पत्र व रु 6100ध्- का नकद पुरुस्कार प्रदान किया गया। डॉ. पूर्णिमा मण्डलोई को उज्ज्वल भविष्य की षुभकामनाओं सहित हार्दिक बधाई।

श्री गौड़ शुक्ल
पं. (डॉ.) वेद 'वत्स' महेशचंद्र मांगीलाल शुक्ल
अवंतिका क्षेत्र के तीर्थ पुरोहित
नागवली, नारायणवली, कालसर्प दोष, पितृदोष निवारण, क्रियाकर्म, मंगल श्राद्ध, यज्ञ, वास्तु, वैवाहिक, देव प्रतिष्ठा जप, अनुष्ठान आदि कार्य हमारे द्वारा संपन्न कराए जाते हैं।
निवास : 170, अब्दालपुरा, उज्जैन (म.प्र.)-456006
फोन : 0734-2574507 मोबाइल : 9826040301, 9826017279, 9826068157

महामना जी की भव्य प्रतिमा स्थापित होगी

इन्दौर। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज इन्दौर के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महामना प्रतिमा स्थल पर 25 दिसम्बर 2022 को श्रीगौड़ ब्राह्मण गौरव भारतरत्न महामना पं. मदनमोहन मालवीय जी की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई।

नगर के प्रथम नागरिक एवं महापौर श्री पुष्यमित्र जी भार्गव के मुख्यातिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक श्री जीतू पटवारी, एमआईसी सदस्य श्री बबलू शर्मा, श्री राकेश जैन, क्षेत्र के पार्षद श्री प्रशांत बड़वे विशेष अथिति थे। इस अवसर पर गांधीवादी विचारक व समाजसेवी श्री अनिल त्रिवेदी, बड़ा रावला के कुँवर वरदराज जी जमींदार, क्षेत्र के पूर्व पार्षद, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीगण, सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, मातृशक्ति एवं युवा उपस्थित थे।

सर्वप्रथम महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष श्री मनोहर दुबे के साथ महामना जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, तत्पश्चात उपस्थित सभी अथितियों एवं गणमान्य नागरिकों ने माल्यार्पण किया।

श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी समिति सहित समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने महापौर तथा सभी अथितियों का पुष्पहार से स्वागत किया।

श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज इन्दौर के अध्यक्ष मनोहर दुबे ने महामना के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा करते हुए आज महामना के विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष ने महामना जी की प्रतिमा तथा रोटरी के जीर्णोद्धार की बात रखते हुए कहा कि नगर निगम प्रतिमा स्थल का जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण कर दे तो श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज महामना जी की नई प्रतिमा बनवाकर प्रतिष्ठित करने के लिए तत्पर है।

महापौर जी ने अपने उद्बोधन में घोषणा की कि नगर निगम शीघ्र ही महामना जी की भव्य आदमकद प्रतिमा (जैसी बीएचयू के द्वार पर है) इस स्थल पर स्थापित करेगा, यहाँ महामना उपवन का भी विकास किया जाएगा। महापौर जी ने समाज को आश्वस्त किया कि स्थल के सौंदर्यीकरण के साथ महामना जी की प्रतिमा भी नगर निगम ही बनवायेगा। महापौर जी की इस घोषणा का भारी संख्या में उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। विधायक श्री जीतू पटवारी ने अपने उद्बोधन में महापौर जी की प्रशंसा करते हुए, उनके क्षेत्र में किये जा रहे सभी विकास कार्यों में सकारात्मक सहयोग देने का वादा किया।

एमआईसी सदस्यगण श्री बबलू शर्मा व श्री राकेश जैन, क्षेत्र के पार्षद श्री प्रशांत बड़वे, श्री वरदराज जमींदार, श्री नरेन्द्र जोशी, श्री मनोहर मण्डलोई, श्री वी.डी. जोशी, श्री ब्रजेश जोशी, श्रीमती शांता दुबे सहित कुछ अन्य समाजजन ने भी संबोधित किया। प्रसन्नता की बात है कि क्षेत्र के सक्रिय पार्षद श्री प्रशांत बड़वे प्रतिमा स्थल की मर्यादा और सम्मान का ध्यान रखते हुए सफाई आदि नियमित करवाते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्था के पदाधिकारीगण श्रीमती रंजना पाठक, श्री मुकेश शर्मा, श्री मनोज दुबे, श्री सुभाष जोशी, श्री राजेश पाठक, श्री अरुण मण्डलोई, श्रीमती जयश्री व्यास, श्री नरेन्द्र मण्डलोई, श्री मनीष जोशी, श्रीमती रेणु ठाकुर, समाजसेवी श्री वीरेन्द्र कानूनगो (महालक्ष्मी टेंट), क्षेत्र के पार्षद श्री प्रशांत बड़वे, श्रीगौड़ युवा संगठन के सदस्यगण, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीगण का सराहनीय सहयोग रहा।

कार्यक्रम का संचालन श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के सचिव श्री मनोज दुबे ने किया, आभार माना श्रीमती जयश्री व्यास ने।

स्व. एस. सी. व्यास स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

इन्दौर। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण युवा संगठन के तत्वाधान में सुप्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक स्व. श्री एस सी व्यास के परिजनों ने क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया। श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के युवाओं की 12 क्रिकेट टीमों के बीच ट्रॉफी के लिए मुकाबला हुआ। टीम रेडियो कॉलोनी विजेता रही। टीम रेडियो कॉलोनी की ओर से पिता (श्री गगन व्यास) व उनके पुत्र (मा. आराध्य व्यास) दोनो खेले और दोनो का प्रदर्शन उत्तम रहा। आयोजक श्रीमती उषा व्यास व श्री समीर व्यास ने बताया कि स्व. श्री एस.सी. व्यास की स्मृति में आयोजित होने वाली दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का यह पाँचवा वर्ष है।

विधायक श्री जीतू पटवारी, एमआईसी मेंबर श्री बबलू शर्मा, युवा कांग्रेस नेता श्री पिन्टू जोशी, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारीगण सहित भारी संख्या में लोगों ने रोमांचक मैचों के आनंद लिया। प्रतियोगिता के दौरान दोनो दिन व्यास परिवार की ओर से खिलाड़ियों तथा दर्शकों के लिए सुस्वादु भोजन व चाय की व्यवस्था की गई थी। प्रतियोगिता के आयोजन में सर्वश्री मयंक (बबलू) व्यास, अंकित (राम) मण्डलोई, अमित त्रिवेदी, अभिषेक मण्डलोई, तपन दुबे सहित अनेक युवाओं का सहयोग रहा। श्री समीर व्यास ने सभी सहयोगियों, खिलाड़ियों व दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा खेलने का अवसर देने के लिए व्यास परिवार का अभिनंदन।

दान की राशि पर आयकर में छूट

श्रीगोड़ ब्राह्मण महासभा पारमार्थिक सेवा न्यास के अध्यक्ष श्री महेश त्रिवेदी ने बताया कि श्रीगोड़ ब्राह्मण महासभा पारमार्थिक सेवा न्यास इन्दौर 80उ में रजिस्टर्ड किया गया है। अब 80उ में रजिस्टर्ड होने के बाद जो भी दानदाता श्रीगौड ब्राह्मण महासभा पारमार्थिक सेवा न्यास (ट्रस्ट) इन्दौर को दान स्वरूप राशि प्रदान करेंगे, उस पर इन्कम टैक्स विभाग द्वारा आयकर पर छूट दी जावेगी। ज्ञातत्व है कि ट्रस्ट समाज के आर्थिक रूप से पिछडे हुये परिवारो की आर्थिक मदद वे साथ ही विद्यार्थियों की शिक्षा हेतु आर्थिक मदद करता है।

जोशी परिवार द्वारा धर्मशाला हेतु दान

सोनकच्छ। श्री गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा धर्मशाला निर्माण हेतु भूखंड क्रय कर नामांतरण, भूमि परिवर्तन एवं सीमा बंदी, कर ली गई है, निर्माण कार्य के लिए समाज जनों से धन संग्रह का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है, इसी तारतम्य में कृष्ण बल्लभ जोशी, राधेश्याम जोशी, नरेंद्र कुमार जोशी, तरुण कुमार जोशी की माताजी स्वर्गीय गीताबाई जोशी पति स्वर्गीय बाबूलाल जी जोशी सोनकच्छ द्वारा 51000 धर्मशाला निर्माण में दान देने का निर्णय लिया था। यह राशि माताजी के अस्वस्थता के कारण समाज को नहीं दी जा सकी थी, इस राशि का चेक पुत्रों द्वारा उनकी पगड़ी रस्म में समाज अध्यक्ष श्री गोरी शंकर जी शर्मा को दिया गया ध इसके साथ ही श्री गौड़ ब्राह्मण समाज शाजापुर के अध्यक्ष श्री गोपाल जी शर्मा को भी धर्मशाला निर्माण हेतु ? 2100 नगद भेंट किए गए।

स्व. श्री आनंदराव जी दुबे जी पुण्य स्मरण

इन्दौर। श्रीगौड़ सहकारी सभा के संचालक व वरिष्ठ समाजसेवी श्री अशोक दुबे जी और उनके भतीजे श्री अतुल दुबे ने अपने पिता और दादाजी मालवमयूर स्व. श्री आनन्दराव जी दुबे (धुलेट) की स्मृति में, उनकी पुण्यतिथि पर श्रीगौड़ विद्या मंदिर ट्रस्ट को 30 कुर्सियां दान की। इस अवसर पर स्व. श्री आनंदरावजी दुबे की सुपुत्री लोकगीत गायिका श्रीमती कुसुम मंडलोई, श्रीगौड़ विद्या मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री मनोज जोशी, कोषाध्यक्ष श्री देवेंद्र व्यास, ट्रस्टी श्री रितेश मण्डलोई, प्रबंधक श्री अजय दुबे, श्रीगौड़ सहकारी सभा के संचालक श्री कमल मण्डलोई, श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज इंदौर के अध्यक्ष श्री मनोहर दुबे, वरिष्ठ साहित्यकार व समाजसेवी श्री ओमप्रकाश व्यास, युवा सामाजिक कार्यकर्ता श्री मनीष मोदी आदि उपस्थित थे। श्री श्रीगौड़ विद्या मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री मनोज जोशी ने दुबे परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज और नवचेतना संवाद की ओर से दुबे परिवार की सामाजिक भावना का अभिनंदन।

डॉ. आदित्य पाठक को सुयष

डॉ आदित्य पाठक पिता डॉ कैलाश पाठक निवासी नलखेड़ा जिला आगर मालवा मध्य प्रदेश ने NEET PG रैंक 240 में MS (Orthopaedic) गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में प्रवेश मिलने पर समस्त श्री गौड़ ब्राह्मण समाज ने हर्ष प्रदान किया व बधाई दी।

॥ श्री श्रीगौड़ शुक्ल ॥

श्री अवन्तिका तीर्थ पुरोहित — पं. श्रीधरजी शुक्ल द्वारा दीक्षित

वेदमूर्ति पं. जानकीलालजी शुक्ल के पौत्र

पं. कृष्णेश वासुदेव शुक्ल
09203846377

पं. विवेक वासुदेव शुक्ल
09827381430

हमारे यहां वैदिक विधि से किए जाने वाले अनुष्ठान

विवाह, दशाकर्म, एकादशाकर्म, कालसर्पदोष, मंगलभातपूजा, पितृदोष, रूद्राभिषेक, वास्तु पूजन, नवग्रह शांति, हवन, नवग्रह जाप, महामृत्युंजय जाप, पंचदिवसीय नागबली-नारायणबली आदि सभी धार्मिक कार्य वैदिक विधि से संपन्न कराए जाते हैं।

निवास : 44, अब्दालपुरा, श्रीगौड़ धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
(नि.) 0734-2575719 www.vedikpujan.com

तीर्थ पुरोहित आचार्य महेश शुक्ल नहीं रहे

उज्जैन। श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज के मार्गदर्शक, निष्काम कर्मयोगी आचार्य महेशचंद्र जी शुक्ल का 25 फरवरी 2023 को उज्जैन में देहावसान हो गया।

श्री श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज का बिरला ही कोई व्यक्ति होगा जो श्री महेशचंद्र जी शुक्ल के नाम से अपरिचित हो। शुक्ल जी की ख्याति केवल मालवा तक ही नहीं थी बल्कि लगभग सारे देश के श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज में वे पहचाने जाते थे। शुक्ल जी का सरल, आत्मीयता भरा और मिलनसार स्वभाव सबका मन मोह लेता था। उनसे पहली बार मिलने वाला भी ऐसा महसूस करता जैसे गुरुजी से उसका वर्षों से संबंध है। कर्मकाण्ड के अलावा स्व. गुरुजी की पहचान एक सपर्पित समाजसेवी व समाज हित में दान देने को सदैव तत्पर रहने वाले व्यक्ति के रूप में भी रही है। समाज को जहाँ आवश्यकता हुई, वहाँ आपने समाज की अपेक्षा से अधिक आर्थिक सहायता की है। समाज का कोई भी व्यक्ति, कहीं से भी आया हो, गुरुजी हमेशा उसके साथ एक परिवार के व्यक्ति के रूप में ही पेश आते थे। उनसे एक बार मिल लेने वाला, उनके मधुर व्यवहार का कायल हो जाता था। अपने पिताश्री सुविख्यात श्रीगौड़ आचार्य स्व. श्री मांगीलाल जी शुक्ल से प्राप्त संस्कारों को आपने अगली पीढ़ी में हस्तांतरित किया है। आपके पुत्रगण डॉ. वेदवत्स, पं. श्यामवत्स व पं. रूपेशवत्स शुक्ल आपके पदचिन्हों पर चलते हुए आपकी कीर्ति को अक्षुण रखने का दायित्व भलीभांति निभा रहे हैं। आचार्य श्री महेशचन्द्र जी शुक्ल का जाना उज्जैन, मालवा, श्रीगौड़ सहित समस्त ब्राह्मण समाज की ऐसी क्षति है, जिसकी पूर्ति असंभव है। श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद परिवार की ओर से आचार्य श्री महेशचन्द्र जी शुक्ल को भावभीनी श्रद्धांजलि।

नहीं रहे चिन्ताहरण गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी

इंदौर। श्रीगौड़ विद्या मंदिर स्थित सुप्रसिद्ध चिन्ताहरण खड़े गणेश जी के प्राचीन मंदिर के प्रमुख पुजारी जी श्री वीरेन्द्र पुराणिक जी का दिनांक 29 दिसम्बर 2022 को इंदौर में श्रीजीशरण हो गया। श्रीगौड़ ब्राह्मण समाज की सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने स्व. पुजारी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद की और से स्व. पंडित श्री वीरेन्द्र पुराणिक जी को विनम्र श्रद्धांजलि।

मालवी की महादेवी चली गईं

इंदौर। मालवी की महादेवी के नाम जाने जानी वाली हिंदी और मालवी की सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्रीमती ललिताबेन रावल का दिनांक 20 मार्च 2023 को इंदौर में देहावसान हो गया। ललिताबेन का जाना नवचेतना संवाद तथा मालवी साहित्य जगत के लिए बड़ी क्षति है। ललिताबेन पत्रिका के प्रकाशन के आरंभ से ही इससे जुड़ी हुईं थीं। वे नवचेतना संवाद के सम्पादकीय मण्डल एवं प्रबंध समिति की सदस्य भी थीं। श्री श्रीगौड़ नवचेतना संवाद परिवार की और से ललिता बेन को विनम्र श्रद्धांजलि।

श्री कमलेश रावल का देहावसान

इंदौर। स्व. रमेशचंद्र जी रावल के सुपुत्र , प्रकाश चंद्र रावल, अरविंद रावल, प्रवीण रावल एवं प्रफुल्ल रावल के भाई, नीलेश, कांग्रेस के युवानेता मितेश, अभिषेक एवं तपन रावल के काकाजी अभय रावल एवं आभा जोशी के पिताजी समाजसेवी श्री कमलेश रावल (सरदारपुर वाले) का दिनांक 26/11/2022 को आकस्मिक निधन हो गया। नवचेतना संवाद की और से विनम्र श्रद्धांजलि।

श्री प्रमोद दुबे को मातृशोक

इंदौर। वरिष्ठ समाजसेवी एवं मौसम वैज्ञानिक श्री प्रमोद दुबे जी की माताजी तथा प्रसिद्ध कवि स्व. श्री डी एन दुबे जी की धर्मपत्नी श्रीमती मधुमालती दुबे का 20 मार्च 2023 को इंदौर में निधन हो गया। नवचेतना संवाद की और से विनम्र श्रद्धांजलि।

नाम : डॉ निधि पंडित
पिता : श्री प्रदीप पंडित
माता : श्रीमती पद्मजा पंडित
जन्म : 03-04-1989
समय : उज्जैन
कद : 5 फीट 4 इंच
शिक्षा : बीई, एमई, पीएचडी (आईआईटी, रुडकी)
व्यवसाय : प्रिंसिपल इंजीनियर ग्लोबल फॉउन्ड्रीज बेंगलोर
गोत्र : भारद्वाज
पता : 99, बजाजखाना जावरा
संपर्क : 7974490131, 9479424141
ननिहाल : स्व. श्री कमलाकान्त पंड्या उज्जैन

नाम : कु. रुचि दुबे
पिता : श्री मनोज कुमार दुबे
माता : श्रीमती सीमा दुबे
जन्म : 05-12-1994
समय : शाम 7:05 बजे, राजगढ़
कद : 5 फुट
शिक्षा : एम.एससी. (बायोटेक्नो.) पीजीडीसीए
व्यवसाय : शिक्षक (प्राइवेट)
गोत्र : भारद्वाज
पता : 112, वी.आई.पी, परस्पर नगर, इंदौर
संपर्क : 9425660033, 9424481473
ननिहाल : स्व. श्री धीरेन्द्र जी पाण्डेय, अरुण पाण्डेय जी राजगढ़

नाम : कु. आकृति त्रिवेदी
पिता : श्री अनिल त्रिवेदी
माता : श्रीमती मीना त्रिवेदी
जन्म : 31-05-1995
समय : सुबह 08.30 इन्दौर
कद : 5 फीट 2 इंच
शिक्षा : बीकाम., पीजीडीसीए
व्यवसाय :
गोत्र : मुद्गल
पता : 88-ई, प्रजापत नगर इन्दौर
संपर्क : 6266930421
ननिहाल : श्री राजेश शर्मा, खण्डवा

नाम : कु. शिल्पी जोशी
पिता : श्री सुधीर जोशी
माता : श्रीमती कल्पना जोशी
जन्म : 22-04-1992
समय : रात्रि 8:05 इंदौर
कद : 5 फीट 2 इंच
शिक्षा : बी.ई.
व्यवसाय : सॉफ्ट. इंजी., कॉग्निजेंट एम्स्टर्डम
गोत्र : कश्यप
पता : 115 क्लर्क कॉलोनी, इंदौर
संपर्क : 9406610194
ननिहाल : श्री राजेंद्र, श्री मनोज मंडलोई इंदौर

नाम : कु. श्वेता त्रिवेदी (तलाकशुदा)
पिता : श्री सुभाष त्रिवेदी
माता : स्व. श्रीमती देवांगना त्रिवेदी
जन्म : 16.10.1988
समय : सायं 07.30 रतलाम
कद : 5 फीट
शिक्षा : एमकाम, पीजीडीसीए
व्यवसाय : ऑनलाइन शॉपिंग
गोत्र : गर्ग
पता : ए-87, एलआयजी, वेदनगर, उज्जैन
संपर्क : 9479893023
ननिहाल : हरसोदन परिवार

नाम : कु. राधिका पुराणिक
पिता : श्री सुनील पुराणिक
माता : श्रीमती मनीषा पुराणिक
जन्म : 03.10.1995
समय : दोपहर 01.06 इन्दौर
कद : 5 फीट 7 इंच
शिक्षा : बी.कॉम.
व्यवसाय :
गोत्र : भारद्वाज
पता : 235, सिंगापुर टाउनशिप इन्दौर
संपर्क : 9993885247, 8959157212
ननिहाल : श्री माखनलाल जोशी, कुमारिया राव

नाम : कु. कृतिका मंडलोई
पिता : श्री सुधीर मंडलोई
माता : श्रीमती रंजना मंडलोई
जन्म : 23-06-1989
समय : रात्रि 11.10 इंदौर
कद : 5 फीट 5 इंच
शिक्षा : बीएससी कंप्यूटर
व्यवसाय : प्राइवेट जॉब
गोत्र : भारद्वाज
पता : 1942 - एक द्वारिकापुरी, इंदौर
संपर्क : 9926889144, 8871999890
ननिहाल : श्री नरेंद्र मंडलोई, दिग्ठान (धार)

नाम : कु. निधि व्यास
पिता : श्री राकेश व्यास
माता : श्रीमती अलका व्यास
जन्म : 07-07-1999
समय : सुबह 8:00 बजे इंदौर
कद : 5 फीट 9 इंच
शिक्षा : बीकॉम, एमबीए
व्यवसाय :
गोत्र : वशिष्ठ
पता : 18 सीसी द्वारिकापुरी, इंदौर।
संपर्क : 9425349187, 7898156367
ननिहाल : दुबे परिवार, अंबिकापुरी इंदौर

नाम : कु. नितीशा जोशी
पिता : श्री अनिल जोशी
माता : श्रीमती सुलेखा जोशी
जन्म : 25-10-1991
समय : रात्रि 10.20 इंदौर
कद : 5 फीट 2 इंच
शिक्षा : एम.कॉम टैक्स सीएस (कार्यकारी)
व्यवसाय : प्राइवेट जॉब
गोत्र : वत्स
पता : 104 सूर्या अपार्टमेंट, 1-बी, अन्नपूर्णानगर इंदौर
संपर्क : 9926100808, 9826200808
ननिहाल : श्री संजय जोशी महेश नगर इंदौर

नाम : कु. अर्पिता शर्मा
पिता : श्री हरगोविन्द शर्मा
माता : श्रीमती कमला शर्मा
जन्म : 22-03-1991
समय : सुबह 9:30 शेरपुर (रतलाम)
कद : 5 फीट 3 इंच
शिक्षा : बी.ई.(ई.सी.)
व्यवसाय : नौकरी (बाय-ज्युस)
गोत्र : गर्ग
पता : 61, मोहन नगर रतलाम
संपर्क : 9893977399, 9174955125
ननिहाल : श्री दिनेश जोशी पदमा खोरिया (महिदपुर)

नाम : कु. दीपा शुक्ला
पिता : श्री संजय शुक्ला
माता : श्रीमती सुनीता शुक्ला
जन्म : 08-02-1993
समय : दोपहर 02:45 उज्जैन
कद : 5 फीट 1 इंच
शिक्षा : बी.ई. (इ एंड सी)
व्यवसाय : सिस्टम इंजीनियर डसॉल्ट सिस्टम्स, बैंगलोर
गोत्र : वत्स
पता : 168, अंकपात मार्ग, उज्जैन
संपर्क : 7354397820, 6232752871
ननिहाल : स्वर्गीय श्री जानकीलाल शर्मा

नाम : कु. सौम्या शुक्ला
पिता : श्री रवि शुक्ला
माता : श्रीमती संगीता शुक्ला
जन्म : 20-10-1991
समय : दोपहर 12:15
कद : 5 फीट 3 इंच
शिक्षा : एमए (इतिहास), डीसीए
व्यवसाय : सहायक लेखा परीक्षक (नगर निगम इंदौर)
गोत्र : वत्स
पता : शुक्ला चश्माघर प्राइवेट बस स्टैंड सिवनी म.प्र
संपर्क : 9425843530
ननिहाल : सिवनी म.प्र.

नाम : कु. दिव्या पाठक
पिता : स्व. श्री सुरेश पाठक
माता : श्रीमती सपना पाठक
जन्म : 18-08-2000
समय : रात्रि 10:17 पुणे
कद : 5 फीट 3 इंच
शिक्षा : जीएनएम (नर्सिंग)
व्यवसाय : संस्कार अस्पताल देवास
गोत्र : गौतम
पता : मीठा तालाब के पास साईं शहर, देवास
संपर्क : 9009359074, 8602360783
ननिहाल : श्री अरुण कुमार ओझा, देवास

नाम : कु. प्राची मंडलोई
पिता : श्री अरुण मंडलोई
माता : श्रीमती अर्चना मंडलोई
जन्म : 30-01-1994
समय : सुबह 06:00 बजे बड़वानी
कद : 5 फीट 3 इंच
शिक्षा : एमबीए
व्यवसाय : सीनियर एसोसिएट योगिक टेक्नोलॉजीज नोएडा
गोत्र : शांडिल्य
पता : इंद्रा पार्क कॉलोनी खरगोन रोड सनावद
संपर्क : 9926497156
ननिहाल : त्रिवेदी परिवार, बड़वानी

नाम : कु. पूजा तिवारी
पिता : स्वर्गीय श्री दिलीप तिवारी
माता : श्रीमती किरण तिवारी
जन्म : 13-01-1992
समय : दोपहर 01:35 उज्जैन
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : एम.ए. (समाजशास्त्र, हिंदी), पीजीडीसीए, डी.एड.
व्यवसाय : शिक्षक (कॉन्वेंट स्कूल)
गोत्र : मुदगल
पता : शंकरपुर मैक्सी रोड, उज्जैन
संपर्क : 7354441067, 8461001094
ननिहाल : शर्मा परिवार (पंडित परिवार), धंधोरा, मंदसौर

नाम : कु. अदिति पाठक
पिता : श्री संजय पाठक
माता : श्रीमती रेखा पाठक
जन्म : 17.06.1997
समय : रात्रि 08.25 शाजापुर
कद : 5 फीट 2 इंच
शिक्षा : एम.एस.सी., डीसीए.
व्यवसाय : सी. ऑफिसर आईसीआईसीआई बैंक
गोत्र : वशिष्ठ
पता : 74, सिद्धार्थ नगर, शाजापुर
संपर्क : 9425940226, 9425348680
ननिहाल : श्री अनिल शुक्ला इन्दौर

नाम : कु. निधि दुबे
पिता : श्री ओमप्रकाश दुबे
माता : श्रीमती शोभा दुबे
जन्म : 22.01.1993
समय : सुबह 08.45 रेहटी
कद : 5 फीट 5 इंच
शिक्षा : एम.एससी., बी.एड.
व्यवसाय : प्रा. टीचर
गोत्र : कश्यप
पता : 49, विवेकानन्द नगर, आगर मालवा
संपर्क : 9993412978
ननिहाल : श्री महेशप्रसाद पाण्डे, सीहोर

नाम : कु. चयनिका त्रिवेदी
पिता : श्री अशोक त्रिवेदी
माता : श्रीमती सुमन त्रिवेदी
जन्म : 24.01.1996
समय : रात्रि 11.40 धार
कद : 5 फीट 3 इंच
शिक्षा : एम.सी.ए.,बी.एड.
व्यवसाय : टीचर (शा. गेस्ट फेकल्टी)
गोत्र : कश्यप
पता : पीथमपुर सेक्टर 3 सागोर
संपर्क : 9753882988, 9644921105
ननिहाल : श्री मनोहरलाल तिवारी बिल्लोदा धार

नाम : डॉ. प्रियंका शर्मा
पिता : प्रो. (डॉ.) के.एल. शर्मा
माता : श्रीमती सुनीता शर्मा
जन्म : 26 वर्ष
समय : कोटा
कद : 5 फ़ीट 5 इंच
शिक्षा : बीपीटी, एमपीटी, डी.फार्मा.
व्यवसाय : सेल्फ क्लीनिक
गोत्र : ---
पता : 591, आर्मी बजरिया, कम्पू ग्वालियर
संपर्क : 9893734364
ननिहाल : -- --

नाम : कु. राशि माण्डलिक
पिता : श्री शशिकांत माण्डलिक
माता : श्रीमती वन्दना माण्डलिक
जन्म : 27.08.1995
समय : सुबह 6.35 इन्दौर
कद : 5 फ़ीट
शिक्षा : बीडीएस
व्यवसाय : डेंटिस्ट
गोत्र : वत्स
पता : ए-45/3, विजय नगर, इन्दौर
संपर्क : 9425073419, 9584465601
ननिहाल : स्व. श्री देवदत्त जी जोशी

नाम : कु. अंकिता शर्मा
पिता : श्री कृष्णकांत शर्मा
माता : श्रीमती सुनीता शर्मा
जन्म : 18.10.1996
समय : सुबह 2.10 देवास
कद : 5 फ़ीट 5 इंच
शिक्षा : बीकॉम
व्यवसाय : फैशन डिज़ाइनर
गोत्र : भारद्वाज
पता : 229/2 आदर्श कॉलोनी, शाजापुर
संपर्क : 9926839587, 6265985279
ननिहाल : श्री योगेश व्यास (पटलावदा वाले) देवास

नाम : कु. गरिमा व्यास
पिता : श्री श्रीराम व्यास
माता : श्रीमती सुधा व्यास
जन्म : 09.09.1992
समय : सुबह 03.00
कद : 5 फ़ीट 4 इंच
शिक्षा : बीएससी, एमबीए
व्यवसाय : डूइंग प्रेजेंटेशन्स फ़ॉर पीसीएस
गोत्र : भारद्वाज
पता : 23 प्रगति नगर सोनकच्छ
संपर्क : 9179532717, 8770449332
ननिहाल : श्री बालकृष्ण जोशी उज्जैन

नाम : कु. विनिता जोशी
पिता : श्री प्रमोद जोशी
माता : श्रीमती रश्मि जोशी
जन्म : 14.8.1990
समय : दोप. 2.21, इन्दौर
कद : 5'5''
शिक्षा : बीई (सीएस)
व्यवसाय : साफ्ट. इंजी. टीसीएस, पुणे
गोत्र : वत्स
पता : महालक्ष्मी नगर, इन्दौर
संपर्क : 9826205966
ननिहाल : दुबे परिवार, इन्दौर

नाम : कु. अदिति पाठक
पिता : श्री संजय पाठक
माता : श्रीमती रेखा पाठक
जन्म : 17.06.1997
समय : रात्रि 8.25 शाजापुर
कद : 5 फ़ीट 2 इंच
शिक्षा : एमएससी, डीसीए
व्यवसाय : -----
गोत्र : वशिष्ठ
पता : 74, सिद्धार्थ नगर शाजापुर
संपर्क : 9425940226, 9425348680
ननिहाल : श्री अनिल शुक्ला, इन्दौर

नाम : कु. पूर्ति नाईक
पिता : श्री शिवकुमार नाईक
माता : श्रीमती शर्मिला नाईक
जन्म : 11.10.1992
समय : 3.55, इन्दौर
कद : 5'4''
शिक्षा : एमबीए
व्यवसाय : प्राय. जॉब
गोत्र : कश्यप
पता : 287-बी, अमृत पैलेस, इन्दौर
संपर्क : 7415141331, 7697000491
ननिहाल :

नाम : कु. अर्पिता पुरोहित
पिता : श्री महेश पुरोहित
माता : श्रीमती साधना पुरोहित
जन्म : 23.04.1993
समय : सायं 6.05, बड़वानी
कद : 5'2'
शिक्षा : एमएससी (आईटी)
व्यवसाय :
गोत्र : गौतम
पता : श्रीनगर कालोनी, कसरावद
संपर्क : 9669007032, 9926681693
ननिहाल : श्री सुरेशचंद्र मंडलोई, खरगोन

नाम : कु. भव्या त्रिवेदी (आं. मंगल)
पिता : स्व. श्री प्रदीप त्रिवेदी
माता : श्रीमती स्नेहलता त्रिवेदी
जन्म : 31.8.1990
समय : सायं 6.25 बजे, भोपाल
कद : 5 फुट 2 इंच
शिक्षा : बीकॉम, एमबीए
व्यवसाय :
गोत्र : भारद्वाज
पता : ए-109, सर्वधर्म कॉलोनी कोलार रोड, भोपाल
संपर्क : 9893198946, 6161385276
ननिहाल : श्री धीरेन्द्र पाण्डे, राजगढ़ (ब्यावरा)

नाम : कु. प्राची जोशी
पिता : श्री दज्ञात्रेय जोशी
माता : डॉ. मंजुला जोशी
जन्म : 04.09.1987
समय : सायं 6.16, बड़वानी
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : बीई
व्यवसाय : एज़ सेंचर कंपनी, पुणे
गोत्र : वत्स
पता : 28, साईनाथ कॉलोनी, बड़वानी
संपर्क : 9425450288, 9425981708
ननिहाल : जोशी परिवार, सेंधवा

नाम : कु. भावना त्रिवेदी
पिता : श्री दीपक त्रिवेदी
माता : श्रीमती मंजू त्रिवेदी
जन्म : 08.10.1991
समय : 4.00 शाम, इन्दौर
कद : 5'4''
शिक्षा : बी.एस.सी. (माइक्रो बायलॉजी)
व्यवसाय :
गोत्र : भारद्वाज
पता : 163-बी, वैशाली नगर, इन्दौर
संपर्क : 9826357077
ननिहाल : श्री सुनील दुबे

नाम : कु. हर्षिता जोशी (मांगलिक)
पिता : श्री हरीश जोशी
माता : श्रीमती सपना जोशी
जन्म : 01.05.1992
समय : शाम 4.53, महू
कद : 5 फीट 4 इंच
शिक्षा : बीकॉम, आईपीडज्ल्यू
व्यवसाय : श्री श्री रविशंकर स्कूल
गोत्र : कौशिक
पता : 117, रूपराम नगर, इंदौर
संपर्क : 9826378341, 9826728665
ननिहाल : श्री आरएस नाईक (खिरकियावाले), इन्दौर

नाम : कु. नन्दिता शर्मा
पिता : श्री दिनेश शर्मा
माता : श्रीमती अनिता शर्मा
जन्म : 10.12.1996
समय : सु. 7.55, मनावर
कद : 5'1''
शिक्षा : बीकॉम, सीएस
व्यवसाय :
गोत्र : कृष्णात्री
पता : 3086-ए, सुदामा नगर, इन्दौर
संपर्क : 7828543005
ननिहाल : श्री धर्मेन्द्र, श्री अरुण दुबे

नाम : कु. खुशबू व्यास
पिता : श्री ओमप्रकाश व्यास
माता : श्रीमती सारिका व्यास
जन्म : 23.4.1992
समय : सु.7.25, उज्जैन
कद : 5''
शिक्षा : बीई (सीएस)
व्यवसाय : सीनियर साफ्टवेयर इंजीनियर, इन्फोबीन्स (पुणे)
गोत्र : कश्यप
पता : 116, मारुति नगर सुकलिया, इन्दौर
संपर्क : 7610406626, 8889772823
ननिहाल : व्यास परिवार, दिग्ठान

नाम : कु. प्रियंका त्रिवेदी
पिता : श्री गोपाकृष्ण त्रिवेदी
माता : श्रीमती कुसुम त्रिवेदी
जन्म : 06-08-1992
समय : सुबह 10.30, आगर मालवा
कद : 5' 4''
शिक्षा : एमएससी, पीजीडीसीए
व्यवसाय : प्रायवेट जॉब
गोत्र : मुदगल
पता : कानड़ जिला आगर मालवा (म.प्र.)
संपर्क : 9754402999, 9098340520
ननिहाल : जोशी परिवार (बघेरा, उज्जैन)

नाम : कु. प्रज्ञा शर्मा
पिता : श्री राजेन्द्र शर्मा
माता : श्रीमती ज्योति शर्मा
जन्म : 15.12.1991
समय : रात्रि 10.20, बड़वानी
कद : 5'5''
शिक्षा : एमटेक
व्यवसाय : भार्गव
गोत्र : फिजी. डिजा. इंजी., नोएडा
पता : 388, रायल कृष्णा कॉलोनी राऊ, इन्दौर
संपर्क : 9424638962, 9893318806
ननिहाल : श्री दिलीप जोशी, खेतिया

नाम : कु. अर्पिता जोशी
पिता : श्री राजेन्द्र जोशी
माता : श्रीमती माया जोशी
जन्म : 22.9.1992
समय : सु. (रात्रि) 2.30, इन्दौर
कद : 5'4''
शिक्षा : बीई, (सीएस)
व्यवसाय : टी.सी.एस. पुणे
गोत्र : भारद्वाज
पता : 136, गिरधरनगर, इन्दौर
संपर्क : 9424044899, 0731-2496060
ननिहाल :

नाम : कु. रुचि मंडलोई
पिता : श्री अनिल मंडलोई
माता : श्रीमती शशि मंडलोई
जन्म : 25-03-1987
समय : सु. 07.10, इन्दौर
कद : 5 फीट 3 इंच
शिक्षा : बीएससी, एमसीए
व्यवसाय : साफ्टवेयर डेवलपर
गोत्र : गर्ग
पता : सदर बाजार, मानपुर
संपर्क : 9407428877, 9424009427
ननिहाल : श्री जगदीश तिवारी (फरसपुर)

नाम : कु. श्रुति रावल
पिता : स्व. श्री पुरुषोत्तम रावल
माता : श्रीमती चंद्रकांता रावल
जन्म : 23-02-1999
समय : सुबह 1.40 बजे सेन्धवा
कद : 5 फ़ीट 2 इंच
शिक्षा : बी एच एम एस
व्यवसाय : प्राइवेट प्रेक्टिस
गोत्र : भारद्वाज
पता : जलराम मंदिर के सामने सेन्धवा
संपर्क : 9754321057, 9406666026
ननिहाल : श्री रमेश चंद्र भारद्वाज चारुआ

नाम : अभिषेक रावल
पिता : श्री दिलीप रावल
माता : श्रीमती इंदु रावल
जन्म : 03.07.1994
समय : मन्दसौर
कद : 5 फ़ीट 7 इंच
शिक्षा : बी.ई., बी.एड.
व्यवसाय : लेक्चरर (फिजिक्स)
गोत्र : भारद्वाज
पता : 15, वल्लभ विहार कॉलोनी, महेश्वर
संपर्क : 9407164792, 7049990635
ननिहाल : श्री सुभाषचंद्र त्रिवेदी, खेड़ी सिहोद

नाम : कु. दीक्षा व्यास
पिता : श्री मनोज व्यास
माता : श्रीमती उषा व्यास
जन्म : 19.03.1992
समय : सायं 07.09 उज्जैन
कद : 5 फीट 2 इंच
शिक्षा : बी.एससी.
व्यवसाय : मैनेजर, आईसीआईसीआई बैंक
गोत्र : वशिष्ठ
पता : 192-ए सुदामा नगर, इन्दौर
संपर्क : 9301935707
ननिहाल : श्री मदनलाल शर्मा, पिपलोन कला

नाम : शुभम जोशी
पिता : श्री बालकृष्ण जोशी
माता : श्रीमती कुसुम जोशी
जन्म : 24.7.1993
समय : राजगढ़
कद : 6''
शिक्षा : एमटेक
व्यवसाय : जूनि. इंजीनियर (बीएसएनएल)
गोत्र : भारद्वाज
पता : पीटी कम्पनी के पीछे, राजगढ़
संपर्क : 9926886066
ननिहाल : श्री विष्णुप्रसाद जोशी, बड़गांव

नाम : कु. आस्था चतुर्वेदी
पिता : श्री संतोष चतुर्वेदी
माता : श्रीमती इन्दु चतुर्वेदी
जन्म : 27.7.1997
समय : रात्रि 11.55, उज्जैन
कद : 4 फीट 5 इंच
शिक्षा : 10वीं
व्यवसाय :
गोत्र : वशिष्ठ
पता : 35, व्यासफला, जूनी इन्दौर, इन्दौर
संपर्क : 8435241374
ननिहाल : श्री रमेश त्रिवेदी, श्री संतोष त्रिवेदी

नाम : संकेत व्यास (मांगलिक)
पिता : श्री सुरेशचंद्र व्यास
माता : श्रीमती प्रेमलता व्यास
जन्म : 29.11.1988
समय : रात्रि 2.40 बजे, इंदौर
कद : 5 फीट 8 इंच
शिक्षा : एमबीए
व्यवसाय : आईसीआईसीआई बैंक
गोत्र : वशिष्ठ
पता : 63/2, तिलक नगर मेन, इंदौर
संपर्क : 9893893834
ननिहाल : पंडित परिवार, मूसाखेड़ी

नाम : कुणाल पण्डित
पिता : श्री प्रदीप पण्डित
माता : श्रीमती पद्मजा पण्डित
जन्म : 19.01.1992
स्थान : जावरा
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : बी ई
व्यवसाय : सॉफ्ट. इंजीनियर
गोत्र : भारद्वाज
पता : 99, बजाजखाना, जावरा
संपर्क : 79744 90131, 94794 24141
ननिहाल : स्व. श्री कमलाकान्तजी पण्ड्या उज्जैन

नाम : मयंक दुबे
पिता : श्री सुनिल दुबे
माता : स्व. श्रीमती जयश्री दुबे
जन्म : 16-08-1996
स्थान : इंदौर
कद : 5 फ़ीट 3 इंच
शिक्षा : बी ई (सिविल) आर्किटेक्ट
व्यवसाय : सिविल इंजीनियर
गोत्र : शांडिल्य
पता : 31 बड़ी भमोरी इन्दौर
संपर्क : 9329960500
ननिहाल : स्व भालचंद्र जी शुक्ला (बड़वानी)

नाम : जयंत शर्मा
पिता : श्री मुकेशचन्द्र शर्मा
माता : श्रीमती नन्दिनी शर्मा
जन्म : 17-12-1993
समय : सुबह 06.00 इन्दौर
कद : 5 फीट 8 इंच
शिक्षा : स्नातक, डीसीए, फायनेंसियल एका.
व्यवसाय : एसबीआई लाइफ इंश्योरेंश
गोत्र : वशिष्ठ
पता : चाणक्यपुरी, देवास
संपर्क : 9407102329, 8463013988
ननिहाल : दुबे परिवार, इन्दौर (इलेवन ब्रदर्स)

नाम : रवीश दुबे
पिता : श्री शैलेन्द्र दुबे
माता : श्रीमती तनुजा दुबे
जन्म : 24-06-1993
स्थान : महू
कद : 5 फीट 10 इंच
शिक्षा : बी टेक, एमटेक (एनआईटी), पी.एचडी आईआईटी खड़गपुर
व्यवसाय : येल यूनिवर्सिटी यूएसए में रिसर्च साइंटिस्ट
गोत्र : कोंडिन्य
पता : 17, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी धुले
संपर्क : 9823075194
ननिहाल : दुबे परिवार हसलपुर

नाम : शुभम तिवारी
पिता : श्री सुधीर तिवारी
माता : श्रीमती संगीता तिवारी
जन्म : 18-03-1994
समय : रात्रि 8.24 इंदौर
कद : 5 फीट 7 इंच
शिक्षा : एमबीए
व्यवसाय : नौकरी भारत बायो ऊर्जा
गोत्र : वत्स
पता : पता - 362 ए, सूर्यदेव नगर इंदौर
संपर्क : 9826564001
ननिहाल : श्री सुनील व्यास खान बड़ोदिया

नाम : शुभम दुबे
पिता : श्री ओमप्रकाश दुबे
माता : श्रीमती कल्पना दुबे
जन्म : 25-07-1994
समय : शाम 07:00 बजे इंदौर
कद :
शिक्षा : बी.कॉम.
व्यवसाय : ट्रैवलिंग मैनेजर
गोत्र :
पता : धरमपुरी, धार
संपर्क : 9669512478।
ननिहाल : श्री जैनेंद्र व्यास

नाम : आशुतोष शुक्ला
पिता : श्री संतोष शुक्ला
माता : श्रीमती अनीता शुक्ला
जन्म : 10-02-1994
समय : ङङङ बिजूर धार
कद : 5 फीट 7 इंच
शिक्षा : बीई सीएस
व्यवसाय : नौकरी विप्रो
गोत्र : वत्स
पता : 127, मॉर्डन सिटी
संपर्क : 9926932722,
ननिहाल : श्री कैलाश चंद्र रावल (बिजूर)

नाम : सौरभ दुबे
पिता : श्री सुनील कुमार दुबे
माता : स्व. श्रीमती रजनी दुबे
जन्म : 21-06-1992
समय : प्रातः 9.20 मंदसोर
कद : 5 फीट 4 इंच
शिक्षा : बीएससी (बायोटेक्नो), एमए (अंग्रेजी) पीएचडी, बीएड
व्यवसाय : प्रिंसिपल, नोबल पब्लिक स्कूल मंदसौर
गोत्र : शांडिल्य
पता : 138 एम आई जी विवेकानंद नगर मंदसौर
संपर्क : 8109843847, 6263233021
ननिहाल : स्व. श्री जमनालाल जी पंडित (अमजेरा)

नाम : प्रतीक रावल
पिता : श्री जयप्रकाश रावल
माता : श्रीमती ललिता रावल
जन्म : 27-05-1997
समय : सुबह 10.30 बजे इंदौर
कद : 5 फीट 5 इंच
शिक्षा : एमबीए (सूचना प्रौद्योगिकी)
व्यवसाय : नौकरी, पीएनजे शार्पटेक कंप्यूटिंग सर्विसेज नोएडा
गोत्र : भारद्वाज
पता : 225 दर्शन धाम कॉलोनी देपालपुर इंदौर
संपर्क : 8827316009, 9098445733
ननिहाल : श्री गजानंद जी दुबे, बदरखा इंदौर

नाम : श्रेयश पाठक
पिता : श्री ओमप्रकाश पाठक
माता : अंतिमा पाठक (गृहिणी)
जन्म : 11-10-1991
समय : प्रातः 3.20 इंदौर
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : बीई (इलेक्ट्रॉनिक्स एन्ड कम्युनिकेशन)
व्यवसाय : ब्लू फ्लेम लैब्स, पुणे में तकनीकी सलाहकार
गोत्र : शांडिल्य
पता : 119, शिव सिटी इंदौर
संपर्क : 9826576356, 7987243075
ननिहाल : श्री योगेश जोशी, राजगढ़ धार (नालछा वाले)

नाम : प्रतीक रावत
पिता : श्री प्रवीण रावत
माता : श्रीमती उषा रावत
जन्म : 08-04-1990
समय : इंदौर
कद : 5 फीट 10 इंच
शिक्षा : बी.ए.
व्यवसाय : कंप्यूटर हार्डवेयर नेटवर्किंग और पंडिताई
गोत्र : भारद्वाज
पता : 124-बी, वैभव नगर, कनाड़िया रोड, इंदौर
संपर्क : 7999442018
ननिहाल : पं. देवेंद्र दुबे (सुदामा नगर)

नाम : अमन जोशी
पिता : श्री राजेश जोशी
माता : श्रीमती रेखा जोशी-
जन्म : 20-10-1996
समय : दोपहर 2.30 - इंदौर
कद : 5 फीट 10 इंच
शिक्षा : -बी.फार्मा
व्यवसाय : नौकरी- सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री, हलोल, गुजरात
गोत्र : भारद्वाज
पता : कदवाली बुजुर्ग तह -सांवेर,
संपर्क : 9754903650
ननिहाल : श्री कैलाश ठाकुर, सेमलिया (चाऊ जिला इंदौर

नाम : राहुल व्यास
पिता : श्री महेश चंद्र व्यास
माता : श्रीमती प्रेमलता व्यास
जन्म : 24-07-1992
समय : ङङङ उज्जैन
कद : 5 फीट 8 इंच
शिक्षा : एमबीए (वित्त/विपणन डीएवीवी)
व्यवसाय : खुद का व्यवसाय कियोस्क बैंक, एमडी रैपिपे फिनटेक प्रा. लि.
गोत्र : वशिष्ठ
पता : व्यास खेड़ी, इंदौर
संपर्क : 9752035977, 9669898903
ननिहाल : श्री महादेव तिवारी, श्री हरीश तिवारी (भटूनी)

नाम : पीयूष व्यास
पिता : श्री संजय व्यास
माता : श्रीमती सारिका व्यास
जन्म : 12-05-1995
समय : 12:45 पूर्वाह्न इंदौर
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : बी.ई. (कम्प्यूटर साइंस)
व्यवसाय : वरिष्ठ वेब डेवलपर, सेवियर मार्केटिंग प्रा. लि., देवास
गोत्र : वशिष्ठ
पता : 212, कर्मचारी कॉलोनी देवास
संपर्क : 7869271563, 8109502239
ननिहाल : स्वर्गीय श्री कैलाशचंद्र जोशी, सगरोद इंदौर

नाम : दीपांशु पाठक
पिता : श्री शैलेन्द्र पाठक
माता : श्रीमती अर्चना पाठक
जन्म : 01-11-1998
समय : 07:24 प्रातः इंदौर
कद : 5 फीट 5 इंच
शिक्षा : एमसीए, बीसीए
व्यवसाय : सॉफ्टवेयर इंजीनियर (एक्सेंचर, पुणे)
गोत्र : कश्यप
पता : 18, व्यासफला जूनी इंदौर
संपर्क : 9425314049, 8815383180
ननिहाल : श्री ओम प्रकाश उपाध्याय, द्वारकापुरी, इंदौर

नाम : श्याम दुबे
पिता : श्री सुरेन्द्र दुबे
माता : श्रीमती गायत्री दुबे
जन्म : 13-07-1982
समय : शाम 7.30 बजे खरगोन
कद : ङङङ
शिक्षा : बी.ए.
व्यवसाय : स्वयं की कृषि भूमि, रेडिमेट गारमेंट
गोत्र : ङङङ
पता : कृष्णा पूरी मोहल्ला सेगाव जिला खरगोन
संपर्क : 9981180496
ननिहाल :

नाम : मानस जोशी
पिता : श्री संजय जोशी
माता : स्व. श्रीमती आशा जोशी
जन्म : 21-06-1994
समय : 12.20 इंदौर
कद : 6 फुट
शिक्षा : बी.कॉम, एलएलबी (ऑनर्स)
व्यवसाय : कानूनी सलाहकार (फार्मा कंपनी)
गोत्र : कश्यप
पता : 4/19 ए महेश नगर इंदौर
संपर्क : 9826078978, 9826078979
ननिहाल : ओमप्रकाश, मनोज, राजेंद्र पांडे सुदामानगर इंदौर

नाम : अमित मंडलोई
पिता : श्री नवीन मंडलोई
माता : श्रीमती कुसुम मंडलोई
जन्म : 21-10-1992
समय : दोपहर 12:20 बजे देपालपुर
कद : 6 फीट
शिक्षा : बीबीए एमबीए
व्यवसाय : डांस क्लास और नौकरी
गोत्र : गर्ग
पता : 1715, द्वारकापुरी इंदौर
संपर्क : 9926026160
ननिहाल : रावल परिवार देपालपुर

नाम : आयुष पण्डित
पिता : श्री सुदेश पण्डित
माता : श्रीमती प्रीति पण्डित
जन्म : 11-03-1995
समय : रात्रि 12.40 इंदौर
कद : 5 फीट 8 इंच
शिक्षा : बीई (इलेक्ट्रॉनिक्स), एमबीए
व्यवसाय : व्यवसाय : एडमिनिस्ट्रेटर काउंसलर, ओरिएंटल यूनि. इंदौर
गोत्र : भारद्वाज
पता : पता : 617- बी, सिलीकॉन सिटी इंदौर
संपर्क : 8602750383 /7869588069
ननिहाल : स्व.श्री सत्यनारायण जी त्रिवेदी (मावावाला त्रिवेदी परिवार)

नाम : आदित्य जोशी
पिता : श्री दिलीप जोशी
माता : श्रीमती अभिलाषा जोशी
जन्म : 17-08-1993
समय : दोपहर 2.45 शाहदा (महा.)
कद : 5 फीट 11 इंच
शिक्षा : बी.ई (सिविल) एम.टेक (एसजीएसआईटी इंदौर)
व्यवसाय : सीनि. एक्सेक्यूटिव बारबेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी प्रा. लि. मुंबई
गोत्र : वत्स
पता : 123 महावीर मार्ग खेतिया जिला बड़वानी
संपर्क : 6264283232, 7879434964
ननिहाल : श्री चंद्रशेखरजी पांड्या, श्री राजेंद्रजी पांड्या खरगोन

नाम : भरत शर्मा
पिता : श्री राकेश शर्मा
माता : श्रीमती शोभना शर्मा
जन्म : 08-07-1993
समय : प्रातः 09:40 इंदौर
कद : 5 फुट 10 इंच
शिक्षा : बी.ई. (मेकेनिकल)
व्यवसाय : सीनियर इंजीनियर, रामकी ग्रुप, पीथमपुर
गोत्र : कौशिक
पता : तिलक नगर, इंदौर
संपर्क : 7987426126, 9926319176
ननिहाल : श्री रमेश चंद्र शर्मा, इंदौर

नाम : गौरव व्यास
पिता : श्री कैलाशचंद्र व्यास
माता : श्रीमती सुमन व्यास
जन्म : 27-02-1987
समय : 6:05, देवास
कद : 5 फुट 6 इंच
शिक्षा : बी.ई. (कंप्यूटर साईंस)
व्यवसाय : नेटवर्क इंजीनियर रिलायंस जियो
गोत्र : भारद्वाज
पता : धार सिटी
संपर्क : 9893068243, 9993355816
ननिहाल : श्री मांगीलाल त्रिवेदी

नाम : आदित्य जोशी
पिता : श्री प्रवीण जोशी
माता : श्रीमती सुनीता जोशीङ
जन्म : 06-08-1994
समय : रात्रि 9.45 इंदौर
कद : 5 फुट 8 इंच
शिक्षा : बी.ई. (ई सी)
व्यवसाय : टेक्निकल मैनेजर HILTI- India, इंदौर
गोत्र : वत्स
पता : 1038 खातीवाला टैंक, इंदौर
संपर्क : 9644056564, 9826361834
ननिहाल : जोशी परिवार, टोड़ी इंदौर

नाम : कृष्णा रावत
पिता : श्री संजय रावत
माता : श्रीमती रीता रावत
जन्म : 31-10-1991
समय : रात्रि 11:30, इंदौर
कद : 5 फुट 8 इंच
शिक्षा : बी.ई. (कंप्यूटर साइंस), एमबीए.
व्यवसाय : सॉफ्टवेयर इंजीनियर इंदौर
गोत्र : भारद्वाज
पता : उषाकिरण 762-ए, सुदामा नगर इंदौर
संपर्क : 975559298, 9977910111
ननिहाल :

नाम : अखिलेश पंडित
पिता : श्री चन्द्रमोहन पंडित
माता : श्रीमती शीला पंडित
जन्म : 30-01-1993
समय : सुबह 6:20 रावतभाटा कोटा
कद : 5 फिट 8 इंच
शिक्षा : बीई (ई एंड सी)
व्यवसाय : सीनियर सॉफ्ट. इंजी. एफआईएस ग्लोबल यूएसए, बैंगलोर
गोत्र : गौत्र- कौंडिल्य
पता : C-2/1, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, नानाखेड़ा उज्जैन
संपर्क : 9423081727, 8007991727
ननिहाल : श्री मनोहर जोशी मुम्बई, श्री अविनाश जोशी इंदौर

नाम : केतन शर्मा
पिता : श्री विजय कुमार शर्मा
माता : स्वर्गीय श्रीमती अनीता शर्मा
जन्म : 08.08.1991
समय : प्रातः 09.04 इंदौर
कद : 6 फ़ीट
शिक्षा : स्नातक
व्यवसाय : नौकरी (अकाउंटेंट) इंदौर
गोत्र : ङ्ङ
पता : 16 ए आनंदगंज की ज़ीरी सखीपुरा उज्जैन
संपर्क : 9407894768, 8827929081
ननिहाल :

नाम : आदित्य मंडलोई
पिता : श्री हेमचंद्र मंडलोई
माता : श्रीमती संगीता मंडलोई
जन्म : 02-06-19999
समय : सुबह 04.20 उज्जैन
कद : 5 फीट 5 इंच
शिक्षा : बी.कॉम.
व्यवसाय : ङ्ङ
गोत्र : गर्ग
पता : 20 ए सत्य साईं बाग कॉलोनी
संपर्क : 8602191999
ननिहाल :

नाम : अंकित शर्मा
पिता : श्री हरगोविन्द शर्मा
माता : श्रीमती कमला शर्मा
जन्म : 31-03-1989
समय : शाम 4:30 शेरपुर (रतलाम)
कद : 5 फीट 9 इंच
शिक्षा : बी.ई.(आई.टी)
व्यवसाय : नोकरी (सेफायर कन्सलटेंट)
गोत्र : गर्ग
पता : 61, मोहन नगर रतलाम
संपर्क : 9893977399, 9174955125
ननिहाल : श्री दिनेश जोशी पदमा खोरिया (महिदपुर)

नाम : रवि जोशी
पिता : श्री अशोक जोशी
माता : श्रीमती गायत्री जोशी
जन्म : 03-06-1990
समय : दोपहर 12:00 बड़वानी
कद : 5 फ़ीट 8 इंच
शिक्षा :
व्यवसाय : बी.ए.आप्टिकल शॉप
गोत्र : वत्स
पता : 37 श्रीजी कुंज कॉलोनी आशा ग्राम रोड बड़वानी
संपर्क : 9425981480
ननिहाल : श्री महेश चतुर्वेदी कसरावद

नाम : अभिजीत भट्ट
पिता : मुकेश भट्ट
माता : बीना भट्ट
जन्म : 11-09-1993
समय : सायं 16.09 मंदसौर
कद : 173 सेमी
शिक्षा : बीई (सिविल), सीपीपीएम
व्यवसाय : रेजिडेंट फील्ड इंजीनियर, एसटीसी मालदीव
गोत्र : गोत्र। भारद्वाज
पता : 454/1 सी, सुदामानगर, अन्नपूर्णा सेक्टर, इंदौर
संपर्क : 9826580099
ननिहाल : व्यास परिवार मंदसौर

नाम : शुभम मंडलोई
पिता : श्री राजेश मंडलोई
माता : श्रीमती संध्या मंडलोई
जन्म : 08-06-1996
समय : सुबह. 8:30 इंदौर
कद : 5 फ़ीट 8 इंच
शिक्षा : बी.कॉम., एम.बी.ए
व्यवसाय : मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (अल्ट्राटेक)
गोत्र : शाँडिल्य
पता : 57 अ, आशीष रिजेंसी, पिपलिया हाना, इन्दौर
संपर्क : 9753336900
ननिहाल : स्व. श्री वासुदेव जी पाठक

नाम : नकुल पुराणिक
पिता : श्री वीरेंद्र पुराणिक
माता : श्रीमती ज्योति पुराणिक
जन्म : 21-12-1992
समय : सुबह (रात) 1:45 इंदौर
कद : 5 फीट 10 इंच
शिक्षा : बीई (आईटी)
व्यवसाय : आईटी (एक्सेंचर इंदौर)
गोत्र : भारद्वाज
पता : पताः- 20, साउथ राज मोहल्ला, इंदौर
संपर्क : 7693018836
ननिहाल : स्व. श्री श्रीराम ठाकुर (सेमल्या चाउ)

नाम : दर्पण जोशी
पिता : श्री नवीन जोशी
माता : श्रीमती सीमा जोशी
जन्म : 09-03-1997
समय : दोपहर 4.45
कद :
शिक्षा : बी.एससी
व्यवसाय : संपूर्ण कर्मकांड
गोत्र :
पता : क्वींस पार्क कॉलोनी धार
संपर्क : 8817221643, 8815975115
ननिहाल :

नाम : पंकज दुबे
पिता : श्री मधुसूदन दुबे
माता : श्रीमती गायत्री दुबे
जन्म : 13-09-1981
समय : सुबह 9:40 बजे देवास
कद : ऊंचाई - 6'1'
शिक्षा : MBA
व्यवसाय : नौकरी - स्टेट हेड (ईवोलेट इलेक्ट्रिक वाहन)
गोत्र : भारद्वाज
पता : देवास (म. प्र.)
संपर्क : संपर्क - 9669282333
ननिहाल : तिवारी परिवार, नागौरा (देवास)

नाम : प्रतिक शर्मा
पिता : श्री सुरेश शर्मा
माता : श्रीमती किरण शर्मा
जन्म : 17-04-1990
समय : ङङ खरगौन
कद : 5.8
शिक्षा : बी.ई. (मेके.) पीएएससी की तैयारी
व्यवसाय : ओजेएएस आईएएस कोचिंग, खरगौन
गोत्र : कश्यप
पता : गंगा धाम कॉलोनी बिसटान रोड़ खरगौन
संपर्क : 9685968425
ननिहाल : श्री श्याम मांगीलाल तिवारी

नाम : देवेश कानूनगो
पिता : श्री विजय कानूनगो
माता : श्रीमती वीणा कानूनगो
जन्म : 14-01-1997
समय : रात 11.50 धार
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : बी एस सी बायोटेक्नोलॉजी
व्यवसाय : एलईसी बीमा कंपनी
गोत्र : कश्यप
पता : पो चौपाटी नालछा धार
संपर्क : 98276 29811
ननिहाल : मंडलोई परिवार दौगावा (कसरावद)

नाम : श्रेय दुबे
पिता : श्रीमान राकेश दुबे
माता : श्रीमती शैलजा दुबे
जन्म : 31-05-1992
समय : सुबह 11.01.30 इंदौर
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : एमबीए (वित्त)
व्यवसाय : डिप्टी मैनेजर, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
गोत्र : भारद्वाज
पता : 89 -बी, वैशाली नगर, इंदौर
संपर्क : 9893965735
ननिहाल : श्री संदीप तिवारी, सुदामा नगर, इंदौर

नाम : अंबर पंडित
पिता : श्री मदन मोहन पंडित
माता : श्रीमती ज्योति पंडित
जन्म : 03-07-1991
समय : अपराह्न 01.15 गंजबासौदा
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : बीटेक (कंप्यूटर साइंस) एनआईटी, दिल्ली
व्यवसाय : सॉफ्ट. इंजी. कैविस्टा (वर्क फ्रॉम होम)
गोत्र : कौंडिल्य
पता : रीगल टाउन, अवध पुरी, भोपाल
संपर्क : 7999228421
ननिहाल : श्री सीतारामजी रावल, भोपाल

नाम : अंकित शर्मा
पिता : श्री सुरेश शर्मा
माता : श्रीमती किरण शर्मा
जन्म : 09-11-1991
समय : ङ्ङङ खरगौन
कद : 5 फीट 8 इंच
शिक्षा : बी.कॉम.
व्यवसाय : प्रा. जॉब बैंक (खरगौन)
गोत्र : गौत्र । कश्यप
पता : गंगा धाम कॉलोनी बिसटान रोड़ खरगौन
संपर्क : 9685968425
ननिहाल : श्री श्याम मांगीलाल तिवारी

नाम : सजल रावत
पिता : श्री शैलेंद्र रावत
माता : श्रीमती अंजू रावत
जन्म : 21/2/1997
समय : 2.30 ज्ञ धार
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : सीएस (कंप्यूटर साइंस)
व्यवसाय : टीसीएस इंदौर
गोत्र : गोत्र भारद्वाज
पता : 6-ॐ, शरद नगर धार
संपर्क : 982786 8661
ननिहाल : धामंदा धार

नाम : शशांक शुक्ला
पिता : श्री राकेश कुमार शुक्ल
माता : श्रीमती छायाबेन शुक्ला
जन्म : 18-11-1999
समय : सुबह 09:30 धार
कद : 5 फीट 2 इंच
शिक्षा : एमबीए
व्यवसाय : खुद का व्यवसाय
गोत्र : कात्यायनी
पता : टी-3, भक्ति एवेन्यू, कंसुडी रोड, गोधरा गुजरात
संपर्क : 7265037009
ननिहाल :

नाम : रोहित भारद्वाज (हितेन)
पिता : श्री गोपाल कृष्ण भारद्वाज
माता : श्रीमती सविता भारद्वाज
जन्म : 25-03-1991
समय : सुबह 3.45 देवास
कद : 5 फीट 8 इंच
शिक्षा : एमएससी (कंप्यूटर साइंस), पीजीडीसीए
व्यवसाय : डीएन कंस्ट्रक्शंस ,भोपाल और खेती
गोत्र : लालगड़े जोशी
पता : पता - गुलाब विहार कॉलोनी सीहोर
संपर्क : 9301620200, 7898737337
ननिहाल : तिवारी परिवार देवास

नाम : हर्षद पाठक
पिता : स्वर्गीय श्री सुरेश पाठक
माता : श्रीमती सपना पाठक
जन्म : 11-03-1997
समय : सुबह 9:15 पुणे
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : बीकॉम, एलएलबी
व्यवसाय : मार्केटिंग मैनेजर (रियल एस्टेट)
गोत्र : गौतम
पता : मीठा तालाब के पास साईं शहर, देवास
संपर्क : 8602360783, 9009359074
ननिहाल : श्री अरुण कुमार ओझा, देवास

नाम : कुशाग्र दुबे (अंशुमन)
पिता : श्री अजय दुबे
माता : श्रीमती रजनी दुबे
जन्म : 25-10-1994
समय : सुबह 6:55 बजे मंदसौर
कद : 5 फीट 11 इंच
शिक्षा : बीए, पीजीडीसीए
व्यवसाय : शाखा प्रबंधक कैपरी ग्लोबल कैपिटल मंदसौर
गोत्र : शांडिल्य
पता : 203 अभिनंदन आनंद विहार के पास, मंदसौर
संपर्क : 9752127137, 8109849185
ननिहाल : श्री संजय जोशी नंदनगर इंदौर

नाम : अर्पित तिवारी
पिता : श्री दिलीप कुमार तिवारी
माता : श्रीमती करुणा तिवारी
जन्म : 27-04-1992
समय : इंदौर
कद : 5 फीट 10 इंच
शिक्षा : बी.ई (कंप्यूटर साइंस)
व्यवसाय : विन्ज 91, इंदौर.
गोत्र : वत्स
पता : 13, राधेश्याम नगर, गीताभवन, मन्दसौर
संपर्क : 9926078712, 7999834106
ननिहाल : पंड्या परिवार, खरगोन

नाम : डॉ. अम्बर जोशी
पिता : श्री पुरूषोत्तम जोशी
माता : श्रीमती कमला जोशी
जन्म : 14-07-1983
समय : 4.52 सायंकाल नेपानगर
कद : 6 फ़ीट
शिक्षा : एमबीबीएस, एमडी की पढ़ाई (एमजीएमएमसी, इंदौर)
व्यवसाय : मेडिकल आफिसर ग्रेड 2 (सरकारी) बुरहानपुर
गोत्र : वशिष्ठ
पता : बी - 234, न्यू कॉलोनी, नेपानगर
संपर्क : 9713556405, 6263953697
ननिहाल : श्री आर जी सरकानुनगो, खरगोन

नाम : प्रणव मांडलिक
पिता : श्री मनोज मांडलिक
माता : श्रीमती सीमा मांडलिक
जन्म : 03--11-1998
समय : रात्रि 10:10 उज्जैन
कद : ङङङ
शिक्षा : मास्टर इन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट (यूएसए)
व्यवसाय : सीनियर कंसलटेंट रॉबर्ट हाफ, प्रोटिविटी डिजिटल, सैन रेमन, कैलिफोर्निया
गोत्र : गर्ग
पता : 27 श्रीपाल मार्ग भागसी पुरा उज्जैन
संपर्क : 9669460432, 9826658299
ननिहाल : श्री दिनेशचंद्र जी जोशी, बुरानाखेड़ी

नाम : अतुल पुराणिक
पिता : श्री दिनेश पुराणिक
माता : श्रीमती इंदु पुराणिक
जन्म : 18-11-1992
समय : रात्रि 11 बजे धार
कद : 5 फ़ीट 4 इंच
शिक्षा : बीए, कंप्यूटर डिप्लोमा
व्यवसाय : फार्मा कंपनी
गोत्र : भारद्वाज
पता : दिगठान जिला धार
संपर्क : 8827790044
ननिहाल : पाठक परिवार रालामाडल (धार)

नाम : नीतीश पुराणिक
पिता : स्व. श्री अनिल कुमार पुराणिक
माता : श्रीमती सुधा पुराणिक
जन्म : 28-06-1995
समय : दोपहर 3.35 इंदौर
कद : 5 फीट 11 इंच
शिक्षा : एमसीए (एमबीए एक्ज. की पढ़ाई)
व्यवसाय : सीनियर एग्जीक्यूटिव (वीडियो)
गोत्र : भारद्वाज
पता : जीजे 60 स्कीम नंबर 54. विजय नगर, इंदौर
संपर्क : 8878010583, 8770352770
ननिहाल : डॉ. केसी शुक्ला, धार

नाम : आयुष जोशी
पिता : श्री दिलीप जोशी
माता : श्रीमती अर्चना जोशी
जन्म : 24-06-1990
समय : दोपहर 12.26 इंदौर
कद : 5 फुट 7 इंच
शिक्षा : बीटेक (कंप्यूटर साइंस), एमबीए
व्यवसाय : सीनि. क्वालिटी इंजी. (एसएंडपी ग्लोबल) अहमदाबाद
गोत्र : कश्यप
पता : बंगला नंबर 14, मां विहार कॉलोनी इंदौर
संपर्क : 9893022686, 9425312686
ननिहाल : डॉ परितोष दुबे, महू

नाम : अंशुल व्यास
पिता : श्री दिलीप व्यास
माता : स्व. श्रीमती सविता व्यास
जन्म : 20-12-1994
समय : शाम 6.40 धर
कद : 5 फीट 8 इंच
शिक्षा : बीएससी (सीएस), एलएलएम
व्यवसाय : एडवोकेट नगर निगम कार्यालय इंदौर,
गोत्र : गोत्र - वत्स
पता : 40 चाणक्यपुरी, धार
संपर्क : 9009244243, 9009253841
ननिहाल : श्री अशोक, श्री मुकेश मांडलिक, दिगठान

नाम : चिन्मय शर्मा
पिता : श्री कमलकिशोर शर्मा
माता : श्रीमती मीना शर्मा
जन्म : 16.09.1996
समय : सुबह 09.04 इन्दौर
कद : 5 फ़ीट 7 इंच
शिक्षा : एमबीए
व्यवसाय : जॉब टीसीएस कं.
गोत्र : गौतम
पता : 17, अखंड नगर एरोड्रम रोड़ इन्दौर
संपर्क : 7697929758, 8827560548
ननिहाल : श्री राजेश दुबे, श्री संजीव दुबे इन्दौर

नाम : कपिल पाठक
पिता : स्व. श्री योगेंद्र पाठक
माता : श्रीमती संगीता पाठक
जन्म : 20-12-1994
समय : सुबह 4.30 बड़वानी
कद : 5 फीट 4 इंच
शिक्षा : एमबीए
व्यवसाय : एचडीएफसी बैंक बड़वानी
गोत्र : कश्यप
पता : गायत्री मंदिर के पास, पति नाका, बड़वानी
संपर्क : 8770042728, 9630253696
ननिहाल : श्री दीपक दुबे, बड़वानी

नाम : आशीष नाईक
पिता : श्री शिवकुमार नाईक
माता : श्रीमती शर्मिला नाईक
जन्म : 29.01.1994
समय : दोपहर 02.50
कद : 5 फ़ीट 9 इंच
शिक्षा : बी.टेक., पीजीडीएम, निफ्ट
व्यवसाय : असि. मैनेजर, आदित्य बिरला
गोत्र : कश्यप
पता : 287-बी, अमृत पैलेस निपानिया, इन्दौर
संपर्क : 7769097846, 7415141331
ननिहाल : स्व. श्रीधर कानूनगो, जूनी इन्दौर

नाम : अंकित दुबे (मनाना)
पिता : श्री अशोक मनाना
माता : श्रीमती सुनीता दुबे
जन्म : 14.04.1991
समय : सुबह 08.08 इन्दौर
कद : 5 फ़ीट 10 इंच
शिक्षा : बीकॉम, आईटीआई
व्यवसाय : सीनियर एग्जेक्युटिव
गोत्र : भारद्वाज
पता : तिरुमाला टाउन, एरोड्रम रोड़, इन्दौर
संपर्क : 8889111470
ननिहाल : श्री टी.के. दुबे इन्दौर

नाम : राहुल पाठक
पिता : श्री कैलाशचंद्र पाठक
माता : श्रीमती रेखा पाठक
जन्म : 09.07.1991
समय : रात्रि (सु.) 02.10 इन्दौर
कद : 5 फ़ीट 6 इंच
शिक्षा : एमएसडब्ल्यू, बी.टेक, पीजीएचआरडी
व्यवसाय : ह्यूमन रिसोर्स
गोत्र : भारद्वाज
पता : एस पी 84, सुदामा नगर, इन्दौर
संपर्क : 9685452801, 9893038542
ननिहाल : स्व. श्री बाबूराव दुबे, हातोद

नाम : एकांश पंडित
पिता : श्री मधुसूदन पंडित
माता : श्रीमती वसुंधरा पंडित
जन्म : 09.07.1996
समय : सायं 7.10 इन्दौर
कद : 5 फ़ीट 9 इंच
शिक्षा : बी.ई.
व्यवसाय : वेस्टर्न यूनियन पुणे
गोत्र : वत्स
पता : 37, शनि गली, जूनी इन्दौर
संपर्क : 9826496428, 8989056511
ननिहाल : रावल परिवार, महेश्वर

नाम : निश्चय दुबे
पिता : श्री गोपाल दुबे
माता : श्रीमती संगीता दुबे
जन्म : 22.07.1991
समय : 11.15 इन्दौर
कद : 5 फ़ीट 8 इंच
शिक्षा : बी.आक.
व्यवसाय : आर्किटेक्ट
गोत्र : शांडिल्य
पता : 87 बी, विजय नगर भोपाल
संपर्क : 9977028285, 7999384133
ननिहाल : श्री मदनलाल ठाकुर, श्री सुरेश ठाकुर

नाम : उदय त्रिवेदी
पिता : श्री शैलेन्द्र त्रिवेदी
माता : श्रीमती रेखा त्रिवेदी
जन्म : 09.03.1995
समय : दोपहर 02.24 इन्दौर
कद : 5 फ़ीट 5 इंच
शिक्षा : बीई (आईटी), एमबीए
व्यवसाय : सीनियर डिजिटल मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव
गोत्र : कश्यप
पता : 971, खातीवाला टैंक, इन्दौर
संपर्क : 9993836490, 9993551373
ननिहाल : स्व. श्री विष्णुप्रसाद व्यास, नरवर

नाम : अपूर्व भारद्वाज
पिता : श्री विनोद भारद्वाज
माता : श्रीमती उषा भारद्वाज
जन्म : 21.12.1992
समय : सुबह 11.30 इन्दौर
कद : 5 फ़ीट 6 इंच
शिक्षा : बीई (मैके.)
व्यवसाय : आर एंड डी इंजीनियर
गोत्र : भारद्वाज
पता : 103/300 क्लर्क कॉलोनी इन्दौर
संपर्क : 9753125910
ननिहाल : स्व. श्री रामचन्द्र मण्डलोई

नाम : प्रतीक शर्मा
पिता : श्री प्रमोद शर्मा
माता : श्रीमती कमलेश शर्मा
जन्म : 14.03.1992
समय : सुबह 10.07 इन्दौर
कद : 6 फ़ीट
शिक्षा : बी ई (सिविल)
व्यवसाय : कंस्ट्रक्शन वर्क
गोत्र : भारद्वाज
पता : 10/1, श्री दत्त अपार्टमेन्ट इन्दौर
संपर्क : 9826011297
ननिहाल : मोदी परिवार इन्दौर

नाम : सौरभ जोशी
पिता : श्री अरूण प्रकाश जोशी
माता : श्रीमती ज्योति जोशी
जन्म : 10.06.1991
समय : संय 4.45 इन्दौर
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : एस्ट्रोलॉजी मे स्नात्कोत्तर, एलएलबी आनर्स
व्यवसाय : स्वयं का व्यवसाय
गोत्र : भारद्वाज
पता : 241 बी, विदुर नगर इन्दौर
संपर्क : 9826609626, 9884725696
ननिहाल : ठाकुर परिवार सेमल्या चाऊ

नाम : यश पाठक
पिता : श्री अशोक पाठक
माता : श्रीमती ललिता पाठक
जन्म : 04.08.1996
समय : दोपहर 12.05 बेटमा (इन्दौर)
कद : 5 फीट 6 इंच
शिक्षा : बी.ई
व्यवसाय : इंजीनियर टीसीएस मुंबई
गोत्र : शांडिल्य
पता : 262-जी, ब्राह्मण मोहल्ला, बाग जि. धार
संपर्क : 9098911755, 7898332508
ननिहाल : मण्डलोई परिवार बेटमा

नाम : सौरभ शर्मा
पिता : स्व. श्री दिलीप शर्मा
माता : श्रीमती चंचला शर्मा
जन्म : 26.02.1990
समय : दोपहर 12.45
कद : 5 फीट 7 इंच
शिक्षा : एम.टेक
व्यवसाय : डिज़ाइन इंजी. एस.टी. माइक्रोइलेक्ट्रोनिक्स
गोत्र : शाण्डिल्य
पता : आई-17, नर्मदा प्रोजेक्ट मूसाखेड़ी
संपर्क : 9993910361, 9754201681
ननिहाल : श्री दिनेश ठाकुर (सेमल्या वाले) इन्दौर

नाम : गौरव जोशी
पिता : श्री अरूणप्रकाश जोशी
माता : श्रीमती ज्योति जोशी
जन्म : 05.11.1988
समय : दोपहर 1.35 इन्दौर
कद : 5 फीट 4 इंच
शिक्षा : बी.कॉम., डी.सी.ए, एम.बी.ए
व्यवसाय : ब्रांच मेनेजर विप्रो, चेन्नई
गोत्र : भारद्वाज
पता : 241 बी, विदुर नगर, इन्दौ
संपर्क : 9826609626
ननिहाल : श्री पुरूषोत्तम ठाकुर, सेमल्या चाऊ

नाम : ब्रजेश त्रिवेदी
पिता : श्री सुभाष त्रिवेदी
माता : श्रीमती अंजना त्रिवेदी
जन्म : 1.4.1987
समय : सु. 8.25, बिष्टान
कद : 5'8''
शिक्षा : एमए, डीएड, पीजीडीसीए
व्यवसाय : संविदा शिक्षक-3
गोत्र : वत्स
पता : मंदिर चौक, बिष्टान
संपर्क : 9753262319, 8223946343
ननिहाल : श्री मनोज जोशी, सेंधवा

नाम : आदर्श त्रिवेदी
पिता : श्री सुभाष त्रिवेदी
माता : श्रीमती कविता त्रिवेदी
जन्म : 09-07-1996
समय : सुबह 11.22 बजे, इंदौर
कद : 5'8''
शिक्षा : बी.ई. (मैकेनिकल)
व्यवसाय : एम.एन.सी. (पीथमपुर)
गोत्र : गर्ग
पता : 3353-ई, सुदामा नगर, इंदौर
संपर्क : 9425052494, 7987641360
ननिहाल : श्री बी.के. व्यास, सुखेड़ा, रतलाम

नाम : आशुतोष कानूनगो
पिता : श्री राजेश कानूनगो
माता : श्रीमती साधना कानूनगो
जन्म : 03-04-1992
समय : इन्दौर
कद : 5' 7''
शिक्षा : बीएससी (बायो टेक्नालॉजी)
व्यवसाय : कम्प्यूटर एक्जीक्यूटिव
गोत्र : हरित
पता : 97, अलंकार पैलेस, केशरबाग रोड,इंदौर
संपर्क : 919424514280, 9424513227
ननिहाल : मंडलोई परिवार, सागोर

नाम : वैभव पाठक
पिता : स्व. श्री प्रदीप पाठक
माता : श्रीमती संगीता पाठक
जन्म : 2.3.1993
समय : रात्रि 12, इन्दौर
कद : 5'11''
शिक्षा : बीई (सीएस)
व्यवसाय : साफ्ट. डेवलपर
गोत्र : कश्यप
पता : 4, विज्ञान नगर, इन्दौर
संपर्क : 9111088890
ननिहाल : श्री लक्ष्मीनारायण जोशी

नाम : मनोनय पंडित
पिता : श्री वीरेन्द्र पंडित
माता : श्रीमती रश्मि पंडित
जन्म : 25-9-1992
समय : सुबह 10.50, इन्दौर
कद : 5'9''
शिक्षा : बी.ई. (मैकेनिकल)
व्यवसाय : इंजीनियर
गोत्र : शांडिल्य
पता : 62, लेबर कॉलोनी, मंदसौर
संपर्क : 9424885905, 9109366088
ननिहाल : जोशी परिवार, खातीवाला टैंक

नाम : महादीप (गोलू) जोशी
पिता : श्री प्रदीप जोशी
माता : श्रीमती शोभा जोशी
जन्म : 13.1.1994
समय : रात्रि 11.08, इन्दौर
कद : 5 फीट 7 इंच
शिक्षा : बी.कॉम
व्यवसाय : सुपरवाइजर
गोत्र : वत्स
पता : ग्राम सनावदिया, जिला इन्दौर
संपर्क : 9977334496
ननिहाल : श्री श्रीकांत दुबे, चंदाना, देवास

नाम : अंकित व्यास
पिता : श्री श्रीकृष्ण व्यास
माता : श्रीमती सुषमा व्यास
जन्म : 10.5.1990
समय : सु. 8.36, इन्दौर
कद : 5'8''
शिक्षा : बीई (आयटी)
व्यवसाय : साफ्ट. इंजीनियर, इन्दौर
गोत्र : वत्स
पता : 202, पलक अर्पा. 36 पानीसपागा, इन्दौर
संपर्क : 9755283363, 6260794408
ननिहाल : सर्वश्री शेखर, शैलेन्द्र, संजय पण्ड्या

बधाई शुभकामना बधाई

कु. अनाया नायक

(जन्म : 18 जनवरी 2014)

कौन कहता है कि सिर्फ चिरागों से घर सेशन होता है
घर में उजाला करने के लिए एक बेटी ही काफी है...!

आल इंडिया इंटर जोन कराटे चैम्पियनशिप 2022 दिल्ली में स्वर्ण पदक विजेता तथा आल इंडिया सब जूनियर कराटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता, हमारी प्यारी बिटिया कु. अनाया को 9वें जन्मदिन पर ढ़ेर सारी बधाई, शुभकामनाएं और आशीर्वाद

हमें तुम पर गर्व है, अनाया

दादा-दादी : सन्तोष-सौ.शान्ता नायक • पापा-मम्मी : सौरभ-सौ. चेतना नायक
भुआ-फूफाजी : स्व. एकता (अंजू)-राजेश व्यास
बड़ी नानी : अनुसुइया जोशी • नाना-नानी : मंगेशजी-सौ. हेमलता जोशी
मामी-मामा : प्रतीक-सौ. भावना जोशी • मौसी-मौसाजी : सौ. जया-दिव्येन्दु मांडलिक, सौ. दक्षा- अमित बैरागी
भाई-बहन : रचित, मोहक व्यास, आर्याही मांडलिक

समस्त नायक (खिरकिया) एवं जोशी (आगरोद) परिवार

एम-49, खातीवाला टैंक इन्दौर, मोबा. 9406826302

RNI No. MPHIN/30539-TC

औंकारेश्वर न्यास के पुनर्गठन पर बधाई

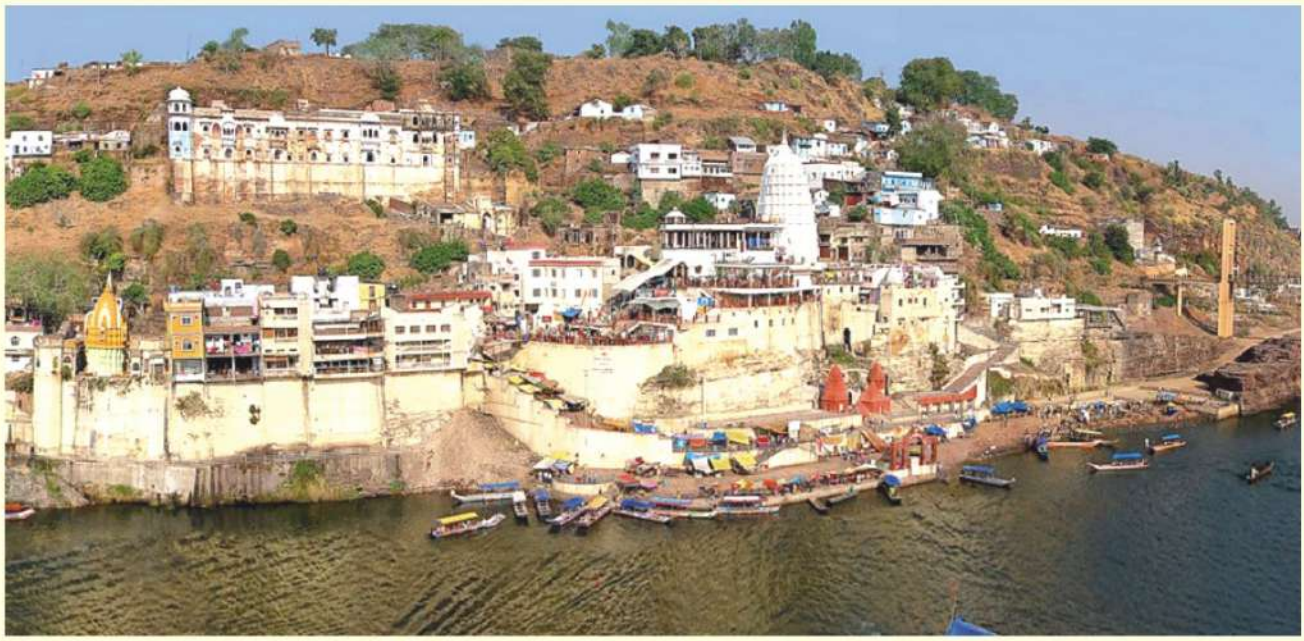

श्री श्रीगौड़ मालवीय ब्राहमण समाज न्यास औंकारेश्वर के पुर्नगठन पर सभी सहयोगियों को धन्यवाद एवं सभी समाजजन को बधाई। उक्त न्यास सन् 1992 में पंजीकृत हुआ था किन्तु न्यास के अधिकांश न्यासीगण का निधन होने के कारण अधिक कार्य न हो सका। न्यास के कार्य को आगे बढ़ाने एवं धर्मशाला के निर्माण हेतु सन् 2022 में न्यास का पुनर्गठन किया गया।

पुर्नगठित न्यास द्वारा धर्मशाला निर्माण हेतु धर्मशाला स्थान की साफ सफाई एवं नक्क्षा स्वीकृत करवाने की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। न्यास का बैक खाता भी सूचारु रुप से प्रारंभ हो चुका है। न्यास द्वारा अतिशीघ्र समाज कल्याणार्थ धर्मशाला निर्माण हेतु भूमिपूजन करने का प्रयास किया जा रहा है।

नरेन्द्र जोशी

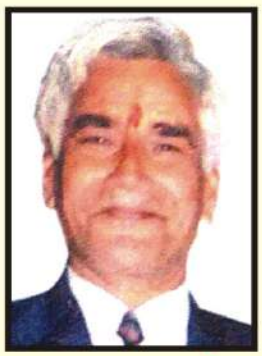

जयप्रकाश नाईक

संजय पाठक

अशोक कानूनगो

अध्यक्ष-नरेन्द्र जोशी, उपाध्यक्ष-पं. सुरेश त्रिवेदी व जयप्रकाश नाईक, सचिव-संजय पाठक, सहसचिव-अश्विन त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष-अशोक कानूनगो, सदस्य-सतीश दुबे, पं. वेदप्रकाश शुक्ल, ओमप्रकाश त्रिवेदी, राजेन्द्र व्यास, जितेंद्र जोशी

984, सुदामा नगर इंदौर-452009 मोबा.-9022982966, 9425053836, 9827332902

श्री श्रीगौड़ संवाद नवचेतना समिति के लिए प्रकाशक, मुद्रक सुभाष जोशी द्वारा आरटेक ग्राफिक्स 864/9, नेहरू नगर, इन्दौर से मुद्रित एवं 302, वर्धमान अपार्टमेंट, ए-4, सिलीकॉन सिटी, इन्दौर-452012 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मनोहर दुबे